सेंसेक्स	80,182.20
निफ्टी	24,198.85
सोना	77,840
चांदी	92500
डॉलर	84.87

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 19 दिसम्बर 2024
पौष कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 87
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

लापता लेडीज ऑस्कर की रेस से बाहर

मुंबई । फिल्म लापता लेडीज 97वें ऑस्कर अवार्ड-2025 की रेस से बाहर हो गई है। यह फिल्म अंतिम 15 फिल्मों की सूची में शामिल नहीं हो पाई। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने बुधवार सुबह यह ऐलान किया। फिल्म की टीम ने इस पर रिएक्शन दिया है। बयान में उन्होंने कहा- लापता लेडीज इस साल एकेडमी अवॉर्ड्स की शॉर्टलिस्ट में जगह नहीं बना पाई। यह हमारे लिए निराशाजनक है। लेकिन, हमें इस जर्नी के दौरान आप सभी का समर्थन और भरोसा मिला है, इसके लिए आभार व्यक्त करते हैं।

रेलवे महाकुंभ में फ्री ट्रेन यात्रा नहीं कराएगा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले के दौरान जनरल में बिना टिकट यात्रा से जुड़ी खबरों पर रेल मंत्रालय ने बुधवार को सफाई दी है। भारतीय रेलवे ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को फ्री यात्रा की अनुमति देने वाली खबरें पूरी तरह से आधारहीन और अफवाह हैं। पहले खबर आई थी कि यात्री प्रयागराज से 200 से 250 किमी की दूरी कर मुफ्त में यात्रा कर सकते हैं।

रेल मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। इन रिपोर्टों का खंडन करते हैं, क्योंकि वे पूरी तरह से निराधार और भ्रामक हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रेलवे के नियमों के तहत बिना वैध टिकट के यात्रा करना दंडनीय अपराध है।

दिल्ली में 60 साल से ऊपर बुजुर्गों का मुफ्त इलाज

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना का ऐलान किया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल ने घोषणा की कि 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों का मुफ्त इलाज होगा। केजरीवाल ने साफ किया कि ये इलाज सभी बुजुर्गों के लिए मुफ्त होगा, चाहे वो किसी भी कैटेगरी में आते हों। इससे पहले केजरीवाल बुजुर्गों के लिए 2500 रुपए पेंशन, ऑटोवालों के लिए 5 लाख तक का बीमा और महिलाओं के लिए 1000 रुपए महीने की घोषणा कर चुके हैं। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। अगले दो महीने में चुनाव हो सकते हैं।

10 साल के बाद आधार में नया फोटो अपडेट करना जरूरी

नई दिल्ली। आधार कार्ड यदि 10 साल पहले का बना हुआ है। उसका फोटो 10 साल के बाद अपडेट करना जरूरी है। यदि नया फोटो अपडेट नहीं कराया गया, तो आधार कार्ड निरस्त हो सकता है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा 10 साल पुराने आधार कार्ड में पता और पहचान अपडेट करने को अनिवार्य किया गया है। ऑनलाइन अपग्रेडेशन के लिए, 6 माह की समय सीमा और बढ़ा दी गई है। प्राधिकरण निर्देश के अनुसार 10 साल में जिन लोगों ने अपने आधार में पता नहीं बदलवाया है। वह केवल अपना फोटो बदलवाकर उसे अपडेट कर सकते हैं। 10 साल पुराने आधार कार्ड पर जिन लोगों ने एक बार भी अपना फोटो नहीं बदलवाया है। उनके लिए बायोमैट्रिक डाटा, जिसमें फिंगरप्रिंट और आंखों की पुतली अपडेट करना अनिवार्य किया गया है।

शाह के अंबेडकर पर बयान के खिलाफ कांग्रेस का सडक़ से लेकर संसद तक प्रदर्शन,

अंबेडकर पर घमासान...आर-पार का ऐलान

- कांग्रेस बोली... संविधान ग्रंथ तो अंबेडकर भगवान, गृह मंत्री बोले-मेरा बयान तोड़ा-मरोड़ा
- मोदी बोले- नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया, भारत रत्न नहीं दिया, अब कांग्रेस नाटक कर रही
- खडग़े की मांग-रात 12 से पहले प्रधानमंत्री मोदी गृह मंत्री को करें बर्खास्त

नई दिल्ली । अमित शाह की संसद में अंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को सडक़ से लेकर संसद तक प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कहा कि शाह ने अंबेडकर का अपमान किया। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि अगर संविधान ग्रंथ है तो अंबेडकर भगवान हैं। कांग्रेस ने शाह के इस्तीफे की मांग की है। इन बयानों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को जवाब दिया। मोदी ने एक्स पर 6 पोस्ट किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब अंबेडकर पर नाटक कर रही है। पंडित नेहरू ने चुनाव में अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। उन्हें भारत रत्न देने से कांग्रेस ने इनकार किया। एससी-एसटी पर सबसे ज्यादा नरसंहार कांग्रेस के शासन काल में हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा कि बाबा साहेब पर अमित शाह का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। ये लोग मनुस्मृति को मानते हैं। शाह को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने गृहमंत्री को डिफेंड करने के लिए 6 पोस्ट किए। क्या जरूरत थी ऐसा करने की। अगर कोई अंबेडकर के बारे में गलत बोलता है, तो उसको अपनी कैबिनेट से निकाल देना चाहिए था। लेकिन दोनों बड़े गहरे दोस्त हैं, एक-दूसरे के पाप को सपोर्ट करते हैं। मोदीजी को अगर जरा भी अंबेडकर के बारे में श्रद्धा है तो रात 12 बजे से पहले शाह को बर्खास्त कर देना चाहिए। नहीं तो देशभर में प्रदर्शन होगा।

दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है। अम्बेडकर, अम्बेडकर... इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। इस पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अंबेडकर के अपमान को लेकर हंगामा हुआ। गृह मंत्री के बयान के खिलाफ कांग्रेस सांसदों ने संसद के गेट पर प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी भी इसमें शामिल हुए।

जय भीम और माफी मांगो के नारे

संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अंबेडकर के अपमान को लेकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने सदन में जय भीम और माफी मांगो के नारे लगाए। कांग्रेस और अन्य विपक्ष के सांसदों का आरोप है कि, गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान किया है। इस पर राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैंने भी वीडियो दो बार देखा, उसमें कुछ भी गलत नहीं था। बाबा साहेब के आदर्शों से इतर उसमें कोई अन्य बात नहीं थी। इसके बाद दोनों सदन पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए।

कांग्रेस पर भडक़ी मायावती

अंबेडकर मुद्दे पर मचे राजनीतिक बवाल के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती कांग्रेस पर भडक़ गई हैं। उन्होंने कहा है कांग्रेस अंबेडकर के नाम पर राजनीति कर रही है। कांग्रेस की यह कोशिश दलितों के बीच फूट डालने की है। दरअसल, दलितों के बीच जिस तेजी से कांग्रेस की लोकप्रियता बढ़ रही है उससे मायावती की चिंता बढ़ा दी है।

'अ' नाम वाले सरकार पर भारी

देश में राजनीतिक घमासान के बीच ज्योतिषाचार्यों का दावा है कि भाजपा सरकार के लिए 'अ' नाम वाले सरकार पर भारी पड़ रहे हैं। अभी तक अडाणी सरकार की मुसिबत बने हुए थे कि अब अंबेडकर और अमित शाह भी इसमें शामिल हो गए हैं। भारत में अडाणी द्वारा दी गई रिश्वत मामले ने तूल पकड़ लिया है और अमेरिकी कंपनियां तीन गुना जुर्माना देकर सजा से बचने का प्रयास कर रही है। यह मामला सरकार पर भारी पड़ रहा था कि इसी बीच अमित शाह का अंबेडकर पर दिया बयान भारी पड़ गया है। ज्योतिषियों का कहना है कि आगे भी 'अ' नाम वाले सरकार पर भारी पड़ेंगे।

शाह ने दी सफाई

राज्यसभा में अंबेडकर को लेकर अपनी टिप्पणी पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि संसद में बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए। भाजपा के सदस्यों ने ऐसा ही किया। जब साबित हो गया कि कांग्रेस अंबेडकर विरोधी पार्टी है, आरक्षण विरोधी है, संविधान विरोधी है, तो कांग्रेस ने अपनी पुरानी रणनीति अपनाते हुए बयानों को तोडऩा-मरोडऩा शुरू कर दिया। शाह ने कांग्रेस के बयानों के बाद बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा खडग़ेजी इस्तीफा मांग रहे हैं, उन्हें आनंद हो रहा है तो शायद मैं दे भी दूं पर उससे उनका काम नहीं बनना है। अभी 15 साल तक उन्हें जहां हैं, वहीं बैठना है, मेरे इस्तीफे से उनकी दाल नहीं गलने वाली। वहीं मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस और उसके सड़े हुए इकोसिस्टम को लगता है कि वे झूठ बोलकर उनके ही कुकर्मों को छिपा सकते हैं तो वे गलतफहमी में हैं। भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ. अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए गंदी चाल चली है। शाह ने अंबेडकर का अपमान करने और एससी/एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। यही कारण है कि कांग्रेस अब नाटक कर रही है, लेकिन लोग सच्चाई जानते हैं। कांग्रेस चाहे जितनी कोशिश कर ले, लेकिन वे इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि एससी/एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उनके शासन में हुए हैं।

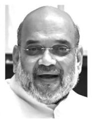

वन नेशन-वन इलेक्शन

जेपीसी में कांग्रेस और अन्य दलों के नामों की सिफारिश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है। अब जेपीसी का गठन लोकसभा स्पीकर को करना है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने समिति के लिए अपने-अपने सदस्यों के नाम फाइनल कर दिए हैं।

कांग्रेस ने जेपीसी में शामिल करने के लिए जिन नेताओं के नामों को फाइनल किया है, उनमें प्रियंका गांधी का नाम भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने जेपीसी के लिए चार नाम सुनिश्चित किए हैं, जिनमें मनीष तिवारी जो कि अनुभवी वकील और वरिष्ठ नेता हैं। दूसरा नाम प्रियंका गांधी का है जो पार्टी की महिला नेतृत्व का चेहरा हैं। तीसरे हैं सुखदेव भगत जो आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता हैं और चौथे रणदीप सुरजेवाला का नाम हैं जो पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार और वकील हैं। ये चारों नेता वन नेशन-वन इलेक्शन पर कांग्रेस का पक्ष जेपीसी के मंच पर रखेंगे।

यदि अन्य दलों के संभावित सदस्यों की बात करें तो सूत्र बता रहे हैं कि डीएमके से पी. विल्सन (मशहूर वकील), टी. सेल्वागेथी हो सकते हैं, जबकि समाजवादी पार्टी से धर्मेंद्र यादव का नाम हो सकता है, जिन्होंने इससे पहले भी सपा का पक्ष रखा है। तृणमूल कांग्रेस से कल्याण बनर्जी, साकेत गोखले हो सकते हैं।

जेपीसी का गठन और कार्यप्रणाली

जेपीसी में राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य शामिल होंगे। आमतौर पर लोकसभा के सदस्य राज्यसभा के मुकाबले दोगुने होते हैं। यह समिति प्रस्तावित बिल या मुद्दे की गहन समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करती है। जेपीसी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार संशोधित बिल को संसद में पेश करती है।

यह प्रस्ताव एक संवैधानिक संशोधन की मांग करता है, जिसके लिए सरकार को संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। जेपीसी का गठन इस दिशा में आम सहमति बनाने और विपक्ष के विचारों को शामिल करने की कोशिश के तहत किया गया है। जेपीसी की रिपोर्ट और चर्चा के बाद ही वन नेशन-वन इलेक्शन बिल को संसद में पेश किया जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अपनी क्या राय रखते हैं और क्या सरकार विपक्ष के साथ सहमति बना पाती है।

एक देश-एक चुनाव बिल की वोटिंग में 20 सांसद रहे अनुपस्थित

गडकरी-सिंधिया समेत सभी को भाजपा भेजेगी नोटिस

नई दिल्ली । पार्टी द्वारा जारी किए व्हिप के बावजूद भाजपा के 20 सांसद एक देश-एक चुनाव बिल की वोटिंग में सदन से नदारद रहे। बताया जा रहा है कि भाजपा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और गिरिराज सिंह समेत 20 सांसदों को नोटिस भेज सकती है। भाजपा ने 3 लाइन का व्हिप जारी कर पार्टी के सभी सांसदों को बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद रहने के निर्देश दिए थे। इसकी अवहेलना करने पर सांसदों को नोटिस भेजकर कारण पूछा जाएगा। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन सभी सांसदों ने पार्टी को अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले से सूचित किया था या नहीं। लेकिन सूत्रों का कहना है कि भाजपा अपने उन सांसदों को नोटिस भेजेगी जो मंगलवार को एक देश, एक चुनाव बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद नहीं थे।

ये सांसद गैरहाजिर थे

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और सीआर पाटिल, शांतनु ठाकुर, जगदंबिका पाल, बीवाई राघवेंद्र, विजय बघेल, उदयराजे भोंसले, जगन्नाथ सरकार, जयंत कुमार रॉय, वी सोमन्ना, चिंतामणि महाराज समेत कुल 20 सांसद सदन में मौजूद नहीं थे।

नौसेना की स्पीड बोट से जोरदार टक्कर के कारण डूबी नीलकमल नाव, तीन की मौत

मुंबई। मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही नीलकमल नाम की एक यात्री नाव मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से समुद्र में लगभग 10 किमी दूर में समंदर में डूब गई। इस नाव में करीब 80 यात्री सवार थे। इनमें से 72 यात्रियों को बचा लिया गया है। खबर है कि तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि 5 लोग लापता बताये जा रहे हैं। घटनास्थल पर बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है। इस हादसे का एक वीडियो सामने आया है। एलीफेंटा जाते समय उरण के कारंजा के पास यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि यात्रियों से भरी ये नाव सामने से आ रही भारतीय नौसेना की स्पीड बोट से जोरदार टक्कर के कारण डूब गई। जानकारी के मुताबिक नीलकमल नाम की नाव बुधवार दोपहर करीब तीन बजे गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा की ओर रवाना हुई। इस नाव की क्षमता 130 यात्रियों की थी। हादसे के वक्त नाव में 80 यात्री सवार थे। हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई और 5 लोग लापता हैं। बताया गया है कि यात्री नाव एलिफेंटा जा रही थी। तभी नेवी की स्पीड बोट ने उसके सामने तेज गति से एक चक्कर लगाया। फिर स्पीड बोट यात्री नाव से दूर चली गयी। इसके बाद वह टेढ़े-मेढ़े मोड़ लेते हुए यात्री नाव की ओर आ गयी। स्पीड बोट ने यात्री नाव को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्री नाव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। नाव में पानी भरने लगा। कुछ ही देर में पूरा नाव डूब गई।

स्पीड बोट ने चक्कर लगाया और सामने से मार दी टक्कर

इस हादसे का मंजर कैमरे में कैद हो गया है। इसमें एक स्पीड बोट पहले बड़ा चक्कर लगाती नजर आ रही है। इसके बाद स्पीड बोट नीलकमल नाव को सामने से टक्कर मार देती है। इसी कारण यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाली स्पीड बोट भारतीय नौसेना की है। यह नाव नौसेना की होने की जानकारी मिलने के बाद भारतीय नौसेना की ओर से इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

स्पीड बोट ने नियंत्रण खो दिया

इस मामले में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हादसा तब हुआ जब भारतीय नौसेना की स्पीड बोट ने नियंत्रण खो दिया। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई। जिन लोगों को बचाया गया उनका तुरंत इलाज किया जा रहा है।

किसान आंदोलन के बीच कृषि मामलों की स्टैंडिंग कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट, एमएसपी लागू करने की सिफारिश

नई दिल्ली। संसद की कृषि मामलों की स्टैंडिंग कमेटी ने अपनी सिफारिशों में न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कथित रूप से किसानों की आत्महत्या की वजह से कर्ज माफी की सिफारिश की है। इस कमेटी के चेयरमैन कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी हैं। रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा गया है।

कमेटी ने तर्क देकर कहा हैं कि इस तरह के उपाय से किसानों के आत्महत्या के मामलों में काफी कमी आ सकती है और उनकी (किसानों को) वित्तीय स्थिति बेहतर की जा सकती है। कांग्रेस सांसद चन्नी की अध्यक्षता वाली कृषि, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग पर संसद की स्थायी समिति ने कानूनी रूप से गारंटीशुदा एमएसपी के संभावित लाभ पर प्रकाश डालते हुए संसद को एक रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि कमेटी दृढ़ता से अनुशंसा करती है कि कृषि और किसान कल्याण विभाग जल्द से जल्द कानूनी गारंटी के रूप में एमएसपी को लागू करने के लिए एक रूपरेखा घोषित करे।

23 उत्पादों के लिए एमएसपी तय

बता दें कि मोदी सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसपी) की सिफारिशों के आधार पर 23 उत्पादों के लिए एमएसपी तय करती है। कमेटी ने तर्क दिया कि कानूनी रूप से बाध्यकारी एमएसपी न केवल किसानों की आजीविका की रक्षा करेगा बल्कि ग्रामीण आर्थिक विकास को और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को बढ़ाएगा। इतना ही नहीं कमेटी की सिफारिशों में किसानों की आत्महत्या को कम करने के लिए एक एमएसपी सिस्टम को लागू करना, फसल अवशेष के मैनेजमेंट के लिए किसानों को मुआवजा देना, खेत मजदूरों को न्यूनतम जीवनयापन मजदूरी के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करना, किसानों और खेत मजदूरों के लिए कर्ज माफी योजना शुरू करना और कृषि विभाग का नाम बदलकर उसमें खेत मजदूरों को शामिल करना है।

दिल्ली दंगों में साजिश के आरोपी उमर खालिद को मिली 7 दिनों की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों के आरोपी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद को अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने परिवार की शादी में शामिल होने के लिए खालिद को 7 दिनों की अंतरिम जमानत दी है। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद को 28 दिसंबर से अगले साल 3 जनवरी तक के लिए यह राहत दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस अमित शर्मा ने खालिद की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद न्यायमूर्ति प्रथिबा एम सिंह की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले को अलग पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। दिल्ली की एक अदालत ने 28 मई को खालिद की उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें मुकदमे की कार्यवाही पूरी होने में देरी और जमानत पर छूटे अन्य सह-आरोपियों के साथ समानता के आधार पर जमानत की मांग की गई थी। अप्रैल 2022 में भी एक ट्रायल कोर्ट ने खालिद की पहली जमानत अर्जी खारिज कर दी थी और बाद में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी उनकी अपील को खारिज कर दिया था। खालिद ने इस साल फरवरी में परिस्थितियों में बदलाव के कारण जमानत की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी विशेष अनुमति याचिका वापस ले ली और ट्रायल कोर्ट के समक्ष जमानत के लिए नए सिरे से आवेदन करने की स्वतंत्रता मांगी थी।

रियल एस्टेट कारोबारियों के 52 ठिकानों पर छापा

आयकर विभाग को त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के 10 लॉकर्स मिले; भोपाल-इंदौर-ग्वालियर में एक साथ रेड

भोपाल। भोपाल में रियल एस्टेट कारोबारी त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा के ठिकानों पर आयकर विभाग की रेड चल रही है। उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी है। आयकर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह 6.45 बजे एक साथ रेड डाली गई।

राजेश शर्मा के सभी 52 ठिकानों पर बुधवार सुबह 500 अधिकारी सीआईएसएफ जवानों के साथ पहुंचे। जांच टीम को अब तक 10 लॉकर्स की जानकारी मिली है। इसके अलावा भारी मात्रा में ज्वेलरी मिली है। इसका वैल्यूएशन किया जाना बाकी है।

भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर में भी छापे

भोपाल में नीलबड़, एमपी नगर, कस्तूरबा नगर, होशंगाबाद रोड, 10 नंबर मार्केट, मेंडोरी, मेंडोरा, आरपीएम टाउन में अलग-अलग ठिकानों पर जांच जारी है। इंदौर में भी त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के आदित्य ग्रुप के यहां छापेमारी हुई। ग्वालियर में रामवीर सिकरवार के यहां छापे की कार्रवाई की गई है।

आयकर विभाग को बड़ी टैक्स चोरी की आशंका

आयकर विभाग के अफसरों के मुताबिक जिन बिल्डर्स के यहां गड़बड़ी के बाद छापेमारी की कार्रवाई की गई है, वे सभी जमीन की खरीद-फरोख्त करते हैं और होटल सेक्टर में इन्वेस्ट करते हैं। जांच के दौरान जमीन बेचने के मामले में जमा कराए जाने वाले कैश से संबंधित 10 दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। इस जांच में करोड़ों रुपए की कर चोरी सामने आने की आशंका है। इसकी तस्दीक अगले दो दिन में साफ हो पाएगी।

कंपनी को सीएम राइज स्कूल का ठेका भी मिला था

खनन और कंस्ट्रक्शन कारोबार से जुड़े राजेश शर्मा एक पूर्व मुख्य सचिव के करीबी माने जाते हैं। राजेश शर्मा त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी का मालिक होने के साथ ही भोपाल में क्रशर संचालकों के संगठन का नेतृत्व भी करते हैं। वे राजधानी और आसपास के इलाकों में खदानों के ठेके और क्रशर संचालन का काम भी करते रहे हैं। राजेश शर्मा की सत्ता पक्ष के कई नेताओं से खासी दोस्ती है। इसके चलते ही शर्मा को सीएम राइज स्कूलों के कंस्ट्रक्शन का भी काम मिला है। रायसेन का सीएम राइज स्कूल इनकी कंपनी ही बना रही है। शर्मा बीजेपी सरकार में पूर्व मंत्री रहे रामपाल सिंह के करीबी बताए जाते हैं। भोपाल में दीपक भावसार, विनोद अग्रवाल, रूपम शिवानी के यहां भी आईटी के छापे की खबर है। ये सभी जमीन की खरीद-बिक्री का काम करते हैं।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी 2025 से नहीं कराएगी भर्ती परीक्षाएं-केंद्रीय मंत्री प्रधान

- परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का पुनर्गठन 2025 में होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऐलान किया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) 2025 से केवल उच्च शिक्षा संस्थानों जैसे जेईई मेन, नीट आदि के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करेगी, जबकि केंद्रीय एजेंसी भर्ती परीक्षाएं नहीं कराएगी। नवीनीकरण के तहत राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का पुनर्गठन होगा 2025 में होगा, जिसमें 10 नए पद सृजित किए जाएंगे। मेडिकल में प्रवेश के लिए नीट पेपर की हालत और गूढ़ता के बाद, एक उच्च स्तरीय समिति ने प्रवेश परीक्षाओं में सुधार के सुझाव दिए थे जिसके आधार पर यह कदम उठाया गया है। धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ चर्चा जारी है कि नीट-यूजी परीक्षा लिखित या ऑनलाइन हो। सरकार निकट भविष्य में कंप्यूटर आधारित परीक्षा की ओर कदम बढ़ाना चाहती है। परीक्षा सुधार की रिपोर्ट की जांच के लिए, एक उच्च स्तरीय समिति की गठन का किया गया है जिसका अध्यक्ष हैं पूर्व इसरो प्रमुख एस. राधाकृष्णन। एनटीए अब यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करेगा और हायर एजुकेशन में प्रवेश की प्रक्रिया को सरल और उन्नत बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

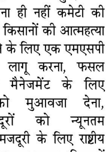

धान केंद्र प्रभारी को पहले खिलाया मुर्गा तब खरीदी गयी धान

किसान ने लगाया आरोप, बिठली धान खरीदी केंद्र प्रभारी को बदलने किसानों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। एक दर्जन से अधिक उकवा क्षेत्र के किसानों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है और यह मांग की है कि उनके क्षेत्र के धान खरीदी केंद्र बिठली के प्रभारी सतीश अजीत को धान खरीदी के प्रभार से हटाया जाए, नहीं तो वह धान नहीं देंगे और धान खरीदी केंद्र के सामने अनशन पर बैठ जाएंगे, क्योंकि सतीश अजीत द्वारा किसानों से धान लेने के नाम पर पैसे की मांग की जाती है और यदि पैसे नहीं दिया जाता तो उनके द्वारा धान को उच्च ग्रेड की धान नहीं है कहकर वापस करवा दिया जाता है इसलिए उन्होंने इसके पहले भी कलेक्टर से शिकायत कर उन्हें धान खरीदी प्रभारी से हटवाया था और पुनः अभी उन्हें धान खरीदी प्रभारी बनाया गया है इसलिए वह चाहते हैं कि उन्हें हटा दिया जाए नहीं तो वह फिर किसानों को परेशान करेंगे। आपको बता दे की इस बार वैसे ही किसान समर्थन मूल्य 3100 रूपये नहीं मिलने को लेकर परेशान है, तो वही दूसरी ओर धान खरीदी केन्द्रों में किसानों से अलग-अलग माध्यम से धान खरीदी केंद्र प्रभारी या फिर वहां के कर्मचारी आए दिन रूपये की मांग कर रहे हैं, जबकि किसान द्वारा समर्थन मूल्य 3100 रूपये नहीं दिए जाने को लेकर आंदोलन किया जा रहा था और धान नहीं बेची जा रही थी, जिसके बाद स्वयं प्रशासन चाह रहा था कि किसान अपना प्रदर्शन छोड़ धान खरीदी केन्द्रों में धान बेचे, किंतु जैसे ही 10 दिसंबर के बाद से किसानों ने धान खरीदी केन्द्रों में जाकर अपना धान बेचना शुरू किया है कि अब अलग-अलग केन्द्रों से किसानों से पैसे लिए जाने और उन्हें परेशान करने का मामला आते जा रहा है, जिसकी शिकायत किसान भी अपनी धान बेचना छोड़कर ज्ञापन बनाकर कलेक्टर कार्यालय कलेक्टर को ज्ञापन देने आ रहे हैं, कभी किसान धान खरीदी केंद्र के प्रभारी की शिकायत करते है, तो कभी केंद्र प्रभारियों को हटाए जाने की मांग को लेकर वह धान खरीदी केन्द्रों में धान बेचने की बजाय जिला प्रशासन को ज्ञापन देने जिला मुख्यालय पहुंच रहे है, ऐसा ही एक ताजा मामला 18 दिसंबर को शाम 4:00 बजे आया जब उकवा क्षेत्र के लगभग एक दर्जन से अधिक किसान जिला मुख्यालय पहुंचे जहां उन्होंने बताया कि अच्छी गुणवत्ता की धान को खराब बताकर धान खरीदी केंद्र प्रभारी धान खरीदने से इन्कार करता है। किसानों से एक हजार रुपये से डेढ़ हजार रुपये की मांग की जाती है। कभी-कभी तो मुर्गे तक की मांग होती है। अगर मांग पूरी हो गई, तो हर किस्म का धान खरीद लिया जाता है। प्रभारी से किसान प्रताड़ित हैं। ये आरोप हैं बिठली पंचायत के उन किसानों के, जो पिछले कई सालों से अपने धान खरीदी केंद्र प्रभारी से त्रस्त हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर किसानों ने बिठली धान खरीदी केंद्र के प्रभारी सतीश अजीत के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया और उन्हें हटाने की मांग की। ताज्जुब की बात है कि बुधवार को ही प्रभारी शिव कुमार सूर्यवंशी को हटाकर सतीश अजीत को बिठली धान खरीदी केंद्र का प्रभारी बनाया गया है। ये खबर लगते ही किसान भड़क गए और कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंप दिया। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर सतीश अजीत को जल्द केंद्र से नहीं हटाया गया तो सेवा सहकारी समिति, बिठली के परिसर में आमरण अनशन करेंगे।

1000 रूपये का मुर्गा खरीद कर प्रभारी को दिया - मंगरू सिंह

किसान मंगरु सिंह द्वारा बताया गया कि वह हर्रानाला के किसान है और जो बिठली धान खरीदी के प्रभारी सतीश अजीत को बनाया गया हैं, उनकी कार्यप्रणाली ठीक नहीं है वह अच्छे धान को खराब है कह कर रिजेक्ट कर देते हैं और जब उन्हें पैसे दिया जाता है तब ही वह धान खरीदते हैं उन्होंने अपनी आप बीती बताते हुए बताया कि जब वह धान खरीदी केंद्र में धान बेचने गए थे तो सतीश अजीत द्वारा उनकी धान लेने से मना कर दिया गया और उनसे कहा गया कि वह उनकी धान नहीं खरीदेंगे, क्योंकि उनकी धान अच्छी गुणवत्ता की नहीं है तब उन्होंने कहा कि ऐसा मत करो तब प्रभारी द्वारा उन्हें कहा गया कि क्या उन्हें वह मुर्गा खिलाएंगे तो वह उनकी धान खरीद लेंगे, तब उन्होंने 1000 रूपये का मुर्गा खरीद कर प्रभारी को दिया तब प्रभारी द्वारा उनकी धान खरीद ली गई, इसलिए वह चाहते हैं कि इस प्रकार से पैसे के लेनदेन करने वाले को प्रभारी ना बनाया जाए।

उनकी कार्यप्रणाली ठीक नहीं है–रमेश पंद्रे

रमेश पंद्रे द्वारा बताया गया कि अभी तक कोई और धान खरीदी का कार्य करता था, किंतु अब सतीश अजीत को धान खरीदी का प्रभारी बनाया जा रहा है किंतु उनकी कार्यप्रणाली ठीक नहीं है वह बिना पैसे लिए धान खरीदी का कार्य नहीं करते, क्योंकि वह पैसे नहीं देने पर धान रिजेक्ट कर देते हैं और अलग-अलग तरीके से किसानों को परेशान करते हैं, इसके लिए उन्होंने इसके पहले भी उनकी शिकायत कर उन्हें वहां से हटवाया था इसलिए वह चाहते हैं कि इस बार उन्हें प्रभारी नहीं बनाया जाए।

पैसे की डिमांड करते हैं-अशोक धानेश्वर

किसान अशोक धानेश्वर बताते हैं कि वह एक किसान है और जो अभी सतीश अजीत को प्रभारी बनाया जा रहा है, वह किसानों के धान को सीधे रिजेक्ट कर देते हैं और पैसे की डिमांड करते हैं और जब तक उन्हें पैसे नहीं दिया जाता तब तक वह धान खरीदी नहीं करते और किसानों को परेशान करते रहते हैं, इसलिए वह चाहते हैं कि उन्हें प्रभारी नहीं बनाया जाए और यदि उन्हें धान खरीदी केंद्र का प्रभारी बनाया जाता है, तो वह अपनी धान नहीं बेचेगें और धान खरीदी केंद्र में ही आमरण अनशन करेंगे।

किसान धान बेचना छोड़कर मुख्यालय ज्ञापन देने आ रहे हैं - शुभम

शुभम बताते हैं कि एक ओर तो किसानों को समर्थन मूल्य नहीं दिया जा रहा है एवं वहीं दूसरी ओर किसान जब अपनी धान बेचने खरीदी केन्द्रों में जा रहे हैं तो उन्हें वहां भी परेशान किया जा रहा है, जिसके कारण आज किसान अपनी धान बेचना छोड़कर जिला मुख्यालय ज्ञापन देने आ रहे हैं, जो की बहुत ही गलत है प्रशासन को इस ओर ध्यान रखना चाहिए कि किसानों को खरीदी केन्द्रों में परेशानी ना हो और इस प्रकार जो धान खरीदने के नाम पर पैसे की मांग करते हैं उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित किया गया पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन समारोह

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जवाहर नवोदय विद्यालय बालाघाट में रविवार को पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 600 पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वर्ष 1994 से 2024 तक के पासआउट बैच के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। नवोदय प्रार्थना के साथ पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके पश्चात् मां सरस्वती की प्रतिमाँ पर प्राचार्य रणबीर सिंह, विद्यालय के शिक्षकों के साथ ही पूर्व छात्र उमाशंकर पटले समेत अन्य पूर्व छात्रों

ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुवात की। इसके उपरांत विद्यालय की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय सिवनी के पूर्ववर्ती छात्र भी एक दिन पूर्व विद्यालय में आ चुके थे, जहां उन्होंने बालाघाट की एलुमनी क्रिकेट टीम के साथ मैत्रीपूर्ण क्रिकेट और वालीवाल मैच खेला और कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम में केरल से आये कक्षा 9वीं के प्रवासी विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। पीजीटी गणित गौरीशंकर पारधी ने कहा कि पूर्ववर्ती विद्यार्थी हमारी अमूल्य धरोहर है। भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय के बच्चों की सुविधा के लिए तीन वॉटर प्यूरीफायर प्रदान किए गए और भविष्य के लिए ऐसी और भी योजनाएं बनाई गई। कार्यक्रम के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय एलुमनी एसोसिएशन अध्यक्ष उमाशंकर पटले ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे विद्यालय प्राचार्य के आभारी है कि उन्होंने इस कार्यक्रम को आयोजित करने का अवसर दिया। उन्होंने हमेशा हमें प्रेरित किया है और हमारे मनोबल को बढ़ाया है। श्री पटले ने कहा कि उन्होंने हमें सिर्फ ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि हमें जीवन जीने की कला भी सिखाई और समय समय पर मार्गदर्शन भी किया है। सभी मिलकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षको और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गणेश बारसगडे पिता जियालाल जाति नाई, निवासी ग्राम पंचायत चंदपुरी के द्वारा कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि इनके पिताजी स्व. जियालाल पिता सोनू का निधन १०.०८.२००५ को हो चुका है और इनकी मृत्यु के उपरांत इन्हे मृत्यु प्रमाण पत्र तहसील कार्यालय से जारी किया जाना है। अतः जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे २६.१२.२०२४ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

के.एल. टेकाम
तहसीलदार लालबर्रा

गृह मंत्री अमित शाह का राज्य सभा में दिया गया बयान घटिया मानसिकता का परिचायक- अधिवक्ता संजय खोब्रागढ़े

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। समूचे देश में भारतीय संविधान की 75 वीं वर्षगांठ पर हीरक जयंती महोत्सव का कार्यक्रम शासकीय अर्धद्शासकीय सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के द्वारा अपने-अपने स्तर पर मनाया गया और 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस की 75 वर्षगांठ संपन्न होगी। भारतीय संविधान के शिल्पकार परमपूज्य डॉ. बाबा साहब आंबेडकर जी के द्वारा रचित भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को तत्कालीन सरकार के द्वारा अंतिम रुप से स्वीकार किया गया और 26 नवंबर 2024 को भारतीय संविधान की 75 वर्षगांठ को केंद्र की सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा भारतीय संविधान की 75 वर्षगांठ को मनाने का निर्णय लिया गया है, किंतु शासकीय संस्थानों के द्वारा भारतीय संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संपन्न नहीं कराया। अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े जिलाध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट ने जारी बयान में कहा कि भारतीय संविधान की 75 वर्षगांठ पर लोकसभा एवं राज्य सभा पर चर्चा सत्र में लोकसभा एवं राज्य सभा के सांसद अपने-अपने तरीके से विचार व्यक्त कर रहे है विपक्ष के द्वारा भारतीय संविधान के संदर्भ में विचार व्यक्त करने पर केंद्र की भाजपा सरकार गृह मंत्री अमित शाह को भारतीय संविधान के संदर्भ में अपने बेहतर विचार व्यक्त कर अपने गृह मंत्री जैसे जिम्मेदार पद की गरिमा को बनाए रखना था, किंतु राज्य सभा में अमित शाह के द्वारा चर्चा के दौरान इस तरह का कहना कि आज आंबेडकर, आंबडेकर फैशन हो गया है और आंबेडकर-आंबेडकर की जगह भगवान का नाम ले लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। इस तरह का बयान अमित शाह गृह मंत्री की मानसिकता को प्रदर्शित करता है कि उनका

उक्त बयान उनके घटिया मानसिकता का परिचायक है।अधिवक्ता संजय खोब्रागढ़े ने अमित शाह के उक्त बयान की घोर निंदा करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की 75 वर्षगांठ में संपन्न चर्चा सत्र में अमित शाह का बयान भारतीय संविधान निर्माता परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के प्रति अपनी घटिया मानसिकता का परिचय दिया है और भाजपा की केंद्र की सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर किसी प्रकार की टिप्पणी ना करना इससे साबित होता है कि केंद्र की भाजपा की सरकार भारतीय संविधान की हीरक जयंती महोत्सव पर चर्चा सत्र एक मात्र दिखावा है। अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने कहा कि नासा ने अपने परीक्षण के दौरान चद्रंमा पर कदम रखें, किंतु स्वर्ग जाने का रास्ता की तलाश आज दिनांक तक किसी ने नहीं की है।अमित शाह भारत के निवासियों को बताए कि स्वर्ग जाने का रास्ता कहा से होकर जाता है और स्वर्ग कहा है। अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने कहा कि भारतीय संविधान के लागू होने के पश्चात ही भारतीय हिन्दु, मुस्लिम, बौद्ध, सिख-ईसाई इन धर्मों में विभाजित समाज तथा विभिन्न वर्ग और विभिन्न जातियों में बंटा समाज का उत्थान भारतीय संविधान के लागू होने से ही संभव हुआ है। भारतीय संविधान भारतीयों के उत्थान का एक मात्र ग्रन्थ है जो विभिन्न जातियों वर्गों धर्मो में बटे लोगों को एकता व अखंडता के सूत्र में बांधे रखा है। इतना ही नहीं भारतीय संविधान के तहत ही गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा के प्रतिनिधि है और देश के गृह मंत्री है। यदि स्वर्ग जाने का रास्ता गृह मंत्री अमित शाह को मालूम है तो वह गृह मंत्री जैसे जिम्मेदार पद का त्याग पत्र देकर समूचे मंत्री मंडल सहित स्वर्ग के मार्ग की ओर प्रदत्त हो ताकि उनके स्वर्ग जाने के संबंध में समूचे भारतीयों को अवगत हो जाए कि प्रकृति में स्वर्ग कहा है.अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने कहा की प्रकृति में स्वर्ग होने का निश्चित प्रमाण न होने के बावजूद भी देश के गृह मंत्री का बयान शांतिव्यवस्था को भंग करने वाला बयान है। जिसकी निंदा बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट करता है।

जिला स्तरीय भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला स्तरीय भारतीय ज्ञान परम्परा प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें पोस्टर, भाषण, निबंध, सामान्य ज्ञान एवं लोकगीत व लोकनृत्य में सहभागिता की गई। वहीं प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को नपा अध्यक्ष बतौर मुख्य अतिथि भारती ठाकुर व प्राचार्य डॉ. पीआर चंदेलकर द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान बताया गया कि चयनित विद्यार्थियों द्वारा संभाग स्तरीय भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रतियोगिता शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर में 23 से 30 दिसम्बर तक आयोजित है। जिसमें विजेता विद्यार्थियों द्वारा जिले का प्रतिनिधित्व किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. गोविंद सिरसाटे, डॉ. सीमा श्रीवास्तव कार्यक्रम प्रभारी डॉ. कंचन मसराम, सदस्य, डॉ. तारा सिंगराम एवं महाविद्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का योगदान रहा ।

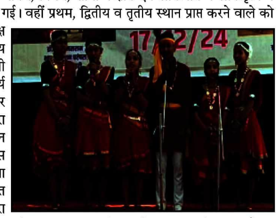

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाना है कि मैं गणेश धाने (GANESH DHANE) आत्मज श्री सदाशिव घाने (SHRI SADASHIV DHANE)निवासी है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, में, एंव पी0 पी0 ओ0 व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम पूर्व से ही गणेश घाने (GANESH DHANE) आत्मज श्री सदाशिव धाने (SHRI SADASHIV DHANE) दर्ज है, जबकि मेरे डिर्स्चाज बुक एवं पी0पी0ओ0 में मेरा नाम गणेश कुमार धने (GANESH KUMAR DHNE) आत्मज श्री सदाशिव घने (SHRI SADASHIV DHNE) दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही नाम गणेश धाने (GANESH DHANE) आत्मज श्री सदाशिव धाने (SHRI SADASHIV DHANE) है, अतः प्रकाशन उपरान्त मुझे मेरे सही नाम गणेश घाने (ळ्ळहश्वस॥ ष्ठ।्रहश्व) आत्मज श्री सदाशिव धाने (SHRI SADASHIVDHANE) डिस्चार्ज बुक एंव पी0पी0ओ0 में अंकित किया जावे. ।

पुराना नाम	नया नाम (सही नाम)
गणेश कुमार धने	गणेश धाने
(GANESH KUMAR DHNE)	(GANESH DHANE)

ड्रमों एवं बोरियों में भरा 790 किलो लाहन जब्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं आबकारी अधिकारी श्री सुरेन्द्र कुमार उरांव के मार्गदर्शन मे मदिरा के अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। बुधवार को आबकारी वृत बालाघाट के द्वारा ग्राम जोधीटोला के जंगल में अलग अलग स्थानों पर ड्रमों एवं बोरियों में भरा हुआ लगभग 790 किलो लाहन जप्त कर 02 प्रकरण मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गया। वहीं सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया। जप्त सामग्री का बाजार मूल्य 79,000 रूपये बताया गया है। कार्यवाही मे वृत प्रभारी, उपनिरीक्षक रमाकांत बघेल मनोज अंजलेकर, आरक्षक सुरेंद्र गजभिए लखन चौधरी आरिफ खान उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
विजय फायनेंस में
अकॉउंटिंग कार्य हेतु
महिला कर्मचारी की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता
संपर्क समय- दोप. 12 से शाम 05 बजे तक
स्थान-मयुर टॉकिज रोड, हनुमान चौक, बालाघाट

आवश्यकता है
P.H.W.S. संस्था में
JOB के लिए
BOYS & GIRLS
की आवश्यकता है
• सुपरवाईजर - 10 पद
• सर्वेयर - 30 पद
• रिसेप्शन - 01 पद
-संपर्क करें-
9625451008
9826181028

मकान बेचना है
दो मंजिला
सर्वसुविधायुक्त
डॉ., कोचिंग सेन्टर
होस्टल के लिए उपयुक्त
क्षेत्रफल 2500 वर्गफुट
शिवाय होटल के पीछे
कालीपुतली चौक के पास
-संपर्क करें-
9752340946
9770777043

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम.,
प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं
सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल
युवक/युवती की आवश्यकता है।
कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल
द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय
शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
कार चलाने हेतु ड्राईव्हर
की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास, वेतन- 10000 +
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही संपर्क करें
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एवं मॉल
द्वितीय तल, मोन रोड, बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520,
9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय-
शाम 5.30 से 8.30 बजे तक

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

एसडीएम ने मोती गार्डन के सामने उखड़ रही रोड का किया निरीक्षण

रोड़ को लेकर की गई कलेक्टर को शिकायत, एक वर्ष भी नही टिक पायी रोड़

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कोतवाली थाने से मोती नगर चौक तक बनी मोती गार्डन के सामने की रोड धीरे-धीरे अब खस्ताहाल होते जा रही है, जबकि यह रोड को बने अभी महज 1 वर्ष भी पूर्ण नहीं हुआ हैं एवं जिस प्रकार से रोड दिन-ब-दिन खस्ताहाल होती जा रही है और रोड पर गड्ढे बन रहे हैं, इसे लेकर कुछ लोगों ने कलेक्टर को शिकायत किया था, कि रोड को बनाते समय सही गुणवत्ता के साथ नहीं बनाई गई है और यह रोड उखड़ने लगी है, जिसमें शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर द्वारा एसडीएम और संबंधित विभाग की एक टीम गठित कर रोड का निरीक्षण करवाया गया है, जहां एसडीएम और संबंधित विभाग की टीम द्वारा रोड का निरीक्षण कर जल्द ही रोड के कंक्रीट की गुणवत्ता का टेस्ट भी करवाया जाएगा और यदि गुणवत्ता सही नहीं पाई जाती है तो विभाग अपने स्तर पर कार्रवाई की रणनीति भी बना रहा है। आपको बता दे कि 18 दिसंबर बुधवार को सुबह 9 बजे एसडीएम गोपाल सोनी ने, पीएचई-ई, हाउसिंग बोर्ड-ई की टीम और निर्माण एजेंसी पीडब्ल्युडी तथा ठेकेदार के साथ मोती गार्डन के सामने से बनाई गई , सीसी सड़क का निरीक्षण किया। एक करोड़ 48 लाख की लागत से कृषि विभाग के सामने से हार्टिकल्चर विभाग और कोतवाली थाना से मोती गार्डन के गेट तक बनी, सीसी सड़क के एक साल में ही धुर्रे उड़ गए है। सीसी सड़क से सीमेंट गायब हो गया है और गिट्टियां उभरकर आ गई है। जिससे ना केवल शहर के इस प्रमुख मार्ग से लोगो को आवागमन करने में परेशानी हो रही है, बल्कि कई जगह गड्ढे और गिट्टियां निकल आने से दुर्घटना की संभावना भी बढ़ गई है। जिस सड़क की गुणवत्ता को जांचने, बुधवार को तीन विभागों के प्रमुखों का दल, निरीक्षण करने पहुंचा था। यहां जांच करने पहुंचे अधिकारियों ने भी सड़क को देखने के बाद माना कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता सही नहीं है, फिलहाल अधिकारियों ने पैदल पूरी सड़क का निरीक्षण किया है, जिसका 19 दिसंबर को सैंपल लेकर उसकी जांच की जाएगी और एक विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर को पेश की जाएगी। गौरतलब हो कि गौरव पथ के नाम से इस सड़क में डामरीकरण के बाद सीसी सड़क का निर्माण किया गया था। परिणामस्वरूप एक साल में ही इस सड़क के धुर्रे उड़ गए है।

कंक्रीट का लिया जाएगा सैंपल

जिस प्रकार से रोड एक वर्ष के अंदर ही उखड़ने लगी है और रोड़ पर गड्ढे होने के साथ गिट्टिया भी निकल रही है, इसे देखते हुए अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के बाद यह सुनिश्चित किया गया कि क्यों ना रोड के कंक्रीट का टेस्ट करवाकर यह परीक्षण करवाया जाए की रोड बनाते समय ठेकेदार द्वारा तयमाप दंड अनुसार कंक्रीट डाला गया है या नहीं इसकी भी गुणवत्ता की जांच, टेस्ट के माध्यम से करवाई जाएगी, इसके लिए 19 दिसंबर को सुबह रोड को काटकर उसका कंक्रीट निकाला जाएगा और टेस्ट विभाग द्वारा परीक्षण किया जाएगा।

रोड़ को लेकर कुछ लोगों ने कलेक्टर को शिकायत की थी - गोपाल सोनी

इस विषय को लेकर बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा बताया गया कि रोड को लेकर कुछ लोगों ने कलेक्टर को शिकायत की थी, कि रोड एक वर्ष के अंदर ही उखड़ना शुरू हो गई है और रोड पर गड्ढे बनने लगे हैं जिसमें कलेक्टर द्वारा संबंधित विभाग और अधिकारियों की टीम बनाकर रोड के निरीक्षण के लिए निर्देश दिया था , उसी के तहत आज रोड का निरीक्षण किया गया है और जल्द ही विभाग द्वारा रोड़ के कंक्रीट का टेस्ट किया जाएगा और जो टेस्ट में पाया जाएगा उसकी रिपोर्ट बनाकर कलेक्टर को भेजी जाएगी और यह रोड एक करोड़ 48 लाख की लागत से बनाई गई थी।

किसान गर्जना के पदाधिकारियों ने अंबेडकर चौक से सांसद निवास तक निकाला पैदल मार्च

सांसद के 500 रूपए बोनस के बयान पर जताई नाराजगी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। किसान गर्जना के पदाधिकारी द्वारा तय कार्यक्रम अनुसार 18 दिसंबर को स्थानीय अंबेडकर चौक से लेकर सांसद निवास तक पैदल मार्च निकाला और किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, वहीं सांसद द्वारा 500 रूपये बोनस के दिए जाने के बयान को लेकर भी किसान गर्जना के पदाधिकारी अरविंद चौधरी ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि सांसद को समर्थन मूल्य धान का 3100 रुपए की मांग करना चाहिए बाकी बोनस की मांग तो विधायकों द्वारा कर ही ली जाएगी। बता दे कि 18 दिसंबर बुधवार को दोपहर 02 बजे, किसान संगठन, किसान गर्जना ने आंबेडकर चौक से सांसद भारती पारधी के निवास तक पैदल मार्च किया। यहां किसान गर्जना संगठन ने सांसद निवास पर ज्ञापन सौंपकर, जिले के किसानों के हित में, प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री से चर्चा कर, प्रदेश के किसानों को 31 सौ रूपए समर्थन मूल्य दिलाने, पैकेज डिमांड करने की मांग की। दरअसल, किसान संगठन, सांसद से नाराज है, किसान गर्जना संगठन अध्यक्ष अरविंद चौधरी का कहना है कि धान उत्पादक बाहुल्य जिले की सांसद, किसानों को प्रदेश सरकार से 500 रूपए बोनस देने दिलवाने की बात कर रही है, दूसरी ओर, उनकी पार्टी के विधायक, आंशिक बोनस की बात करते है और भाजपा जिलाध्यक्ष, किसानों से किए गए वादे को पांच साल में पूरा करने की बात कह रहे है, जिससे किसानो में नाराजगी है। अध्यक्ष चौधरी का कहना है कि प्रदेश सरकार से बोनस को लेकर, विधायक बात कर लेंगे, चूंकि जिले के किसानों ने आपको सांसद बनाकर, किसानों की समस्या से केन्द्र सरकार को अवगत कराने भेजा है, इसलिए वह प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री से, प्रदेश के किसानों से 31 सौ रूपए समर्थन मूल्य में धान खरीदी करने के लिए पैकेज दिलाने की डिमांड करें, बोनस दिलाने के लिए विधायक, विधानसभा में बात रखेंगे। अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि यदि 31 सौ रूपए समर्थन मूल्य नहीं दिया जाता है तो विधानसभा का घेराव और विधायक तथा सांसद निवास के सामने किसान धरना देंगे। गौरतलब हो कि बालाघाट जिला, पूरे प्रदेश में सबसे बढ़ा धान उत्पादक जिला है, खरीफ सीजन में इस वर्ष जिले के एक लाख 30 हजार से ज्यादा किसानों ने समर्थन मूल्य में धान बेचने के लिए पंजीयन कराया है, जिन किसानों को विश्वास था कि सरकार, अपने चुनावी वादे, अनुसार 31 सौ रूपए समर्थन मूल्य देगी लेकिन सरकार के 31 सौ रूपए समर्थन मूल्य नहीं देने से आक्रोशित, जिले के किसान, किसान गर्जना संगठन के बैनर तले लगातार चरणबद्ध आंदोलन कर रहे है, चूंकि यदि सरकार 31 सौ रूपए में धान खरीदती है तो प्रदेश के किसानों के साथ ही जिले के ज्यादा किसानों को इसका फायदा होगा।

स्वच्छता अभियान के जनक संत गाडगे बाबा की पुण्यतिथि कल

जिला धोबी रजक समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के किए जाएंगे आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला धोबी रजक समाज द्वारा स्वच्छता अभियान के रचयिता संत गाडगे बाबा की पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई जाएगी। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। जहां संत गाडगे बाबा की पुण्यतिथि के अवसर पर 20 दिसंबर शुक्रवार को दोपहर 1 से 3 बजे तक बूढ़ी स्थित धोबी रजक समाज के सांस्कृतिक भवन में पूजा पाठ सहित अन्य आयोजन संपन्न किए जाएंगे।आपको बताए कि संत गाड़गे बाबा ने अपने जीवन काल में अभियान चलाकर मानव को जीवन में निरोगी काया रखने का संदेश देकर समाज को जागृत किया, आखिरकार अस्पृश्ता, अज्ञानता, अंधविश्वास में नहीं पड़ने की सिख देकर और समाज को साफ सुथरा रहने की चेतना देकर संत सदा के लिये इस संसार से 20 दिसम्बर 1956 को विदा हो गये थे। जिनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील जिला धोबी रजक समाज संरक्षक केशवराव भंडुरिया, हरिचंद कनोजिया, किशन अगुंठलेवार, सुरेश श्रीवास्त्री, जिला अध्यक्ष अशोक कुमार रजक, उपाध्यक्ष- भरत कनोजिया, सचिव- मुकेश मालवी, सह सचिव ईसूदयाल बड़पात्रे, कोषाध्यक्ष- जीवनलाल बड़गैया, सदस्य प्रबंध कार्य, संतोष मालवी, पीतमलाल कनोजिया, भवन लाल जांगड़े, और गणेश दुधमोगरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्यों व सामाजिक बन्धुओ द्वारा की गई है।

गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अंबेडकरवादियों की रैली आज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम को लेकर सदन में दिए गए एक बयान से अंबेडकरवादी आक्रोशित है जिन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की है। अपनी इसी मांग को लेकर जिला बौद्ध संघ के बैनर तले गुरुवार सुबह 10 बजे नगर के अंबेडकर चौक से बालाघाट कलेक्टर कार्यालय तक अंबेडकरवादियों द्वारा एक रैली निकाल कर ज्ञापन सौपा जाएगा।जिसमें सदन में दिए गए उक्त बयान पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से माफी मंगवाने की मांग की जाएगी। उक्त जानकारी जिला बौद्ध संघ बालाघाट अध्यक्ष सचिन मेश्राम द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि बाबा साहब के बारे में हम गलत नहीं सुनेंगे, हमें इसका विरोध करना है इसलिए गुरुवार 19 दिसंबर सुबह 10 बजे ज्ञापन रैली निकाली जाएगी और बालाघाट के कलेक्टर महोदय को ज्ञापन देकर गृहमंत्री अमित शाह से माफी मंगवाने की मांग करेंगे। जिन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समस्त सामाजिक बंधुओ से गुरुवार सुबह 10 बजे नगर के अंबेडकर चौक पहुंचने की अपील की है।

कलश मंगल यात्रा के साथ की गई श्रीमद भागवत कथा की शुरुवात

नगर में निकली 201 कलश की मंगल यात्रा, व्यासपीठ से कथा का वाचन करेगी साध्वी स्वाति भारती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)।नगर के तुरकर भवन में 18 से 25 दिसंबर तक आयोजित श्रीमद भागवत कथा आयोजन की शुरूआत, बुधवार 18 दिसंबर को 201 कलश मंगल यात्रा के साथ की गई।जहा दोपहर 1 बजे, आयोजन स्थल तुरकर भवन से कलश मंगल यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश लेकर निकली। यह कलश मंगल यात्रा, तुरकर भवन से आंबेडकर चौक होती हुई काली पुतली चौक, अंहिसा द्वार, राजघाट चौक सहित प्रमुख मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां कल 19 दिसंबर से व्यासपीठ से कथा वाचक साध्वी स्वाति भारती कथा का वाचन करेगी।

साध्वी स्वाति भारती के मुखारबिंद से श्रीमद भागवत कथा का होगा वाचन

आपको बताए कि मानव को ईश्वर दर्शन के प्रति जाग्रत करने और कामधेनु गौसंरक्षण तथा संवर्धन के सहायतार्थ मुख्यालय के तुरकर भवन में श्रीमद भागवत कथा यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा में दिव्य ज्योति जागृति परिवार के संस्थापक आशुतोष महाराज की शिष्या कथा व्यास साध्वी स्वाति भारती के मुखारबिंद से श्रीमद भागवत कथा का वाचन होगा।

रोजाना अलग अलग प्रसंगों का होगा वाचन

बुधवार को नगर में आमंत्रण स्वरूप निकाली गई 201 कलश मंगल यात्रा के साथ ही श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत हो चुकी है।जिसके बाद 19 दिसंबर से दोपहर 1 बजे से लेकर शाम तक श्रीमद कथा का वाचन किया जाएगा।जिसमे 19 दिसम्बर को भागवत महात्म्य, गौकर्ण उपाख्यान, 20 दिसंबर को विदुर-सुलभा प्रसंग, उद्धव-विदुर भेंट, 21 दिसंबर को ध्रुव-प्रहलाद प्रसंग, 22 दिसंबर को गंगा अवतरण, श्रीकृष्ण जन्मोंत्सव, 24 दिसंबर को नामकरण संस्कार, श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, 24 दिसंबर को गोवर्धन पूजन,कंस उद्धार व 25 दिसंबर को सुदामा पर कृपा, श्रीकृष्ण-रुकमणी विवाह पर कथा का वाचन कथा वाचक के मुखारबिंद से किया जाएगा।

25 दिसंबर तक चलेगी श्रीमद भागवत कथा- अग्रवाल

आयोजक जाग्रति परिवार बालाघाट के जुड़े प्रतिनिधि हरिओम अग्रवाल ने औपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि आज 201 कलश मंगल यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त, शामिल रहे।उन्होने बताया कि 19 दिसंबर को श्रीमद भागवत कथा की शुरूआत भागवत महात्म्य और गौकर्ण उपाख्यान के साथ की जाएगी और लगातार 25 दिसंबर तक श्रीमद भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगो पर व्यासपीठ से कथा वाचक साध्वी स्वाती भारती के मुखारबिंद से कथा का वाचन होगा। उन्होंने जिले के लोगों से इस धार्मिक आयोजन में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

जिला अस्पताल के गैर जिम्मेदार चिकित्सक की लापरवाही का नतीजा

24 घंटे बाद नवजात शिशु के शव का हुआ पोस्टमार्टम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल में अविवाहित 20 वर्षीय लड़की द्वारा प्रसव के दौरान मृत पैदा हुए शिशु के शव का 24 घंटे बाद पोस्टमार्टम किया गया। इस जिला अस्पताल के गैर जिम्मेदार चिकित्सक और प्रबंधन की लापरवाही के चलते जन्म के दौरान मृत इस शिशु की सूचना पुलिस को नहीं देने के कारण इस नवजात शिशु के शव का 24 घंटे बाद पोस्टमार्टम किया गया। ज्ञात होगी 16 दिसंबर की रात्रि में मलाजखंड थाना क्षेत्र की एक 20 वर्षीय अविवाहित लड़की जो गर्भवती थी और उसकी हालत बहुत ही नाजुक होने से उसे जिला अस्पताल के एचडी यू वार्ड में भर्ती किया गया था । 17 दिसंबर को सुबह 8:45 बजे गायनिक वार्ड के डॉक्टर और कर्मचारियों ने एचडी यू वार्ड पहुंचकर इस लड़की का प्रसव करवाया ,प्रसव के दौरान इस अविवाहित लड़की ने मृत नवजात शिशु को जन्म दिया था। अस्पताल के चिकित्सक द्वारा इस 20 वर्षीय अविवाहित लड़की के द्वारा नवजात शिशु को जन्म देने की सूचना 11:00 बजे जिला अस्पताल पुलिस चौकी में दी गई। महिला पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचकर इस विवाहित लड़की से बयान लेना चाह किंतु वह बयान देने की स्थिति में नहीं थी। महिला पुलिस समझी कि अविवाहित लड़की के शिशु को चाईल्ड आईसीयू वार्ड में भर्ती कर दिया गया होगा, यह सोचकर उन्होंने शिशु के संबंध में कोई पूछताछ नहीं की। जबकि चिकित्सक और यहा के कर्मचारियों को मालूम होना चाहिए कि अविवाहित लड़की ने मृत शिशु को जन्म दिया है जो कि एक गंभीर मामला है और ऐसे मामले पुलिस जांच के बन जाते हैं। यह एक मेडिको लीगल केस होने के कारण इस मामले में अपराध दर्ज भी होना है और डीएनए टेस्ट भी होना है और इस नवजात शिशु का डीएनए के लिए फेमुर बोन भी प्रिजर्व किया जाना था। किंतु चिकित्सक और कर्मचारियों के द्वारा गैर जिम्मेदाराना हरकत करते हुए इस मृत नवजात शिशु के संबंध में पुलिस को सूचना न देते हुए शिशु के शव को कपड़े में लपेटकर थैली में भरवाकर लड़की के पास ही रखवा दिया गया था। जो पुलिस सूचना के अभाव में सुबह 8:45 बजे से रात 7:30 तक थैली में ही रहा। इस दौरान जिला अस्पताल पुलिस को भनक लगी की सुबह 8:45 बजे जिस शिशु के संबंध में जानकारी दी गई थी। इस अविवाहित लड़की ने मृत शिशु को ही जन्म दी थी और इस शिशु का शव थैले में ही रखा हुआ। इसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने। हरकत में आकर पूछताछ शुरू की तब देखा गया कि जन्म के बाद मृत इस नवजात शिशु का शव थैले में ही एचडीयू वार्ड में लड़की के बिस्तर के पास रखा हुआ था। जिला अस्पताल पुलिस ने तुरंत उस समय ड्यूटी में पदस्थ महिला चिकित्सक से संपर्क करके इस नवजात शिशु के शव के संबंध में बताये। तब आनन फानन में महिला चिकित्सक के द्वारा रात 7:35 बजे जिला अस्पताल पुलिस को लिखित सूचना भेजी गई। जिसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने इस नवजात शिशु के शव को अपने में कब्जे में लेकर उसे जिला अस्पताल के फ्रीजर में ही सुरक्षित रखवा दिए। 18 दिसंबर को को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने इस नवजात शिशु के शव का पोस्टमार्टम करवा कर उसका कफन दफन करवा दिए। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना मलाजखंड भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच मलाजखंड पुलिस द्वारा की जाएगी।

कलेक्टर ने जिले के सीएम राइज स्कूल प्राचार्यो के साथ ली बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा बुधवार को कलेक्ट्रेड सभाकक्ष में जिले के समस्त सीएम राइज स्कूल प्राचार्यो के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त प्राचार्यों द्वारा सीएम राइज विद्यालयों में संचालित गतिविधियो के बारे में अवगत कराया गया। जिससे की विद्यालय मे आने वाली समस्याओं का निराकरण निर्धारित हो सके। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने डीईओ को निर्देशित किया की सभी सीएम राइस स्कूलो में नियमानुसार गतिविधियो का संचालन किया जाये। उन्होंने समस्त सीएम राइस स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि छात्र छात्राओ की पढाई में किसी भी तरह का अवरोध ना आने पाए। इस अनुरूप नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य जारी रखे और पुरानी बिल्डिंग को तोड़ना निर्धारित करें। कलेक्टर श्री मीना ने डीईओ को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्या समाधान के लिए अगली संयूक्त बैठक में सभी प्राचार्य, निर्माण ऐजेंसी, एसडीएम, पीआइयू, एसी ट्रायवल का उपस्थित रहना सुनिश्चित करे।

बालाघाट मास्टर कप इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

आरएनटी भरवेली, कन्या शाला परिसर गोंगलई, सेंटमेरी और अपोलो कान्वेंट स्कूल बनी विजेता

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट के पुलिस लाईन मैदान में खेली गई बालाघाट मास्टर कप इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का बुधवार को सायंकाल 05 बजे, पुरस्कार वितरण के साथ समापन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन अलग-अलग आयु वर्ग में किया गया था। जिसमें बालक और बालिका वर्ग की टीमें शामिल हुई थी।अलग-अलग आयु वर्ग का फायनल मैच, 18 दिसंबर को खेला गया। जिसमें 14 वर्ष बालक वर्ग में आरएनटी स्कूल भरवेली ने 14-2 से सेंटमेरी स्कूल को पराजित किया। इसी तरह 14 वर्ष बालिका वर्ग में शासकीय कन्या परिसर गोंगलई ने 3-1 से सेंटमेरी स्कूल, 16 वर्ष कन्या वर्ग में कन्या परिसर गोंगलई ने 1-0 से सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल, 16 वर्ष बालक वर्ग में सेंटमेरी स्कूल ने 2-0 से इंग्लिश स्कूल को पराजित किया। जबकि 18 वर्षीय बालक वर्ग का फायनल मुकाबला अपोलो कान्वेंट स्कूल ने ट्रायब्रेकर में 2-0 से पराजित किया।

प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों की टीम ने लिया हिस्सा

आपको बताएं कि13 दिसंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित बालाघाट मास्टर कप इंटरस्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में जिले की सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल कनकी, गुरुदेव इंटरनेशनल स्कूल कायदी, सेंटमेरी स्कूल बालाघाट, बालाघाट इंग्लिश स्कूल, आरएनटी स्कूल भरवेली मॉयल, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भरवेली, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट, अपोलो कॉन्वेंट स्कूल बालाघाट, शासकीय कन्या परिसर बालाघाट की टीमों ने हिस्सा लिया था।

आज प्रतियोगिता का समापन किया गया है- यादव

जिला फुटबॉल एशोसिएशन सचिव सुनील यादव ने बताया कि 13 दिसंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित बालाघाट मास्टर कप इंटरस्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में आज फाइनल मैच कराकर पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन किया गया है।जिसमे 14 वर्ष, 16 वर्ष, 18 वर्ष आयु वर्ग में बालक, बालिकाओं की टीमों के बीच मैच खेले गए। जिसमें फायनल में आरएनटी स्कूल भरवेली, कन्या शाला परिसर गोंगलई, सेंटमेरी और अपोलो कान्वेंट स्कूल विजेता रही।

नहर का अधुरा सीमेन्टीकरण निर्माण होने से किसानों के खेतों तक नही पहुंच रहा पानी

पानी के अभाव में किसानों की दलहन फसले हो रही प्रभावित, किसान परेशान, जिम्मेदार मौन, किसानों ने बेलगांव-मानपुर सर्राटी माइनर नहर के अधुरे कार्य को जल्द पूरा करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पदमेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ कि.मी. दूरी स्थित ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के घने जंगलों में बने सर्राटी जलाशय तालाब से सिंचाई के लिए निकाली गई सर्राटी माइनर टेकाड़ी ला. से मानपुर-बेलगांव माइनर नहर किसानों के लिए जीवनदायिनी है। इस माइनर नहर के माध्यम से दर्जनों ग्रामों के खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचता है परन्तु सर्राटी माइनर नहर विगत कई वर्षो पुरानी होने के कारण जगह जगह से जीर्णशीर्ण एवं टूट फूट गई थी। जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था और किसानों की फसलें प्रभावित हो रही थी। जिससे परेशान किसानों के द्वारा आंदोलन व धरना प्रदर्शन कर सर्राटी माइनर का लाईनिंग कार्य किये जाने की मांग की गई थी। जिसके बाद शासन प्रशासन के द्वारा किसानों की मांग पर सर्राटी जलाशय से निकाली माइनर नहरों का लाइनिंग कार्य के लिए शासन से राशि स्वीकृत करवाकर एक वर्ष पूर्व लाखों रूपये की लागत से नहर का सीमेन्टीकरण किया गया है। लेकिन यह निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही किया गया है और ठेकेदार के द्वारा बहुत सी माइनर नहर का अधूरा ही निर्माण कार्य किया गया है जिससे किसानों को बेहद परेशानी हो रही है। इसी तरह से टेकाड़ी ला. मानपुर-बेलगांव की ओर जाने वाली माइनर नहर का ठेकेदार के द्वारा लापरवाहीपूर्वक निर्माण करते हुए। इस सीमेन्टीकरण लाइनिंग नहर का कार्य अधुरा किया गया है यानि की निर्माण कंपनी के द्वारा मानपुर के समीप बोरी मोहगांव रोड़ मंदिरटोला तक ही निर्माण किया गया है उसके बाद से अधुरा छोड़ दिया गया है। जिसके कारण मानपुर, बेलगांव के किसानों के खेतों तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा है एवं जिस स्थान तक सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण किया गया उसके बाद नहर पुरी जीर्णशीर्ण होने के साथ ही झाड़िया उग जाने के कारण आगे तक पानी नही पहुंच पा रहा है। जिसके कारण नहर में छोड़ा गया पानी आगे न पहुंचकर नहर किनारे स्थित खेतों में ही अनावश्यक बह रहा है जिससे किसानों के खेतों में लगी फसलें अधिक पानी जमा होने के कारण खराब हो रही है। वहीं आगे पानी नहीं पहुंचने से अन्य किसानों के खेतों में लगी चना, गेंहू, अलसी सहित अन्य दलहन फसल प्रभावित हो रही है। जिससे किसान परेशान है इसलिए किसानों ने शासन-प्रशासन से अधुरे मानपुर-बेलगांव माइनर नहर का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है।

अधुरे नहर का निर्माण कार्य जल्द नही होने पर किसान करेंगें आंदोलन

आपकों बता दे कि टेकाड़ी ला. जलाशय तालाब से निकली मानपुर-बेलगांव माइनर नहर मिट्टी की होने के कारण जीर्णशीर्ण होने के साथ ही जगह-जगह से टूट-फुट गई थी जिसके कारण किसानों के खेतों तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा था। जिससे परेशान किसानों ने शासन-प्रशासन से माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करने की मांग की थी। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कार्य पिछले वर्ष किया गया है परन्तु इस निर्माण कार्य में अनियमितता बरतते हुए अधुरा निर्माण किया गया है। जिसके कारण मानपुर एवं बेलगांव के किसानों तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा है। साथ ही मानपुर एवं बेलगांव सीमा में लगी नहर में पानी नही पहुंचने पर कुछ किसानों ने नहर की जगह में खेती करने लगे है। वहीं मानपुर से बेलगांव तक सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण नही होने, नहर के अंदर झाड़िया उग जाने एवं जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने के कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है। साथ ही किसानों के द्वारा विगत एक वर्ष से अधुरे नहर का सीमेन्टीकरण निर्माण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन अब तक निर्माण कार्य नही किया गया है जिसके कारण किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। साथ ही किसानों ने शासन-प्रशासन से अधुरे कार्य को जल्द प्रारंभ कर पूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की मांग की है और मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने बाध्य होगें।

अधुरा निर्माण हुआ है - योगेश

किसान योगेश जामरे ने बताया कि टेकाड़ी ला. से मानपुर-बेलगांव माइनर नहर का सिंचाई विभाग के द्वारा अधुरा निर्माण किया गया है जिसके कारण किसानों को सिंचाई के लिए पानी नही मिल रहा है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में नहर में दलहन फसल में सिंचाई के लिए पानी छोड़ा गया है परन्तु जहां तक सीमेन्टीकरण नहर बनी है उस स्थान तक अच्छे से पहुंच पा रहा है उसके आगे नही जा रहा है जिसके कारण मानपुर, बेलगांव के किसानों के खेतों में लगी दलहन फसल सिंचाई के अभाव में खराब हो रही है। श्री जामरे ने बताया कि शासन के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण एक वर्ष पूर्व करवाया गया है परन्तु

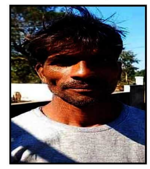

निर्माण कंपनी के द्वारा अधुरा कार्य किया गया है जिसके कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पानी नहीं मिलने से फसल होती हैं प्रभावित - बस्ताराम

बस्ताराम मात्रे ने बताया कि वर्षों पुरानी मिट्टी की बनी माइनर नहर जीर्णशीर्ण एवं क्षतिग्रस्त होने के कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता था। जिससे पेरशान किसानों ने शासन-प्रशासन से सीमेन्ट्रीकरण नहर का निर्माण करवाने की मांग

किये थे जिसके बाद माइनर नहर का सीमेन्टीकरण तो किया गया है परन्तु अधुरा किया गया है। जिसके कारण मानपुर-बेलगांव सीमा में जिन किसानों की खेती है वह तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा है जिससे फसल प्रभावित हो रही है। श्री मात्रे ने बताया कि खेत में पानी नही पहुंचने के बाद भी सिंचाई विभाग के द्वारा सिंचाई शुल्क समय-समय पर लिया जाता है परन्तु खेतों तक पानी नही पहुंच रहा है। ऐसी स्थिति में खरीफ सीजन में धान की फसल एवं रबी में दलहन फसल में सिंचाई नही होने के कारण फसल प्रभावित होती है जिसके कारण किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

लाखों रूपये खर्च होने के बाद भी अधुरा निर्माण हुआ है - जितेन्द्र

जितेंद्र पंचेश्वर ने बताया कि ग्राम पंचायत मानपुर की सीमा में हमारी खेती है और पूर्व से टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से मानपुर-बेलगांव माइनर नहर बनी हुई है जिससे दर्जनों ग्रामों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है परन्तु नहर जीर्णशीर्ण होने के कारण लाखों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण एक वर्ष पूर्व किया गया है किन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा मानपुर के मंदिरटोला तक

ही निर्माण किया गया है उसके बाद से अधुरा छोड़ दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में नहर में दलहन फसल लगी हुई है जिसमें सिंचाई के लिए नहर में पानी छोड़ा गया है परन्तु अधुरा निर्माण होने के कारण हमारे खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है जिससे किसान परेशान है। वहीं कुछ किसानों ने नहर का पानी नही पहुंचने के कारण नहर की जगह की खुदाई कर खेती बना लिए है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि नहर का अधुरा निर्माण होने से मानपुर, बेलगांव पंचायत की सीमा में जिन किसानों की खेती है वह तक नहर का पानी नही पहुंचने से सैकड़ो एकड़ की खेती में लगी फसल एक या दो पानी के लिए प्रभावित हो जाती है और किसान उत्पादन अधिक नही ले पाते है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि नहर का अधुरा निर्माण करने वाले ठेकेदार पर कार्यवाही कर कार्य को पूरा करवाये।

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया के बनने पर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा गत दिनों बालाघाट जिले के ६ विधानसभा के ३६ मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की गई है। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड के ३ मंडल अध्यक्षों की भी नियुक्ति की गई है। वहीं लालबर्रा भाजपा मंडल का अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया को बनाया गया है जिससे भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है। साथ ही भाजपा के नवनियुक्त लालबर्रा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया पूर्व में बजरंग दल के पूर्व संयोजक, बजरंग दल के पूर्व ब्लाक संयोजक, युवा मोर्चा के दो बार के पूर्व मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं भाजपा मंडल लालबर्रा के पूर्व महामंत्री के पद पर रहते हुए अपनी सेवाएं दे चुके है और

वर्तमान में लालबर्रा भाजपा मंडल का दायित्व पार्टी ने सौंपा है। प्रसन्न अवधिया को लालबर्रा भाजपा मंडल का अध्यक्ष बनाये जाने पर पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, सांसद भारती पारधी, जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, जिला महामंत्री मौसम हरिनखेड़े, कटंगी विधायक गौरवसिंह पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व सांसद ढालसिंह बिसेन, पूर्व जनपद अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, पूर्व जनपद अध्यक्ष ओमेश्वरी ठाकरे, किरण मडावी, मनोरमा शुक्ला, अशोक जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, योगेश लिल्हारे, संजीव अवधिया, कमलेश चौधरी, सतानंद दमाहे, डॉ. हुकुमचंद ठाकरे, बालकृष्ण बिसेन, रिमेन्द्र पटले, शोभा सोनी, विरेन्द्र बिसेन, विजय पटले, राजीव लिल्हारे, सत्यनारायण श्रीवास, सुरेन्द्र बनोले, प्रेमचंद रहांगडाले, दिनेश पटले, धनेन्द्र गौतम, मोहनलाल गौतम, तानसेन देशमुख, तीरथ बिसेन, हुकुमचंद पंचेश्वर, दुर्गा टेंभरे, सरोवर टेंभरे, वेदसिंह ठाकुर, मुन्ना बनवाले, जीवन लिल्हारे, विनोद ठाकरे, गांधी राउत, बालकरण पंचेश्वर, अफसर कुरैशी, अय्यूब भारती, मुस्ताक खान, राकेश अग्रवाल, तुफान गुप्ता, राकेश अवधिया, देवेन्द्र अवधिया, विजय पहले, अनिल बिसेन, झंकारसिंह उइके, अनिल उइके, टोपराम बिसेन, शुभम तिवारी, मोनू ठाकरे, रोहित नागवंशी, राजेन्द्र परिहार, दुर्गेश रहांगडाले, कैलाश डेहरे, चैनलाल चौधरी, दिनेश सपाटे, प्रमोद सपाटे, श्रीमती सरिता गणेश मात्रे, विनय ठाकुर, दिनेश साकुरे, राधेश्याम बिसेन, हिमालय टेंभरे, ललित कटरे, नरेन्द्र चौहान, राजेश गोस्वामी, प्रशांत जैन, अरूण लानगे, सुरेन्द्र बनवाले, विजय बोपचे, वीरेन्द्र बनवाले, कमलेश चौधरी, सपन खोब्रागढ़े, नरेन्द्र चौहान, संतोष गुप्ता, नरेन्द्र सार्वे, धनेन्द्र राणा, हितेश ठाकरे, धनेन्द्र भलावी, सुशील यादव, राजू एडे, मिथुन बोरकर, छन्नूलाल कटरे, देवेन्द्र करमेले, अरविंद पंचेश्वर, सुभाष पंचेश्वर, टेकचंद माने, डॉ. सुरेन्द्र हनवत, राजू देशकर, अर्चना पटले, रिजवान खान, मुकेश देशमुख, राजा सोनी, राहुल शुक्ला, मुकेश कटरे, प्रदीप कटरे, संजय टेंभरे, मयंक मात्रे, अशोक अजीत, सुजीत बिसेन, सचिन चावले, नानो देशमुख, विजय बोपेच, रमेश झाड़ेकर सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी है।

पुलिस ने सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौपा

ओमप्रकाश का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार, परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक पर कार्यवाही कर मुआवजा दिलवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के आगे समनापुर मार्ग स्थित ढुटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर पुलिया के समीप मंगलवार की शाम करीब ७ से ८ बजे के बीच अज्ञात चौपहिया वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल में सवार कटंगटोला टेकाड़ी ला. निवासी ओमप्रकाश कुमरे की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव बरामद कर रात हो जाने के कारण शव को लालबर्रा शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया था। जिसका दुसरे दिन बुधवार को पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं मृत व्यक्ति ओमप्रकाश कुमरे का कटंगटोला के मोक्षधाम स्थल में बुधवार को दोपहर में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया है एवं परिजनों ने अज्ञात चौपहिया वाहन चालक को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही एवं मुआवजा दिये जाने की मांग शासन-प्रशासन से की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगटोला निवासी ४० वर्षीय ओमप्रकाश कुमरे मजदूरी कार्य करता था जो बालाघाट से गोंदिया नेशनल हाईवे रोड़ के निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करता था। १६ दिसंबर को ओमप्रकाश अपने गांव आया था, जिसके बाद मोटरसाइकिल से सड़क निर्माण कार्य के लिए अन्य मजदूरों के पता में समनापुर गया था। जिनसे बात-चीत करने के बाद १७ दिसंबर की शाम में वापस अपने गांव की ओर आ रहा था। तभी अमोली के समीप से गुजरी ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर पुलिया के समीप किसी अज्ञात चौपहिया वाहन चालक ने उन्हे जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी परन्तु घटना शाम के समय एवं घटना स्थल में अंधेरा रहने के कारण घटना की जानकारी देर से आने-जाने वालों एवं पुलिस कर्मी हो लगी। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर देखा गया तो मोटरसाइकिल चालक लहुलुहान अवस्था में पड़ा हुआ था, जिसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी शिनाख्त कटंगटोला टेकाड़ी ला. निवासी ओमप्रकाश कुमरे के नाम से की गई थी। जिसके बाद उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई एवं बुधवार को मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया है और पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं घटना की जानकारी समय पर लग जाती और उपचार समय पर मिल जाता तो उसकी जान बच सकती थी। बताया जा रहा है कि मृतक व्यक्ति पांच भाई है जिसमें से यह चौथे नंबर का था जो वर्तमान में बालाघाट से गोंदिया पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करता था, जिसके परिवार में पत्नि एवं दो बच्चें है। जो १६ दिसंबर को मजदूर के पते में समनापुर गया था और १७ दिसंबर की शाम में वापस होते समय अज्ञात चौपहिया वाहन की टक्कर से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मृतक परिवार का मुखिया था जिसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने के बाद परिवार के सामने जीविकापार्जन के लिए विकट समस्या उत्पन्न हो चुकी है इसलिए शासन-प्रशासन से मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

मुरझड़, कौड़िया और खामघाट में सांई रथ का किया गया स्वागत

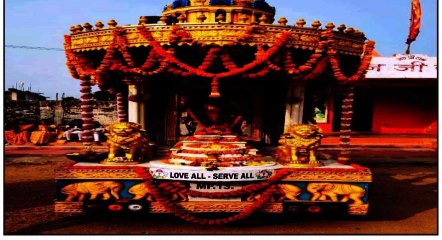

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। श्री सत्य सांई बाबा का वर्ष २०२५ में जन्म शताब्दी वर्ष धूमधाम से मनाया जायेगा और म.प्र. में बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए श्री सत्य सांई रथ यात्रा निकाली गई है। इस रथ यात्रा में सांई बाबा के चरण पादुका है जो गांव-गांव पहुंच रही है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में गत दिवस से सांई रथ गांव-गांव पहुंच रही है। बुधवार को यह सांई रथ यात्रा ग्राम पंचायत मुरझड़, कौड़िया एवं खामघाट पहुंची जहां श्री सत्य सांई सेवा संगठन समिति एवं ग्रामीणजनों के द्वारा सांई रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद यह रथ यात्रा पुरे ग्राम का भ्रमण की। इस दौरान ग्रामीणजनों ने अपने-अपने आंगन में रंगोली, माला एवं श्री सत्य सांई बाबा की फोटो एवं आरती की थाल सजाकर रखे थे और जब सांई रथ ग्रामीणजनों के मकानों के सामने से गुजरी तो ग्रामीणजनों ने दीप जलाकर रथ का स्वागत किया एवं रथ में विराजमान श्री सत्य सांई बाबा की चरण पादुका एवं उनकी प्रतिमा की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। साथ ही इस अवसर पर भजन का भी आयोजन किया गया। जिसके बाद सांई रथ यात्रा ग्राम खारी के लिए रवाना हुई। चर्चा में श्री सत्य सांई सेवा समिति के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि श्री सत्य सांई बाबा का २०२५ में जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जायेगा। इसी उपलक्ष्य में पूरे देश में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है एवं म.प्र. में गत ७ जुलाई से श्री सत्य सांई रथ यात्रा निकाली गई है। जो म.प्र. के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर बालाघाट जिले के लालबर्रा विकासखण्ड में २८ दिन पूर्व आई है जो वर्तमान में लालबर्रा क्षेत्र के ग्रामों में सांई रथ यात्रा पहुंच रही है और अब ३५ से ४० ग्रामों का भ्रमण कर चुकी है। श्री तिवारी ने बताया कि बुधवार को सांई रथ यात्रा ग्राम मुरझड़, कौड़िया, खामघाट पहुंची थी जहां श्री सत्य सांई सेवा संगठन समिति एवं श्रध्दालुओं के द्वारा सांई रथ का भव्य स्वागत किया एवं पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये और इस सांई रथ यात्रा के माध्यम से बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, गणेश देशमुख,, लक्ष्मीनारायण झंझाड़े, मनीष, श्री दशरिये, शिवशंकर बसोने, चेतनाल टेंभरे, सुरजलाल गोंदुड़े, मेखलाल गोंदुड़े, गोखराम पटले, जगलाल बिसेन, पोखराम बिसेन, योदन हरिनखेड़े सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक अनुभा मुंजारे ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से मुलाकात कर सौंपी मांग पत्र

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने विधानसभा सत्र के दौरान आमजन, किसान, बेरोजगारी सहित तमाम विषयों को लेकर पुरजोर बातें रख रही। वही अपने बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर वह प्रदेश के मंत्रियों से भेंट कर कार्य स्वीकृति एवं राशि देने की मांग कर रही है। बुधवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे म.प्र. शासन के कैबिनेट मंत्री लोक निर्माण विभाग राकेश सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र के पुलिया, ब्रिज, सड़क निर्माण कार्यों का मांग पत्र सौंपकर उक्त कार्य करवाने की मांग की है। विधायक अनुभा मुंजारे ने लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह से विधानसभा क्षेत्र के मुरझड़, कौड़ियां से खोगाटोला मोहगांव धपेरा नदी पर पड़ने वाले मार्ग एवं पुलिया, कनकी से बालाघाट बूढ़ी वैनगंगा नदी मार्ग व पुलिया, बालाघाट नगरपालिका के बैहर चौकी रेलवे ब्रिज निर्माण और रमपुरी से सिहोरा सड़क मार्ग व नाले मार्ग पर पुलिया, लालबर्रा (पनबिहरी) से बोरी बरघाट मोहगांव मार्ग एवं पुलिया निर्माण की मांग करते हुए मांग पत्र सौंपा है। जिस पर मंत्री श्री सिंह के द्वारा विधायक महोदया को सभी कार्य के लिए आश्वस्त किया गया है। आपकों बता दे कि विधानसभा सत्र के दुसरे दिन मंगलवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा प्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलादसिंह पटेल और पीएचई मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके से भेंट कर क्षेत्र के विकास कार्यों और पेयजल सुविधा से

जुड़े मांग पत्र प्रेषित किया गया है। उक्त संबंध में विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि हम अपने क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर प्रयासरत है, जनता की जिम्मेदारी का एहसास है। हमने अपने क्षेत्र के विकास कार्यों व जन समस्या के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रमुख विभागीय मंत्रियो से मुलाकात कर उन्हे मांग पत्र सौपा है और सभी मंत्रियों ने विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्य में सहयोग व कार्य स्वीकृति का आश्वासन दिया है। हमें उम्मीद है कि जिन कार्यों को मंत्रियो के ध्यान में लाया गया वह अवश्य पुरे होंगे।

सरकार के वादा खिलाफी और झूठे आश्वासन में उलझे किसान

सरकार के साफ्टवेयर से काटा जा रहा पुरा कर्ज किसान परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सरकार के द्वारा किसानों को लाभ पहुंचाने और लाभ का धंधा बनाने के लिए अनेकों वादे किए जा रहे हैं। वहीं धान का समर्थन मूल्य ३१०० रुपये प्रति क्विंटल देकर किसानों को लाभ पहुंचाने की भी बात कही गई थी परंतु वास्तविकता में सब शून्य ही नजर आ रहा है। इसी कड़ी में धान उपार्जन केन्द्रों में एक नया मामला सामने में आया है जिसमें सरकार के द्वारा किसानों के द्वारा दी गई धान के भुगतान से पूर्ण कर्ज काटने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है क्योंकि इस प्रकार पूरा कर्ज काटने के कारण किसानों को हाथ खाली ही नजर आ रहे है। जिन्हें बेरंग वापस लौटना पड़ रहा है जबकि शासन के द्वारा किसानों को ० प्रतिशत ब्याज पर खरीफके रूप में ३१ मार्च तक के लिए लोन दिया गया है। जिसकी काल अवधि पूरी ९ महीना होने के बाद भी ६ महीने में ही पूरा कर्ज किसानों को धान खरीदी के माध्यम से दबोच कर सरकार वसूल कर रही है। खरीदी केंद्रों से कई छोटे किसानों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है, जिनके सामने आगे अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाए रखने की समस्या बनी हुई है। जबकि सरकार के द्वारा किसानों को सुविधा देने के लिए ० प्रतिशत ब्याज पर लोन देने की बात कई बार मंचों से कही गई है। ताकि किसान अपने परिवार का लालन पालन पोषण जीवन निर्वाह सहित सामाजिक जिम्मेदारी को सक्रिय रूप से निभा सके। परंतु उपज के भुगतान से पूर्ण कर्ज कटौती करके सरकार किसानों की आशाओं पर पानी फेर रही है।

निराश होकर लौट रहे किसानों में आक्रोश

प्रदेश सरकार के द्वारा धान उपार्जन केंद्रो के माध्यम से किसानों की उपज खरीदी करने का कार्य किया जा रहा है। जहां पर किसानों की उपज लेने के बाद उसके भुगतान में से किसानों का पूरा कर्ज काट लिया जा रहा है जिसको लेकर किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस दौरान किसानों को धान उपार्जन केंद्र में धान बेचने के बाद भी खाली हाथ वापस घर लौटना पड़ रहा है। जिससे वह काफी निराश नजर आ रहे हैं जबकि कर्ज वसूली के ३ महीने अभी बचे हुए हैं । ऐसे में उन्हें धान बेचकर मजदूरी मशीनरी सहित विभिन्न भुगतान कर अपनी जीविका को संभालना था। परंतु उपज बेचने के बाद भी हाथ खाली होने पर वह बहुत ज्यादा निराशा है। जो सरकार पर मनमानी करने और बनाए गए नियमों का उल्लघंन करने का आरोप लगा रहे हैं।

दो टर्म में ९ एवं ६ महीना के लिए दिया जाता है किसानों को लोन

सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को खरीफ और रबी सीजन की खेती करने के लिए दो टर्म में लोन के रूप में राशि खाद बिज एवं अन्य सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। जिसमें जून और जुलाई में खरीफ का लोन दिया जाता है जिसे चुकता करने के लिए मार्च तक ९ महीना का समय किसानों के पास होता है। वहीं दिसंबर में रबी का लोन दिया जाता है जिसकी काल अवधि ६ महीने की जून तक होती है। इसके बाद समितियों के माध्यम से निर्धारित प्रतिशत से ब्याज की वसूली लोन लेने के दिनांक से वसूल की जाती है। हालांकि सभी किसानों के द्वारा समय पर यह लोन सोसायटी में फसल से या नकद रूप से जमा कर दिया जाता है और लगातार किसानों के साथ यह कालचक्र चलता रहता है। जिसमें किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है वह लोन भी ले लेता है और फसल भी लगा लेता है वहीं अपने सभी कार्यों को संपादित कर पाता है।

देनदारी की समस्या से किसान परेशान

हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान है जहां पर अधिकांश लोग खेती किसानी कर अपना जीवन व्यापन करते हैं। जहाँ किसानों के द्वारा समिति से लोन लेकर मजदूर और मशीनरी के साथ मिलकर अपनी खेती की जाती है। सरकार ने ३१०० रूपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य की घोषणा से उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई थी। परंतु वादा पूरा ना होने से किसान वैसे ही नाराज थे जो अपनी देनदारी की समस्या के लिए उपज को काटकर सोसायटी में किसान लेकर आ रहे हैं। जहां पर पहले किसान अपनी इच्छा अनुसार लोन कटवाता था जो ३१ मार्च के पहले पूरा लोन जमा कर देता था। परंतु इस बार किसान धान लेकर सेवा सहकारी समिति में आ रहा है जहां पर उनका पूरा लोन ३ महीने पहले उपज के मूल्य से काट लिया जा रहा है। जिसमें कुछ किसानों के ऐसे मामले सामने आए हैं जिन्हें दूसरे किसानों से उधार लेकर ट्रैक्टर का किराया और अपने घर वापस जाना पड़ा है। परंतु इसके बाद भी उन्हें अपनी देनदारी का डर बना हुआ है क्योंकि कृषि कार्य में लगने वाले उपकरण और मजदूरी की मेहनत अभी भी किसान के ऊपर कर्ज है।

सरकार किसानों को झूठे आश्वासन देकर सिर्फ गुमराह करती है-जयराम गौतम

किसान जयराम गौतम ने बताया कि यह खरीदी केंद्र में सभी व्यवस्था ठीक है पर समस्या यह है कि हम जो धान दे रहे हैं तो हमारा कर्ज १०० प्रतिशत काटा जा रहा है। सरकार हम किसानों को २८ मार्च तक की अवधि के लिए लोन देती है परंतु दिसंबर में यह पूरा कर्ज काट रहे हैं जो बड़ी समस्या है। हमने धान दिया समिति ने पूरा कर्ज काटा तो हमारे पास रुपए ही नहीं बचे है। जिसके कारण हमारी व्यवस्था एवं आर्थिक स्थिति दोनों बिगड़ रही है जब मार्च तक कर्ज चुकाना है तो इस प्रकार दिसंबर में पूरा कर्ज काटना गलत है। क्योंकि नया कर्ज हमें अप्रैल के बाद मिलेगा अभी धान का भुगतान भी खाते में नहीं आया है और कर्ज काट लिया गया। हम चाहते हैं कि पहले जैसा ५० प्रतिशत कर्ज काट लिया जाता था इस प्रकार से यह कर्ज वसूली होना चाहिए।

सरकार किसानों के लिये जैसा बोलती है वैसा करती नही है-गगन बिसेन

किसान गगन बिसेन ने बताया कि सरकार शून्य प्रतिशत ब्याज पर खरीफ ,रबी का लोन देती है जो दो टर्म में यह मिलता है जिसमें खरीफ जून से मार्च एवं रबी दिसंबर से जून तक रहता है। लोन जमीन पर मिलता है प्रति एकड़ के हिसाब से ना की उपज के ऊपर मिलता है। सरकार शून्य प्रतिशत का बहुत बखान करती है पर ९ महीने के लिए लोन मिलता है। जब हम समिति में धान देने आ रहे हैं तो पहले इच्छा से लोन कटता था ३१ मार्च के पहले किसान पूरा लोन चुका देता था। अन्यथा नहीं देने पर काल अवधि के बाद १० प्रतिशत से अधिक ब्याज जोड़कर वसूली होती थी। अभी मैं धान बेचा तो पूरा लोन काट दिया गया सरकार जो बात करती है उससे अलग है अभी ६ माह हुआ है टर्म ९ महीने का है। यदि किसान कर्ज नहीं चुकायेगा तो समिति हमारी जमीन कुर्की करें पर यहाँ तो किसान ने १०६००० की धान दिया १ लाख उसका कर्ज था जो काट लिया गया। तो ६०००० में वह करेगा क्या अब दूसरा लोन जून में मिलेगा। पहले जैसा सिस्टम होना चाहिए और यह जो सॉफ्टवेयर बताया जा रहा है उसे बदला जाना चाहिए।

चुनाव में किये गये वादो से मुकर रही सरकार-गजेन्द्र गौतम

किसान गजेंद्र गौतम ने बताया कि सरकार के द्वारा चुनाव में ३१०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य धान का देने कहा गया था। पिछले वर्ष का बोनस भी देने की बात कही गई थी परंतु यहां पर २३०० रुपये प्रति क्विंटल की पर्ची सामने आ रही है। उसमें भी पूरा कर्ज सरकार काट रही है इस प्रकार से हमें क्विंटल पर ८०० रुपये प्रति क्विंटल का घाटा और हाथ में रुपये भी नहीं है यह बड़ी समस्या हो गई है। अब किसान क्या करें समझ नहीं आ रहा है यदि यह ३१०० रुपये प्रति क्विंटल से खरीदी करते और पूरा कर्ज भी काट लेते तो चलता किंतु अब तो किसानों को समस्या हो गई है। सबसे ज्यादा समस्या छोटे किसानों के साथ है जो बहुत ज्यादा संख्या में है । जिन्हें थोड़ा बहुत हाथ में रुपये मिलना चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है। अब आगे के हम ७ महीने क्या करें इस दौरान हमें साहूकार से कर्ज लेना पड़ेगा परेशानी अलग होगी किसान कर्ज में डूबेगा यह बिल्कुल गलत है।

शासन ने जो सॉफ्टवेयर बनाया है जो पूरा कर्जा ही काट रही है-रविन्द्र पारधी

खरीदी प्रभारी रविंद्र पारधी ने बताया कि धान खरीदी में एक नया सॉफ्टवेयर आया है जिसके माध्यम से किसानों से पूर्णता वसूली हो रही है। इसके पहले हर बार किसान की इच्छा के अनुसार धीरे धीरे कर्ज काटा जाता था किंतु सॉफ्टवेयर पूरा काट रहा है। यह यहीं पर नहीं पूरे प्रदेश में है पहली बार यह लागू हुआ है किसान को ऋण हमारे द्वारा २८ मार्च तक की अवधि के लिए दिया गया था। जिसमें पहले हम इच्छा से काटते थे परंतु अभी तीन माह कर्ज चुकाने का बचा हुआ है और पूरा कर्ज काट लिया गया है। जिससे किसानों को समस्या हो रही है और वह आक्रोश भी व्यक्त कर रहे हैं । क्योंकि पहले किसान उपज और नगदी के रूप में कर्ज चुकाता था परंतु अब पूरा काटा जा रहा है यह सभी किसानों के साथ हो रहा है।

नगर में १०१ कलश शोभायात्रा का हुआ आयोजन

असंख्य शिवलिंग निर्माण एवं एवं श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के श्रीराम मंदिर से १८ दिसंबर को १०१ कलशों की भव्य शोभायात्रा निकाल कर ७ दिवसीय असंख्य शिवलिंग निर्माण एवं एवं श्रीमद् भागवत कथा का प्रारंभ किया गया। यह कार्यक्रम १८ दिसंबर से २६ दिसंबर तक परशुराम भवन में आयोजित किया गया है। जिसमें श्रीराम मंदिर से कलश शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के आंबेडकर चौक, नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक से जोड़ा पीपल हनुमान मंदिर होते हुए रामपायली रोड़ स्थित परशुराम भवन पहुंची। जहां पर शोभायात्रा का समापन किया गया। इस दौरान यह शोभा यात्रा में भक्ति गीतों की धुन पर नगर का भ्रमण किया। इसके बाद श्रीमद् भागवत कथा का प्रारंभ किया गया जिसमें बाल प्रभु महाराज व्यास पीठ पर आसीन होकर संगीतमय प्रवचन के माध्यम से ज्ञान की बात बताते हुए प्रभु की लीला का वर्णन करते रहे। चर्चा में आयोजको ने बताया कि १८ से २६ दिसंबर तक परशुराम भवन में धार्मिक कार्यक्रम के रूप में असंख्य शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसके प्रारंभ अवसर पर कलश शोभायात्रा निकालकर नगर भ्रमण किया गया जो श्रीराम मंदिर से निकलकर परशुराम भवन पहुंची। इस धार्मिक अनुष्ठान में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण मंत्रों उच्चारण के साथ कराया जाएगा जो प्रतिदिन कथा के पूर्व प्रात: ८ बजे से ११ बजे तक होगा। तत्पश्चात बाल प्रभु महाराज व्यास पीठ पर आसीन होकर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का प्रवचन दोपहर १ बजे से ५ बजे तक होगा। जिसमें सकल जन समाज एवं नगरवासी ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत पुराण का लाभ लेवे। इस अनुष्ठान में बाल प्रभु महाराज के द्वारा संतान प्राप्ति हेतु गोद भराई ,यज्ञ समापन दिवस पर किया जाएगा एवं दिव्य दरबार २१ व २२ दिसंबर को लेंगे। जिसमें आप अपनी हर समस्या के समाधान हेतु अर्जी लगा सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं भागवत प्रेमी मौजूद रहे।

नगर में चल रहे विकास कार्यो का प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण

कार्य एंजेसी को गुणवत्ता सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दियें

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में चल रहे विकास कार्यो का पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने निरिक्षण कर कार्य एंजेसी को आवश्यक दिशा निर्देश दियें । नगर के तहसील कार्यालय के ही निकट अनुविभागीय राजस्व कार्यालय का निर्माण कार्य जंहा अंतिम चरणो में है। वहीं वार्ड ६ में सीसी सड़क और वार्ड नं.१२ में डामरीकृत सड़क का कार्य प्रारंभ है। नगर में सर्व सुविधायुक्त भवन में कप्यूंटर रूम, मिटिंग रूम,सिटीजन सर्विस सेंटर, एसडीएम कोर्ट सहित अन्य कक्षो के निरिक्षण के बाद आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान करते हुये कार्य की सराहना की गई। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की हमने तात्कालिन प्रादेशिक राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत म.प्र. शासन के माध्यम से राजस्व विभाग मध्यप्रदेश शासन से १.३१ करोड़ रूपये की स्वीकृति से २५०० वर्गमीटर के इस कार्य को प्राथमिकता के साथ करवाया है। जल्द हम इस नये भवन व दिनदयाल चौक पर पं दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का लोकार्पण समारोह के साथ कराने की तैयारी शुरू भी कर चुके है। श्री जायसवाल ने बताया कि कायाकल्प २.० योजना के तहत १ करोड़ २० लाख रूपये की लागत से बनने वाली ९ सड़को में से गोलीबार चौक के निकट एक सड़क का भूमिपूजन किया गया था। वार्ड नं.१२ में श्री चौरसिया के मकान से श्री नेवारे के मकान तक बनने वाली इस लगभग ८ लाख की इस सड़क पर डामरीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। वहीं सड़क निर्माण की गुणवत्ता के लिये निरिक्षण कर संबधित कार्य एंजेसी के अधिकारियों व नपा की टीम को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये है साथ ही वार्डवासीयो से इस विषय में चर्चा भी की। श्री जायसवाल ने बताया कि वार्ड नं ६ में श्री रामदेव बाबा मंदिर के निकट नपा परिषद के द्वारा निर्माणाधीन सीसी सड़क का निरिक्षण भी किया गया है। नपा निधि से चार सौ मीटर सीसी सड़क लगभग १७.५० लाख रूपये की इस सड़क के निरिक्षण के साथ ही संबधित ठेकेदार को दिशा निर्देश प्रदान किये। साथ ही वार्डवासीयो की मांग पर जल्द सड़क किनारे नाली निर्माण का भी आश्वासन प्रदान किया है। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल , एसडीएम राजीव रंजन पांडे,तहसीलदार इमरान मंसुरी, आनंद बंसोड़,श्रीमती रितू खरे, पूर्व नपा अध्यक्ष आलोक खरे, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, मोनू लिमजे, इकबाल खान,नपा उपयंत्री सुमीत मोटवानी सहित नपा अमला उपस्थित रहा।

श्रीसॉई मंदिर ट्रस्ट झालीवाड़ा वार्षिकोत्सव का आयोजन २२ से प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी साईधाम झालीवाड़ा में श्रीसाई मंदिर ट्रस्ट एवं ग्रामीणों के तत्वाधान में आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव २०२४ का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट झालीवाड़ा के अध्यक्ष जगदीश पटले ने चर्चा कर बताया कि २२ दिसम्बर से १ जनवरी २०२५ तक आयोजित होने वाले श्रीसॉई मंदिर वार्षिकोत्सव, सॉईधाम झालीवाड़ा का ११ दिवसीय आयोजन भक्तों के लिये प्रतिक्षा का विषय बना हुआ है। अन्तर्राज्यीय स्तर ख्यातिप्राप्त यह वार्षिकोत्सव अपने १५ वें संस्करण में विशेष मार्कण्डेय पुराण के स्वरूप में श्रृद्धालुओं के सामने होगा। वार्षिकोत्सव का श्री गणेश २२ दिसम्बर को विभिन्न प्रतिकात्मक एवं धार्मिक झांकियों से सुशोभित विशाल क्लश यात्रा के रूप में होगा जो श्री सॉई मंदिर परिसर से सम्पूर्ण ग्राम का भ्रमण कर कथा स्थल तक होगी। श्री पटले ने बताया कि २३ दिसम्बर से ३१ दिसम्बर २०२४ तक प्रतिदिन दोपहर १२ बजे से ५ बजे तक श्री मार्कण्डेय पुराण का संगीतमय वाचन प्रख्यात भागवत भूषण गौवत्स सुरिभदास महाराज रायपुर के द्वारा किया जायेगा। श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट के द्वारा आयोजन को और भी विराट स्वरूप प्रदान करते हुये इस वर्ष २३ दिसम्बर से ३१ दिसम्बर तक जिसमें २४ दिसम्बर की रात्रि ८ बजे संगीयमय योग, २६ दिसम्बर की रात्रि ८ बजे से देशभक्ति, धार्मिक गीत एवं अन्य संगीतमय कार्यक्रम, २९ दिसम्बर को पण्डवानी एवं लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम गुण्डरदेही जिला बालोद (छत्तीसगढ़) के विशिष्ट कलाकारो के द्वारा रात्रि ८ से १ बजे तक अन्य कार्यकम का रंगारंग भव्य आयोजन किया जायेगा। श्री पटले ने बताया कि आयोजन की समापन तिथि नववर्ष १ जनवरी २०२५ दिन बुधवार को जनमानस में प्रसिद्धि प्राप्त कर चुकी श्री सॉईबाबा की विशाल रसोई, विशाल भण्डारा का वितरण दोपहर १२ बजे से प्रारंभ होकर संध्या ७ बजे तक होगा। आयोजन के अंतिम आखिल भारतीय कवि सम्मेलन का विशेष आयोजन श्रृद्धालुओं के समक्ष होगा। श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट झालीवाड़ा के अपनी सम्पूर्ण तैयारी कर ली है। इस धार्मिक कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में पहुंचने की अपील समिति अध्यक्ष जगदीश पटले, डॉ. इन्द्रभूषण पटले कोषाध्यक्ष, कमल टेंभरे सचिव, ओमप्रकाश देशमुख, स्वरूपचंद टेंभरे ,शिवचरण शरणागत, राम खण्डेलवाल, रमेश पटले, महेन्द्र ठाकरे, ज्ञानचंद बिसेन, प्रदीप राहंगडाले, ज्ञानचंद बिसेन, डॉ भिवनलाल बिसेन, सच्चिनानंद चन्द्रे, हेमचंद ठाकरे, शशिभूषण देशमुख, कुपेन्द्र राहंगडाले, अनिल देशमुख, रेवाराम पटले, गनाराम पटले, आत्माराम भैरम, गुलाब नेवारे, प्रताप अड़मे, अजय पटले, सुखचंद वरकड़े, सालिकराम तिड़गाम, राजकमल पटले, सुरेश बोपचे, आशीष देशमुख, देवी राहंगडाले, रमेश शरणागत, दशरथ आमाडारे, रूपक ठाकरे, अनिल उईके, छन्नु राउत, मनीष जामवारे,, पुलकित पटले, आकाश सोनेकर, सुरेन्द्र टेंभरे, प्रेमेन्द्र पारधी, विजय नान्हे, कोमेश टेंभरे, महेन्द्र डहरवाल, वितेश बोपचे, डेलचंद राहंगडाले, मोहित सोनी, अनमोल चंदेलकर, बड्डु नेवारे, राजेश राउत व समस्त ग्रामवासियों ने की है।

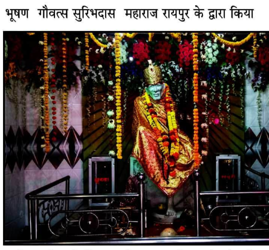

खैरलांजी में आद्विक मैराथन दौड़ का आयोजन शुक्रवार को

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत के प्रांगण में आद्विक मैराथन समिति एवं समृद्ध महाकौशल फाउंडेशन के तत्वावधान में २० दिसंबर को प्रात: ७ बजे से मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। यह प्रतियोगिता मध्य प्रदेश कबड्डी संघ बालाघाट उपाध्यक्ष राजेश पाठक के मुख्य आतिथ्य, खैरलांजी सरपंच ज्योति भगतसिंह नगपुरे की अध्यक्षता, राजपूत समाज के जिला अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ,हिंदू जागरण मंच अंबालाल ,बसपा नेता अजब शास्त्री सहित अन्य लोगों के प्रमुख ,विशिष्ट ,विशेष आतिथ्य में प्रारंभ किया जाएगा। यह मैराथन प्रतियोगिता दोनों वर्ग के लिए आयोजित की गई है जिसमें पुरुष वर्ग के लिए १२ किलोमीटर, महिला वर्ग के लिए ५ किलोमीटर का मैराथन रखा गया है। जिसमें पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार १२०००, द्वितीय ८००१, तृतीय ५००१, चतुर्थ ३००१, पंचम २००१ एवं छठवें से ग्यारहवीं स्थान तक १००१, इसी प्रकार महिला वर्ग में प्रथम ७००१, द्वितीय ५००१, तृतीय ३००१, चतुर्थ २०००, पंचम १००१ एवं ६ से ११ स्थान तक ५०१ रुपये के नगद इनाम के साथ प्रमाण पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में मूल निवासी और उम्र का कोई बंधन नहीं है जिसमें प्रतियोगि की स्वयं की जिम्मेदारी होगी। इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में लोगो से मैराथन कार्यक्रम में भाग लेने की अपील आयोजन समिति पदाधिकारी सदस्यों ने की है।

नवंबर का व्यापार संबंधी अनुमान

इस साल अक्टूबर के विदेशी व्यापार के आंकड़ों ने पिछले कुछ सालों में आम तौर पर कमजोर रहने वाली निर्यात की दशा के लिए आशा की एक किरण पेश की थी, क्योंकि माल निर्यात 28 महीने की 17.2 फीसदी की उच्च रफ्तार से बढ़ा था। लेकिन, इस साल के क्रिसमस के मौसम में वैश्विक स्तर पर बेहतर मांग के साथ हालात में निरंतर बदलाव की कोई भी संभावना सोमवार को जारी नवंबर के व्यापार संबंधी अनुमानों के साथ समाप्त हो गई है। एक तरह से दोहरी मार के तौर पर, न सिर्फ बाहर भेजी जाने वाली खेपों (आउटबाउंड शिपमेंट) का मूल्य दो सालों में सबसे कम 32.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक गिर गया, बल्कि आयात का खर्च भी 70 बिलियन अमेरिकी डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया और साल-दर-साल के आधार पर 27 फीसदी बढ़ गया, जो दो सालों से अधिक समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। अक्टूबर के मुकाबले माल निर्यात 18.1 फीसदी कम रहा। पिछले चार महीनों में से तीन महीनों के दौरान अब रिकॉर्ड-तोड़ आयात खर्च दर्ज किए गए हैं, अगस्त में 64.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर और अक्टूबर में 66.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर। अगस्त की तरह ही, नवंबर के आयात खर्च में बढ़ोतरी सोने के आयात की वजह से हुई, जो पिछले नवंबर से 331.5 फीसदी बढ़कर 14.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया। इस साल कुल मिलाकर सोने का आयात अब 49 फीसदी बढ़ गया है। उच्च कीमतें और त्योहारी व शादी के मौसम के दौरान मांग में मौसमी उछाल इस बढ़ोतरी की कुछ व्याख्या तो करते हैं, लेकिन हालात का कुछ विश्लेषण करने की जरुरत है, खासकर रत्न एवं आभूषणों, जिसमें हीरे की पॉलिशिंग और सोने के आभूषण जैसे रोजगार प्रदान करने वाले व्यवसाय भी शामिल है, के निर्यात में हो रहे हलचल के मामले में। अप्रैल और नवंबर के बीच रत्न एवं आभूषण निर्यात में जहां 10.2 फीसदी की गिरावट आई है, वहीं आयात 30 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। नवंबर में इस खंड में 14.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड उच्च घाटा दर्ज किया गया है। व्यापारिक वस्तुओं के व्यापार में कुल अंतर भी नवंबर में बढ़कर 37.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया और शायद यह पहली बार है कि घाटा निर्यात के आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो गया है। बेशकीमती धातुओं के अलावा, पेट्रोलियम ने भी इस घाटे की बढ़ोतरी में अहम भूमिका निभाई। इनका निर्यात जहां आधा होकर 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रह गया, वहीं आयात 7.9 फीसदी बढ़कर 16.1 बिलियन डॉलर का हो गया। अधिकारियों ने निर्यात में आई मंदी को तेल की कम कीमतों से जोड़कर चिंताओं को कम करने की कोशिश की है, लेकिन आयात के मामले में भी तो यही सच होना चाहिए। यह बहुत संभव है कि भारत ने अपने निर्यात को बढ़ाने के लिए रूसी तेल पर मिली छूट का जो फायदा उठाया था, वह फायदा अब घट रहा हो और घरेलू मांग पहले के मुकाबले मजबूत हुआ हो। लेकिन हाल के महीनों के इस घटनाक्रम से अर्थशास्त्री थोड़े हैरान हैं। वाणिज्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने अक्सर तर्क दिया है कि बढ़ता आयात खर्च चिंता का सबब नहीं है क्योंकि भारत दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले कहीं ज्यादा तेजी से विकास कर रहा है और अधिकांश आयात सीधे तौर पर निर्यातित वस्तुओं से संबंधित हैं या उनके इनपुट हैं तथा गैर-तेल निर्यात जो बढ़ रहे हैं, उनपर फोकस बना रहना चाहिए। लेकिन तेल और आभूषण भारत के शीर्ष व्यापारिक वस्तुओं में बने हुए हैं, और नीति निर्माताओं को इस उथल-पुथल के पीछे निहित पहलुओं को बेहतर ढंग से समझना चाहिए, भले ही वे बढ़ते व्यापार घाटे से परेशान न हों।

किसान आंदोलन : शुरू हो चुकी है एकजुट होने की क़वायद

पंजाब - हरियाणा की सीमाओं पर चलने वाला किसान आंदोलन धीरे धीरे और गंभीर रूप धारण करता जा रहा है। क्योंकि हरियाणा की सीमा खनौरी में गत 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (ह्र.क्र) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। किसान नेता के स्वास्थ्य की देखरेख में लगे डॉक्टर्स उनकी सेहत को लेकर बेहद चिंतित हैं। डल्लेवाल 80 साल की उम्र में इतने दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी देखभाल में लगे डॉक्टर्स के अनुसार पहले से ही कैंसर रोग से पीड़ित डल्लेवाल के लिवर व किडनी को इस अनशन के कारण काफ़ी नुक़सान पहुँच चुका है। उनकी किडनी व लीवर की स्थिति काफ़ी नाज़ुक होती जा रही है। ग़ौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फ़रवरी को पंजाब के किसान अपनी उन मांगों को पूरी करने के वादों को याद दिलाने के लिये दिल्ली जाना चाह रहे थे जो कि मोदी सरकार द्वारा तीन विवादित कृषि क़ानून वापस लेते समय सरकार द्वारा मानी गयी थीं। परन्तु हरियाणा सरकार ने उन्हें पंजाब सीमा से आगे बढ़कर दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। तभी से यह किसान पंजाब - हरियाणा की खनौरी व शम्भू सीमाओं पर डटे हुये हैं और बीच बीच में दिल्ली जाने का प्रयास भी करते रहे हैं।

क़ाबिल-ए-ग़ौर है कि जब एक वर्ष से भी लंबे समय तक चले संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन ने नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कभी %न झुकने % की छवि बनाने वाले नेता को तीन विवादित कृषि क़ानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था उस समय देश के किसानों के अधिकांश संगठन एकजुट थे। और इसी किसान एकता ने केंद्र सरकार को घुटने टेकने के लिये मजबूर कर दिया था। परन्तु उस समय भी कृषि क़ानून वापस लेने की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री मोदी यह कहने से चूके थे कि -% हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में, गांव, ग़रीब के हित में पूर्ण समर्पण भाव से, नेक नियत से ये क़ानून लेकर आई थी। लेकिन इतनी पवित्र बात, पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। शायद हमारी तपस्या में कमी रही। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध

कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। हमने कृषि क़ानूनों को वापस लेने का फ़ैसला किया卐 यह बात मोदी ने तब कही थी जब कि उस समय देश के अधिकांश छोटे बड़े किसान व उनके अधिकांश संगठन एकजुट थे। परन्तु याद कीजिये उस समय भी सरकार ने अपने समर्थन में कई ऐसे संगठनों के नाम बता दिए थे जिनका नाम पहले न तो कभी सुना गया न ही वे संगठन अस्तित्व में थे। यानी फ़र्ज़ी संगठनों को किसान संगठन बता कर किसानों में फूट डालने की कोशिश 2020-21 के किसान आंदोलन के समय भी की गयी थी।

परन्तु अब 13 फ़रवरी 24 से किसानों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन जिसे कि शुरू से ही संयुक्त किसान मोर्चा से पूर्व में जुड़े सभी किसान संगठनों का समर्थन हासिल नहीं है, वह सिर्फ़ इसी आपसी फूट के चलते लंबा खिंचता जा रहा है। यहाँ तक कि आमरण अनशन पर बैठे 80 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन भी संकट में पड़ गया है। उधर सरकार तमाशाई बनी बैठी है तथा किसानों की आपसी फूट को देखते हुये आंदोलन को तब तक खींचे रखना चाहती है जब तक किसान थक हार कर आंदोलन समाप्त न कर दें या इनमें और अधिक फूट न पड़ जाये। मगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का सरकार पर असर पड़े या न पड़े लेकिन किसान संगठनों के विपक्षी नेताओं पर इसका प्रभाव पड़ता ज़रूर दिखाई देने लगा है। जहां विभिन्न विपक्षी राजनैतिक दलों के नेता खनौरी स्थित डल्लेवाल के अनशन स्थल पर उनका स्वास्थ्य समाचार लेने बड़ी संख्या में पहुँचने लगे हैं वहीं संयुक्त किसान मोर्चा के विभिन्न धड़ों में भी हलचल तेज़ हो चुकी है। एस के एम के कई महत्वपूर्ण घटकों से किसान एकता के स्वर उठने शुरू हो चुके हैं।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण बयान किसान नेता राकेश टिकैत की ओर से आया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुये टिकैत ने कहा है कि-% किसान यदि अलग-अलग चलेंगे तो लुटेंगे। हमें एकजुट रहना होगा। 10 महीने पहले जब आंदोलन शुरू हुआ हमने सबको कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और सब इकट्ठा हो जाएं। दिल्ली की कॉल अलग-अलग मत दें। जब तक इकट्ठा नहीं होंगे तब तक दिल्ली से दूर रहना चाहिए। हमें जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिंता है। हम प्रदर्शनकारियों के साथ हैं।%% राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार को जल्द ही बात करनी चाहिए। बात सरकार को करना है, नफ़ा नुक़सान सरकार को देखना है। दिल्ली की तैयारी करनी है तो सभी लोगों को इकट्ठा होना होगा। सभी मोर्चे को इकट्ठा होकर बातचीत करनी चाहिए। ग़ौरतलब है कि धरने पर बैठे किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा को आंदोलन को सहयोग व समर्थन देने सम्बन्धी चिट्ठी भी लिखी है।

पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संगठन, व्यापक किसान एकता की बात ज़ोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमज़ोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी? फ़र्ज़ी किसान संगठनों को खड़ा करने से लेकर किसान आंदोलन को बदनाम करने तक के लिए, सरकार द्वारा कौन कौन से प्रोपेगण्डे नहीं किये गये ? इन्हें आन्दोलनजीवी,ख़ालिस्तानी,देशद्रोही न जाने क्या क्या कहा गया ? आंदोलन के चरित्र पर सवाल खड़े किये गये। परन्तु इन सब आरोपों के बावजूद सरकार को इन्हीं तथाकथित 卐आन्दोलनजीवी,ख़ालिस्तानी व देशद्रोही卐 किसानों की मांगों के आगे घुटने भी टेकने पड़े। और स्वयं प्रधानमंत्री को सामने आकर कृषि क़ानून वापस लेने की घोषणा करते समय किसानों को संबोधित करना पड़ा। इसका कारण केवल एक था और वह था संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चलने वाला ऐतिहासिक किसान आंदोलन। अब डल्लेवाल के अनशन व 18 दिसंबर को किसानों द्वारा पंजाब में आहूत रेल रोको आंदोलन के बाद ऐसा लगता है कि किसान संगठनों के एकजुट होने की क़वायद फिर से शुरू हो चुकी है।

- निर्मल रानी

श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का भारत दौरा, उस परंपरा का निर्वहन करते हुए उनकी पहली विदेश यात्रा भी है, भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों में निरंतरता को दिखाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में शामिल विभिन्न पहलू, साल 2023 में उनके पूर्ववर्ती रानिल विक्रमसिंघे के दौरे के बाद जारी संयुक्त बयान के जैसे ही थे। दिसानायके ने भरोसा दिलाया है कि श्रीलंका अपनी सरजमीन का इस्तेमाल ऐसे किसी रूप में नहीं होने देगा जो भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक हो। यूं तो यह कोलंबो के लंबे समय से चले आ रहे नजरिए का दोहराव लगता है। लेकिन यह इस धारणा के लिहाज से महत्वपूर्ण था कि दिसानायके की जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) एक वाम झुकाव वाली चीन-समर्थक पार्टी है। भारत ने उनके कथन को एक ऐसे कथन के रूप में देखा जिसका असर श्रीलंका जाने वाले चीनी जहाजों के लिए अनुमति पर पड़ सकता है। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे सरकार ने भारत की चिंताओं के बाद सभी 卐विदेशी अनुसंधान पोतों卐 पर एक साल की रोक लगायी थी जो अगले महीने खत्म हो रही है। पिछले लगभग 10 सालों में, चीनी जहाजों की बार-बार मौजूदगी द्विपक्षीय रिश्तों में मुख्य परेशानी बन गयी। यह देखना बाकी है कि श्रीलंकाई हुकूमत भारत की चिंताओं के प्रति कहां तक संवेदनशील रहेगी ड्ढ विक्रमसिंघे सरकार ने लगभग छह महीने पहले यह रुख अपनाया था कि वह 'सिर्फ चीन को नहीं रोक सकती'। जैसी कि उम्मीद थी, दोनों नेताओं के बयानों या संयुक्त बयान में अडानी समूह की परियोजनाओं की स्थिति का जिक्र नहीं हुआ। संयुक्त बयान में कृषि और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में श्रीलंका की मदद करने की भारत की प्रतिबद्धता की बात की गयी। कृषि पर एक संयुक्त कार्य समूह का प्रस्ताव स्वागतयोग्य घटनाक्रम है। प्रस्तावित आर्थिक और तकनीकी सहयोग समझौते का भी जिक्र था, जिस पर अब तक 14 दौर की बातचीत हो चुकी है। मत्स्य-क्षेत्र विवाद पर, दोनों पक्ष अपने घोषित नजरियों पर अटके लगते हैं, लेकिन कोलंबो को दोनों देशों के मछुआरा संघों के बीच जल्द बैठक की राह बनाने में मदद करनी चाहिए। और भी महत्वपूर्ण बात यह है कि संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में मोदी के बयान के अंग्रेजी संस्करण को देखने से एक महीन बदलाव नजर आता है। मोदी ने सुलह-सफाई, श्रीलंका द्वारा अपने संविधान को 卐पूरी तरह लागू करने卐 की प्रतिबद्धता निभाने और प्रांतीय परिषदों के चुनाव कराने की जरूरत जैसे मामलों का उल्लेख किया, लेकिन बयान में श्रीलंकाई संविधान में 13वें संशोधन का कोई जिक्र नहीं है जो प्रांतीय परिषदों के लिए स्वायत्तता की परिकल्पना करता है। साल 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के परिणामस्वरूप सामने आये इस संशोधन के खिलाफ जेवीपी ने एक विषाक्त अभियान चलाया था। चूंकि दिसानायके की अगुवाई वाले गठबंधन ने 14 नवंबर को हुए संसदीय चुनाव में देश भर में भारी जनादेश हासिल किया, वह बड़े आराम से भारत के संबंधों को नयी दिशा देने की स्थिति में हैं। यह दोनों देशों के लिए अपने मतभेदों को हल करने का मौका है।

सीने में दर्द, आँखों में जलन घुट रहा दिल्ली का दम

दिल्ली की आबोहवा में ताजे ऑक्सीजन के बजाय जहर घुलता जा रहा है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि मानसिक और सामाजिक जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हर साल ठंड के मौसम में दिल्ली का वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन जाता है। अक्टूबर से लेकर जनवरी तक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से वाहनों से निकलने वाली गैसों, निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल, किसानों द्वारा जलाए गए पराली, और औद्योगिक कारखानों से निकलने वाले धुएं के कारण होता है। इस प्रदूषण के कारण वायुमंडल में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कणों की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है जो सांस लेने में मुश्किल पैदा करते हैं और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषण का सबसे गंभीर असर शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। हर साल लाखों लोग प्रदूषण से संबंधित बीमारियों, जैसे अस्थमा, फेफड़ों के रोग, हृदय रोग और कैंसर का शिकार होते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में प्रदूषण से संबंधित रोगों की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा, प्रदूषण का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जिससे तनाव, घबराहट, और सिरदर्द जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

राजधानी दिल्ली और एनसीआर के तमाम हिस्सों में धुंध की चादर ने कई बरस पहले की दिवाली के दौर की यादों को ताजा कर दिया है। सभी इलाकों में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है क्योंकि प्रदूषण ने इस बार सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जिधर देखो वहां धुंध की चादर दिखाई दे रही है। आँखों से पानी आ रहा है तो खांसी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। लोगों को अपने काम पर जाने में दिक्कतें से दो चार होना पड़ रहा है वहीं यह प्रदूषण का खतरनाक स्तर बच्चों के लिए घातक है लिहाजा एक बार फिर से सभी स्कूल, विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए हैं। वैज्ञानिको का साफ़ मानना है कि दिल्ली की आबोहवा में इतना जहर घुल गया है कि अब यहाँ जीना मुश्किल होता जाएगा और जहरीले प्रदूषण की गिरफ्त आने वाला हर इंसान सांस , हार्ट की कई बीमारियों का शिकार हो जायेगा। अमेरिकी सैटेलाइट की तस्वीरों में भी उत्तर भारत के वायुमंडल में आग जनित धुंए की मौजूदगी को दर्शाया है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में हवा की गति थमने के कारण वायुमंडल में मौजूद प्रदूषक तत्वों पीएम 2.5 और पीएम 10 धुंध की शक्ल में जमा हो गये हैं जिसकी वजह से न सिर्फ हवा में घुटन बढ़ गयी है बल्कि यातायात सहित सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हुआ है 7 हवा की गुणवत्ता बताने वाला सूचकांक हर दिन गंभीर कुलांचे मार रहा है और वायु गुणवत्ता सूचकांक 900 तक को क्रॉस कर रहा है। स्थितियां दिनों दिन जटिल ही होती जा रही हैं।

हाल कितने बुरे हैं इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायु प्रदूषण मापने का जो पैमाना बनाया है पीएम 2.5 का स्तर प्रतिघन मीटर 10 माइक्रो ग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन दिल्ली के कई इलाकों में यह 400 माइक्रोग्राम क्यूबिक मीटर (एमजीसीएम) और पीएम 10 का स्तर 1000 एमजीसीएम रिकॉर्ड तक पहुंचने के कगार पर है जो कहीं न कहीं हमारे लिए खतरे की घंटी है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार राजधानी दिल्ली में पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है । कई स्थानों में पीएम 2.5 का स्तर सामान्य से 12 गुना अधिक तो पीएम 10 का स्तर सामान्य से 11 गुना अधिक पार कर गया ह । दिनों दिन दिल्ली के इलाकों में प्रदूषण के स्तर में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पीएम 2.5 हवा में किसी भी प्रकार के पदार्थ को जलाने से निकलने वाले धुंए से आता है। वाहनों के इंजन में पेट्रोल और डीजल के जलने से धुआं निकलता हैं, और इस धुंए में विभिन्न प्रकार के प्रदूषक होते हैं, जिनमें पी एम 2.5 भी एक होता है। लकड़ी, गोबर के उपले, कोयला, केरोसिन तथा कचरा जलाने, फैक्टरी, सिगरेट से निकलने वाले धुंए में पीएम 2.5 की तादात अत्यधिक होती हैं। पीएम 2.5 कई प्रकार से हमारे स्वास्थ्य पर असर डालते हैं। छींक, खांसी, आंखों, नाक, गले और फेफड़ों में होने वाली जलन का कारण पीएम 2.5 भी हो सकता हैं। लंबे समय तक पीएम 2.5 की अधिकता वाली प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा, फेफड़ों तथा हृदय संबंधी बीमारी होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है और यही बीमारियां बाद में मौत का कारण बनती है। पीएम 2.5 से होने वाली बीमारी का खतरा बूढ़े और बच्चों में अत्यधिक होती है।

भारत में शहरों में रहने वालों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं। वाहनों, फैक्टरी तथा कचरा जलाने से निकलने वाला धुआँ शहरों में पीएम 2.5 का मुख्य स्त्रोत होता है। आज विश्व के 20 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में भारत के 10 से अधिक शहर आते हैं। देश के ज्यादातर शहरों में पीएम 2.5 का स्तर सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानको से कहीं अधिक है। पीएम 2.5 हमारी आसपास की हवा में घुला एक ऐसा अदृश्य जहर है, जो प्रतिवर्ष विश्व के लगभग 80 लाख लोगो की मौत का कारण बनता है। हिंदुस्तान में हर वर्ष लगभग 800000 लोग सिर्फ पीएम 2.5 से होने वाली बीमारियों के कारण मारे जाते हैं। देश मे सबसे ज्यादा मौते सांस और हाई ब्लड प्रेशर के कारण होती हैं। घर के अंदर खाना पकाने के लिए लकड़ियों , गोबर के उपलें। केरोसिन से निकलने वाले धुंए से उत्पन्न पीएम 2.5 मौत दूसरा सबसे बड़ा कारण हैं। सिगरेट पीना और खाने मे पोषक तत्वों की कमी देश मे होने वाली मौतों का तीसरा व चौथा सबसे बढ़ा कारण हैं। पाँचवा बढ़ा कारण बाहर की हवा में उपस्थित पीएम 2.5 हैं जो गाड़ियों, फैक्टरी और कचरा जलाने से निकलने वाले धुंए से आता हैं।

दशकों से यह बात देखने में आ रही है कि दिल्ली की आबोहवा की फ़िक्र सरकारों और नीति नियंताओं को नहीं है । प्रदूषण को लेकर आज एक जनांदोलन की ज़रूरत है जिसकी शुरुआत आम आदमी से होनी चाहिए। दिल्ली में डीजल से चलने वाले वाहनों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है । सार्वजनिक परिवहन यहाँ पर दूर की गोटी है। साल दर साल वाहनों की संख्या यहाँ पर बढ़ती जा रही है। एक खास बात यह है आज के समय में कहें हमारे देश में स्टेटस सिंबल की तरह हो गई हैं 7 एक परिवार में अगर 5 सदस्य हैं तो सबके अपने अपने वाहन हैं जिससे वो आते जाते हैं । निजी वाहनों की संख्या यहाँ 1.5 करोड़ से भी ज्यादा हो चली है जो दिल्ली की साँसों में जहर घोल रही है। कई साल पुराने डीजल से चलने वाले वाहन दिल्ली की फिजा में फर्राटा भर रहे हैं जो सबसे अधिक प्रदूषण का कहर बरपा रहे हैं। चाइना और जापान जैसे देशों में पीएम 2.5 अगर सामान्य स्तर को पार कर जाता है तो वहां की सरकारें जनता के स्वास्थ्य के प्रति संजीदा हो जाती हैं और कड़े फैसले लेती हैं । चीन में कार्बन उत्सर्जन का मुख्य कारक कोयला रहा इसलिए उसने कोयले के इस्तेमाल में कटौती करने का लक्ष्य रखा और उसने बीते एक साल में ही यह निर्भरता काफी कम कर दी है। चीन में अब ऊर्जा की जरूरतों को बिजली और गैर-जीवाश्म ईंधनों से पूरा करने की कोशिश की जा रही है। चीन में हैवी इंडस्ट्री को बंद किया जा रहा है जो कोयले पर आधारित हैं साथ ही चीन कोयला मुक्त होने की राह पर खड़ा है। चीनी सरकार ने जब यह देखा कि बीजिंग और उसके बाकी बड़े शहरों का दम घुटने लगा है तो उसने ऑनलाइन एयर रिपोर्टिंग की व्यवस्था शुरू की। चीन में अब 1500 साइट्स से पल्यूशन के रियल टाइम आंकड़े हर घंटे जारी किए जाते हैं। चीनी सरकार भी नियमित तौर पर शहरों की एयर क्वॉलिटी की रैंकिंग जारी करती है साथ ही लोगों को भी समय-समय पर ये डाटा चेक करते रहने की सलाह जारी की जाती है। 2015 में चीन में पर्यावरण प्रोटेक्शन कानून सख्ती से लागू हैं। चीन में ये कानून अब इतना कड़ा है कि प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों पर जुर्माने करने की कोई सीमा नहीं रखी गई है। कई बड़ी कंपनियों पर जुर्माना भी लगाया गया है। गैर-लाभकारी संगठन प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ जनहित मुकदमे दायर कर सकते हैं। स्थानीय सरकारों पर भी इन कानूनों को सख्ती से लागू कराने का दायित्व है।

चीन ने ऐसी सभी गाड़ियों को सड़क से बाहर कर दिया है जो साल 2005 तक रजिस्टर्ड हुई हैं। जापान में भी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत किया गया है तो अटलांटा में प्रदूषण का स्तर बढ़ते ही एक खास तरह का अलार्म बजता है जिसके बाद लोग तत्काल अपने वाहन खड़े कर देते हैं। वह सभी वाहन दुबारा तभी चलते हैं जब प्रदूषण का स्तर तयशुदा मानकों के मुताबिक हो जाए ।ये सभी देश ट्रैफिक जाम से पूरी तरह से मुक्त हैं और क्लोरो फ्लूरो कार्बन का उत्सर्जन कम करने में अपना जोर लगा रहे हैं जबकि हमारे देश की बात करें तो यहाँ सरकारों का पूरा जोर इवन आड लागू करने में रहता है और सरकार तब सक्रिय होती है जब कोर्ट से फटकार पड़ती है। प्रदूषण से लड़ने की इच्छा शक्ति तो हमारे देश में है ही नहीं ।

चीन सरकार ने आने वाले 5 सालों में पेइचिंग, शंघाई और बीजिंग जैस शहरों में गाड़ियों की संख्या को निश्चित कर बड़ी कटौती करने की योजना बनाई हुई है लेकिन भारत में क्या होता है यह हम सब जानते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें आपसी कलह में उलझी रहती हैं और हर बरस अदालती फटकार का इंतजार करती हैं। पटाखे फूटने चाहिए या नहीं ? इवन आड लागू हो की नहीं, इसमें भी अदालतों के आदेश का इन्तजार हमें करना पड़ता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल समय-समय पर प्रदूषण की हालत को लेकर बीते कई बरसों में चिन्ता प्रकट करता रहता है लेकिन इसके नियंत्रण को लेकर एनजीटी के आदेश को दिल्ली और देश के दूसरे राज्य टाल-मटोल रवैया अपनाते हैं जिससे प्रदूषण की समस्या का समाधान दूर की कौड़ी बनता जाता है ।

असल में अंधाधुंध विकास को लेकर हमने बीते कई बरसों में बहुत तेजी दिखाई है दिल्ली में बड़े बड़े फ्लाईओवर बनाये गए हैं तो मालों का नया कल्चर देखने में आया है। फैक्ट्रियां शहरी आबादी वाले इलाकों में जहर घोलने का काम कर रही हैं। दिल्ली की सीमा में हर राज्य के भारी वाहन और ट्रक सामान ढो रहे हैं जिनसे कई गुना प्रदूषण हर दिन बढ़ रहा है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा सरीखे शहर भी आज सुरक्षित नहीं हैं। यहाँ पर प्रदूषण का लेवल सबसे अधिक हो चला है। ये बात किसी से छुपी नहीं है बीते कई दशको में यहाँ विकास ने कुलांचे सबसे अधिक मारे हैं और जमीनों का अधिग्रहण सबसे अधिक यही हुआ है और चमचमाते विकास ने यहीं सबसे तेज फर्राटा भरा है। हरियाली खत्म हो चली है तो कंक्रीट का जंगल यहीं बना है। दिल्ली में तो रियल स्टेट का धंधा ऐसा चला है कि हर सोसायटी में छोटे - बड़े ब्रोकरों की बाढ़ आ गई और बिल्डर और राजनेताओं के नेक्सस ने ऐसी लूट मचाई कि पर्यावरण की तो मानो धज्जियाँ ही उड़ गई । चार्वाक दर्शन की तरह महानगर भी अब खाओ पियो और मौज करो में यकीन रख रहे हैं । रही सही कसर उन उद्योगों ने पूरी कर दी है जिनसे निकलने वाले कचरे ने आम आदमी के सामने बीमारियों की बाढ़ लगा दी है ।

हाल के समय में दिल्ली एनसीआर की आबोहवा खराब होने के पीछे कारण यही बताया यही जा रहा है कि यह सब पटाखों के शोर और हरियाणा, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों में किसानों के पराली जलाने के चलते हुआ है। यह सबको पता है कि पटाखों के शोर से वायुमंडल प्रदूषित होता है तो कोर्ट के आदेश के बाद भी लोगों ने पटाखे छुड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, साथ ही दिल्ली के पड़ोसी राज्यों को ऐसा कुछ करना था जिससे पराली के जलाने पर सख्ती लग सके। हमारी सबसे बड़ी कमी यही है जब पानी सर से ऊपर बहता है तब हम जागते हैं। सड़कों पर वाहनों के बोझ को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने आज तक कुछ ऐसा नहीं किया जिससे प्रदूषण कम हो सके। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल अपने कार्यकाल में यमुना साफ़ करने के और दिल्ली को लन्दन, पेरिस बनाने की सिर्फ जुमलेबाजी ही की और प्रदूषण रोकने के नाम पर सिर्फ विज्ञापन दिए। अगर धरातल पर थोड़ी भी इच्छाशक्ति दिखाई होती तो दिल्ली की सूरत इतनी बदहाल नहीं होती। रात में दिल्ली की सीमा में घुसने वाले ट्रकों के कारण दिल्ली की आबोहवा सबसे अधिक जहरीली हो जाती है। रात में प्रदूषण का स्तर दिन के स्तर से कई गुना ज्यादा हो जाता है अगर उन्होंने सच में कोई काम किया होता। दिल्ली के प्रदूषण रोकने के लिए सरकार ऑड -ईवन योजना भी उतनी कारगर नहीं रही जितना आम आदमी पार्टी ने इसे प्रचारित कर दुनिया में लोकप्रियता बटोरी। ऑड -ईवन के बजाये दिल्ली सरकार को सार्वजनिक परिवहन दुरुस्त करने पर जोर देना चाहिए था जो नहीं किया गया। डीजल के वाहनों पर रोक लगनी भी जरूरी है साथ ही मेट्रो के फेरे बढ़ाने और किराया घटाए जाने की जरूरत है जिससे आम आदमी भी सुरक्षित सफर कर सके ।

यूरोप में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिये मुफ्त सेवाएँ मुहैया कराई जा रही हैं। भारत को भी इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हैरत की बात यह है कि प्रदूषण को लेकर सरकारों को कोर्ट ने बीते कई बरसों से आगाह किया है लेकिन इसके बाद भी उनसे हालात नहीं सँभलते। वायु प्रदूषण से जुड़ी विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अधिक 20 प्रदूषित शहरों में 13 शहर भारत के है जिनमे दिल्ली के साथ इलाहाबाद , पटना ,कानपुर सरीखे शहर भी शामिल है जहाँ हाल के बरसों में चमचमाती अट्टालिकाओं को विकास का अत्याधुनिक पैमाना मान लिया गया है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 30 करोड़ बच्चे यानि 7 में एक बच्चा सांस लेने की बीमारी से ग्रस्त है। अब तक पांच साल से कम उम्र के तकरीबन 63 करोड़ बच्चों की मौत वायु प्रदूषण से हो चुकी है जिनमें से अधिकतर मामले उत्तर भारतीयों से जुड़े पाए गये हैं । राजधानी दिल्ली में हुआ एक सर्वे बताता है कि दिल्ली में हर तीसरे व्यक्ति का फेफड़ा खराब हो चुका है । चिंता की बात है कि भारत में वायु प्रदूषण आज मौत का बड़ा कारण भी बन गया है।

दरअसल हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं और हमने अभी भी नहीं चेते तो हमारा भविष्य भयावह होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी किये गए आकड़ों के मुताबिक प्रदूषण के कारण भारत में 1.4 मिलियन लोगों की असामयिक मृत्यु हो रही है। यानी हर 23 सेकंड में वायु प्रदूषण के कारण एक जान चली जाती है। जिस ईंधन का प्रयोग आज हम करते हैं, वह भी वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। फ़िलहाल प्राकृतिक गैस जैसे स्वच्छ ईंधन प्रदूषण कम करने का एकमात्र विकल्प है। जिन ईंधनों का प्रयोग आज हम करते हैं वह वातावरण में भारी मात्रा में कार्बन डाइआक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड का उत्सर्जन करते हैं जो हवा को बुरी तरह से प्रदूषित करते हैं। हम ईंधनों के प्रयोग को बंद नहीं कर सकते क्योंकि उद्योगों का एक बड़ा हिस्सा इन पर ही चल रहा है लेकिन हम निश्चित तौर पर उनके प्रयोग को बदलकर हम जीवाश्म ईंधन की दिशा मजबूती के साथ बढ़ सकते हैं जो काफी सस्ता है और फेफड़ों के लिए भी नुकसानदेह नहीं हैं। यदि प्रदूषण को यहीं पर नहीं रोका गया तो राजधानी दिल्ली की तरह कई शहरों का हाल बुरा होगा। अमेरिकी सेटेलाइट द्वारा हाल में जारी तस्वीरें भी अब सोशल मीडिया पर दिल्ली में प्रदूषण की पोल खोल रही है ।

दिल्ली की हवा में जहर कैसे कम हो आज काम इस पर जरूरत है। आज देश में लाखों की संख्या में कारें प्रतिमाह बिक रही हैं । हर घर में वाहनों का रेला देखा जा सकता है। सरकारों को आज सार्वजनिक परिवहन को दुरुस्त करने की जरूरत है। दिल्ली एनसीआर की बात करें तो यहाँ पर सरकार को डीजल से चलने वाली गाड़ियों और ट्रकों पर अंकुश लगाने की दिशा में बढ़ना चाहिए। उद्योगों के साथ बढ़ी प्रदूषण की वजह यही है। लोगों को अपने वाहनों के सुख के बजाय मेट्रो या फिर सीएनजी बसों का प्रयोग करने पर जोर देना चाहिए। सरकारों को चाहिए राजधानी की सड़कों पर वह वाहनों के भारी बोझ को कम करने की दिशा में कोई कठोर एक्शन प्लान बनाएं। अगर अनियंत्रित वाहनों की रफ़्तार उसने थाम ली तो ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल जायेगी और प्रदूषण के खिलाफ यह पहला कदम होगा जिसमे जनभागीदारी की मिसाल देखने को मिलेगी। अकेले कोई सरकार प्रदूषण पर काबू नहीं पा सकती। इसके लिए सरकार के साथ-साथ लोगों को भी सामने आगे आना होगा। पर्यावरण को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते क्योंकि मानव जीवन की बुनियाद पर्यावरण पर ही टिकी है । अगर प्रकृति की अनदेखी होती रही तो मानव सभ्यता का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। मौजूदा दौर में दिल्ली में प्रदूषण की समस्या गहरी है और इसके स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक और समग्र प्रयासों की आवश्यकता जरूरी है ।

- हर्षवर्धन पाण्डे

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। कमजोर लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चना आंशिक सुस्त पड़ा। उड़द व मूंग में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में कमजोर माँग के चलते बाजार सुस्ती पर रहे। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में भाव बने रहे। उधर, किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। शक्कर व खोपरा गोला सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे :-

किराना - शक्कर 3710-3750, खोपरा गोला 165-210, खोपरा बूरा 3400-5600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 292-305, ऊंझा हल्का 292-300, मीडियम 308-316, बेस्ट 325-335, हल्दी निजामाबाद 200-220, सांगली 270-280, साबूदाना हल्का 4900-5050, मीडियम 5100-5200, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 110-120, मीडियम 190-250, बेस्ट 285-310, सौंफ बार?िक 200-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 675-680, गरबल 655-658, मटरदाना 715-730, खसखस अनक्लीन 825-875, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बेस्ट 750-760, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1800-1900, नाग केसर 925-950, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 750-780, बेस्ट 780-820, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2350-2450, मीडियम 2750-2950, बोल्ड 3100-3200, एक्ट्रा बोल्ड 3225-3250, पानबार 2250, बड़ी इलायची 1425-1475, बेस्ट 1550-1675, तरबूज मगज 390-400, बेस्ट 575-625, काजू (240) 1050, काजू (320) 925-950, काजू एस. डब्ल्यू 900, जे.एच. 890-900, टुकड़ी 840-850, बादाम मगज 750-800, सिंगापुरी 650-790, टांच 500-575, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1025-1500, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4600 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2150-2200, (160) 2350-2400, (200) 2500-2550, (250) 2650-2700

तेल - सींगदाना 1460-1480, मुम्बई 1480, राजकोट तेलिया 2280-2290, सोया साल्वेंट 1175-1185, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1190, धूलिया 1195, कड़ी 1200,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1400, मुम्बई पाम 1345, मुम्बई सोया 1270,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1800, देवास-उज्जैन 1800, खंडवा-बुरहानपुर 1775, अकोला 2690 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसो 5900-5950, एवरेज 5700-5800, रायडा 5700-5800, सोयाबीन 4150-4200, टोली (महुआ बीज) 4300-4350, करंज 4250-4300, अलसी 7500-7600,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 6800-6825, एवरेज 6500-6600, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 8000-8100, पाला 8100-8200, चमकी 8200-8300, नायलोन 8400-8500, नई तुअर 7000-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8700-8800, हल्की 8300-8500, तुअर महाराष्ट्र 9400-9600, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8600-8650, शंकर 8300-8400, हल्की 8000-8100,

दाल - चना दाल एवरेज 8200-8300, मीडियम 8400-8500, बोल्ड 8600-8700, तुअर दाल सवा नं. 13200-13300, तुअर दाल फूल 14300-14400, तुअर दाल बोल्ड 15100-15200, मसूर दाल एवरेज 7500-7600, बेस्ट 7700-7900, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9300-9500, मूंग मोगर 9800-9900, बोल्ड 10000-10100, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2875-2900, लोकवन 3100-3150, (147) 2900-3000, एवरेज 2700-2800, मालवराज 2975-3000, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3400-4000, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2375-2400,

चावल - चावल हंसा सफेद 2800-3000, सेला 3400-3600, परमल 3200-3400, दुबराज 4500-5000, राजभोग 7000-7500, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-9000, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-7000, तिबार 9500-10500, बासमती (921) 11000-12000, बासमती सेला 7000-9500, पोहा 4700-5100,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 250 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार -

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 91500, चाँदी (99) 91400, टंच 90800, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 78900,

डॉलर के मुकाबले एक पैसा गिरकर बंद हुआ रुपया

मुंबई । रुपया बुधवार को एक पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.91 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आयातकों तथा

विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग और घरेलू बाजारों में सुस्त रुख ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 84.92 पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया मंगलवार को 84.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपका कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसमें आपको जीत मिलेगी। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई को लेकर कोई लापरवाही न दिखाए, नहीं तो आगे चलकर उन्हें अपने करियर में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। आपको अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए मेडिटेशन का सहारा लेना होगा, तभी आप स्वस्थ रह सकेंगे। मार्केटिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने कामों पर पूरा ध्यान दें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने के कारण समस्या हो सकती है। नौकरी में कुछ उतार चढ़ाव रहने के कारण समस्या आएंगी। आपका डूबा हुआ धन मिलने से खुशी होगी। भाई व बहनों से रिश्तो में चल रही अनबन दूर होगी और मधुरता बनी रहेगी। आपके सभी कार्य समय से पूरे होंगे, जिससे आपको खुशी होगी। आपको किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आप अपने भविष्य को लेकर कोई योजना बना सकते हैं। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का पूरा सम्मान करना होगा। आपको अपनी जरूरत की आवश्यकताओं पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। कारोबार में आप भविष्य को लेकर कोई बड़ा प्लान कर सकते हैं। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा, तभी उन्हें सफलता मिल सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके मित्र आपके लिए कोई इंवेस्टमेंट संबंधी प्लान लेकर आ सकते हैं। आपको किसी बात को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आपको अत्यधिक तले भुने भोजन से परहेज रखने की आवश्यकता है, नहीं तो पेट संबंधित समस्याएं बढ़ेंगी, कोई नया काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आप अपने घर की साफ-सफाई व रखरखाव पर पूरा ध्यान देंगे। आपको कुछ कर्ज लेने से बचना होगा, नहीं तो उसे उतारने में समस्या आएंगी। प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। उच्च अधिकारियों से मिलकर आपके संबंध बेहतर रहेंगे। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर कोई मुश्किल आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे आना होगा। धार्मिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपको अपने खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए मान व प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। किसी कानूनी मामले में आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से मिलकर आपकी कुछ समस्याएं आसानी से हल होंगी। आप जीवनसाथी को लेकर कहीं शॉपिंग कर जा सकते हैं। आपको बिजनेस में धन संबंधित योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके सहयोगी कामों में पूरा साथ देंगे। सहयोगी कामों में आपका पूरा साथ देंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने किसी लक्ष्य को आसानी से पूरा करने में मदद मिलेगी। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, तभी उन्हें किसी परीक्षा में जीत मिलेगी। आपको किसी पुरस्कार के मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है।

धनु - आज का दिन आपको अपने दिनचर्या पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप कुछ सामाजिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। आपके मन में किसी बात को लेकर टेंशन बनी रहेगी। आपका आत्मविश्वास बेहतर रहेगा। आपकी अपने किसी नजदीकी से कहा सुनी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ तालमेल बनकर चलने की आवश्यकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सुझ बुझ दिखाकर कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको धैर्य व साहस से काम लेने की आवश्यकता है। यदि आपने जल्दबाजी दिखाई, तो उनमें कोई गड़बड़ी अवश्य होगी। यदि आपको किसी बात को लेकर संशय बना हुआ है, तो आप उसे काम को बिल्कुल न करें, नहीं तो उसके पूरा होने में समस्या हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी निर्णय को सोच समझ कर लेने के लिए रहेगा। आपको कुछ अनुभवी व्यक्तियों का पूरा साथ मिलेगा। व्यवसाय में आप किसी नई डील को फाइनल करने के लिए सोच विचार कर सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी, जो आपका पारिवारिक बिजनेस को आगे ले जाने में आपकी मदद करेगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप किसी की मदद के लिए भी आगे आएंगे, जिनके लिए कुछ रुपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आप किसी काम को लेकर अपने मन में नकारात्मक विचार न रखें, नहीं तो उसके पूरा होने में समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।

शब्दजाल - 7754

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर, कमजोर, कलयुग, कलंक, कलश, कलाई, करामात, करतूत, कर्म, कमर

शब्दजाल - 7753 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6698

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6697

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8222

बाएँ से दाएँ

1. वटवृक्ष, बट-4
4. मितव्यय, बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8. भाड़-3
9. मृत्यु होना-3
11. खुशी, सहमत-2
13. अक्लमंद, समझ वाला-5
15. बलिदान, उत्सर्ग-2
16. जबान, जीभ, जिह्वा-3
18. गिरोह, मंडली, समूह-3
19. अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20. फूलना-फलना-4
22. अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1. कलंकित, निंदित, लांछित-3
2. दुख, शोक, अफसोस-2
3. ख्यात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4. मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5. संस्कृति, सभ्यता-4
7. स्पर्श, छूना-3
10. ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12. वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14. परंपरा, नियम, चाल -3
17. ख्याति, जाना-पहचाना-3
18. माला आदि फैराना-3
21. जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8221 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	धनु	06.21 बजे से
चंद्र	कर्क में	मकर	08.30 बजे से
मंगल	कर्क में	कुंभ	10.16 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	11.49 बजे से
गुरु	वृष में	मेष	13.20 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.00 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	16.58 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	19.11 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	21.28 बजे से
		कन्या	23.39 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		तुला	01.50 बजे से
		वृश्चिक	04.05 ब.से

गुरुवार 2024 वर्ष का 354 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 10.03 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 02.00 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 18.34 बजे को समाप्त। **करण** बालव 10.03 बजे तदनन्तर कौलव 22.20 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872198 **जूलियन दिन** 2460663.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: आदर्श की राह

महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय जी की सुपुत्री पार्वती विधवा हो गई। वह लाला जी के साथ ही रहती थी । कुछ दिनों के बाद पार्वती के इकलौते बेटे भारत भूषण की सगाई हुई। लड़की के माता-पिता ने इस शुभ अवसर पर लाला जी और पार्वती को एक-एक सौ रुपये दिए। वर्षों बाद उनकी बेटी के जीवन में आनंद की घड़ी आई थी और घर में कोई उत्सव हो रहा था। लाला जी बेटी का उत्साह कम नहीं करना चाहते थे सो वह मना नहीं कर सके। लेकिन उस रात वह उदास रहे। वह सगाई पर एक रुपये से अधिक लेना आडंबर मानते थे। उन्हें लगा कि उनकी कथनी-करनी में समानता नहीं है। व्याकुल लाला जी ने दो-तीन दिनों के बाद अपनी पुत्री से पूछा, 'लड़की वाले तुम्हें सौ रुपये दे गए थे, उसका तुमने क्या किया?' इस पर उसने पलटकर सवाल किया,' पिता जी आपको भी तो मिले थे, आप ने उन रुपयों का क्या किया?' कुछ देर तक 'पहले आप, पहले आप' होता रहा। पार्वती ने कहा, 'मैंने वे रुपये आर्य अनाथालय, फिरोजपुर भिजवा दिए हैं। अनाथ भारत भूषण का विवाह होने जा रहा है न।' यह सुन कर लाला जी गदगद हो गए। उन्होंने कहा, 'तुम धन्य हो, मेरी लाड़ली बेटी। मैंने अपना एक सौ रुपया आर्य विधवा आश्रम को दे दिया है। मेरी पुत्री जो अब तक अधूरी थी, अब उस के प्यारे पुत्र भारत भूषण का विवाह होने वाला है। ईश्वर सब की पुत्रियों पर सुख की वर्षा करे। सभी विधवाओं के कष्टों का निवारण हो।'

सूडोकु नवताल- 7007

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

सूडोकु नवताल -7006 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार और कमजोर हुआ

सेंसेक्स 500 अंक गिरा, निफ्टी 24200 से नीचे आया

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के तीसरे कारेबारी दिन सेंसेक्स 502.25 अंक टूटकर 80,182.20 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 137.16 अंक फिसलकर 24,198.85 पर पहुंच गया। अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों पर फैसला आने के पहले बाजार में जमकर बिकवाली दिखी। एनएमडीसी के शेयरों में 6 प्रतिशत जबकि टाटा मोटर्स के शेयरों में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी फंडों की निकासी के बीच निवेशकों की ओर से यूटिलिटी, कैपिटल गुड्स और मेटल शेयरों की बिकवाली के कारण बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट देखी गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 502.25 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 80,182.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 634.38 अंक या 0.78 प्रतिशत गिरकर 80,050.07 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 137.15 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,198.85 पर आ गया।

भारती एयरटेल, जम्मू-कश्मीर में मोबाइल सेवाओं की पहली निजी कंपनी बनी

नई दिल्ली। भारती एयरटेल जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में मोबाइल सेवाएं शुरू करने वाली पहली निजी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा ?कि उसने कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में 15 मोबाइल टावर स्थापित किए हैं। इससे स्थानीय लोगों को फायदा मिलेगा और नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों को आवश्यक संचार सुविधा मिलेगी। इसमें कहा गया है ?कि भारती एयरटेल ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों के गांवों में संपर्क स्थापित करने के लिए भारतीय सेना के साथ साझेदारी की है। एयरटेल ने सैन्य ठिकानों के दूरदराज क्षेत्रों में नेटवर्क सेवाओं में सुधार तथा संपर्क बढ़ाने के लिए भारतीय सेना के साथ सहयोग किया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि जून 2025 तक देश के सभी दूरदराज क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधाएं पहुंच जाएंगी।

झारखंड सरकार ने कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

कानूनी प्रक्रिया शुरू करने से पहले अधिसूचना जारी की गई थी

रांची। झारखंड सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का पहला कदम राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को अधिकृत करने वाले अधिसूचना की जारी करना था। पिछले महीने झारखंड की नई सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की थी। उसके बाद एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। केन्द्रीय कोयला राज्यमंत्री ने कहा था कि झारखंड का केंद से कोई बकाया नहीं है, लेकिन झामुमो के महासचिव ने इसका खंडन किया और कहा कि अगर कोयले की रॉयल्टी 15 दिनों के अंदर नहीं दी जाती है तो राज्य से कोयला नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कोयला कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कोयला ढुलाई बंद कर दी जाएगी।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर देश में अब टैक्स लगेगा

जयपुर। जोधपुर के आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर टैक्स को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला किया है, जिससे देश में क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगने वाला है। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा और इससे मुनाफे पर टैक्स किस प्रकार लगाया जाएगा, यह स्पष्ट हो गया है। इस निर्णय के मुताबिक क्रिप्टोकरेंसी से होने वाला मुनाफा हाई इनकम टैक्स स्लैब के बजाय कैपिटल गेन टैक्स माना जाएगा। यह फैसला ऐसे निवेशकों के लिए बड़ा समाचार है जो क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करते हैं। उन्हें अब लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की केटेगरी में ही टैक्स की दरें चुकानी होंगी, जिससे उन्हें कम टैक्स देने होंगे। इस निर्णय ने निवेशकों को स्पष्टता दी है कि क्रिप्टोकरेंसी में विशिष्ट नियम पेश करने से पहले हुए ट्रांसक्शन्स को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में समझा जा सकता है।

भारतीय रीट एसोसिएशन ने आलोक अग्रवाल को नया चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। भारतीय रीट एसोसिएशन (आईआरए) ने ब्रूकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी आलोक अग्रवाल को नए चेयरमैन के रूप में चुना है। आईआरए जिसने 2023 में अपने कार्य की शुरुआत की थी, एक गैर-लाभकारी व्यावसायिक संगठन है जो भारतीय रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) के क्षेत्र में विकास का समर्थन करता है। आलोक अग्रवाल की नियुक्ति पर आईआरए ने बयान जारी किया, अग्रवाल के रीट में व्यापक अनुभव होने से हमें फायदा होगा।

ठेकेदार एवं उपमंत्री से परेशान वार्डवासी एवं पार्षद आक्रोश रैली निकालकर पहुंचे नगर परिषद

नाली निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण नहीं हुआ तो किया जाएगा आंदोलन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद में एक बार फिर विकास कार्यों में लेट लतीफी एवं गुणवत्ता का मुद्दा सामने आया है लांजी नगर परिषद अंतर्गत वार्ड नंबर 3 से कांग्रेस पार्षद श्रीमती पूनम आसटकर ने अपने वार्ड वासियों के साथ 18 दिसंबर को सेंट्रल बैंक के पीछे से रैली निकाल कर नगर परिषद के उपयंत्री अमित नगपुरे के खिलाफ आक्रोश रैली लेकर सीधा नगर परिषद पहुंची जहां पार्षद श्रीमती पूनम आसटकर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 3 में नाली निर्माण किया जा रहा है उसके ठेकेदार से उपयंत्री की मिली भगत से निर्माण कार्यों में लेट लतीफी हो रही है नालियों का गंदा पानी जमा हो रहा है तथा गंदा पानी जमा होने से वार्ड में गंदगी बदबू एवं मच्छरों के पनपने से संक्रामक बीमारी फैलने का डर बना हुआ है वार्ड वासी के द्वारा निराकरण हेतु मुझे कहा जाता है। जिसको लेकर मेरे द्वारा उपयंत्री अमित नगपुरे एवं ठेकेदार को बार-बार नाली निर्माण के कार्य को पूर्ण करने के लिए कहा जाता है किंतु ठेकेदार एवं उपन्यत्री के द्वारा नाली निर्माण पूर्ण करने में कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे स्थानीय वासियों में आक्रोश का माहौल फैल रहा है तथा नगर परिषद के निष्क्रियता से नगर में गंदगी फैल रही है जिसके कारण मेरे छवि पर असर पड़ रहा है वहीं श्रीमती पूनम आसटकर ने

नगर परिषद सीएमओ श्री लिल्हारे से गुहार लगाई है कि उक्त नाली निर्माण के ठेकेदार एवं उपन्यत्री की जिम्मेदारी तय करते हुए निर्माण कार्य को तत्काल पूर्ण कराया जावे अन्यथा मेरे द्वारा वार्ड वासियों के साथ नगर परिषद कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसके जवाबदारी स्वयं शासन प्रशासन की होगी।

इंजीनियर नगपुरे अपना दायित्व निभाये, अधुरे निर्माण से हो रही परेशानी- पूनम आसटकर

पार्षद श्रीमती पूनम आसटकर ने कहा कि नगर परिषद इंजीनियर अमित नगपुरे के द्वारा नगर के वार्डों में हो रहे नाली निर्माण कार्यों को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है मेरे वार्ड नंबर 3 में सेंट्रल बैंक के पीछे अधूरी पड़ी नाली जिससे नगर में गंदगी बजबजा रही है और गंदगी होने से वार्ड में संक्रमण फैलने का भी डर बना हुआ है यह कार्य कई महीनो से अधूरा पड़ा हुआ है जिसको लेकर इंजीनियर अमित नगपुरे को मेरे द्वारा जानकारी दी गई तो उनके द्वारा ठेकेदार के नहीं होने का हवाला दिया जाता है। इंजीनियर अमित नगपुरे अपने दायित्व को समझे और अतिशिघ्र नाली निर्माण पूर्ण करवाये और यदि समय रहते ठेकेदार निर्माण कार्य नही कर रहा है तो नियमानुसार ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही की जाये तथा निर्माण कार्य पूर्ण करने का दुसरा कोई विकज्ल्प बनाये लेकिन निर्माण कार्य अतिशिघ्र पूर्ण होना चाहिये।

इनका कहना है

जिस कार्य की समस्या को लेकर वार्ड नंबर 3 की पार्षद एवं वार्ड वासी पहुंचे हैं दरअसल उस कार्य का रुकने का मुख्य उद्देश्य यह है कि इस वार्ड के निवासी के द्वारा न्यायालय में वाद दायर किया था अभी उस वाद का निराकरण हुआ है। निर्माण रुक जाने के कारण जो वहां पर पानी जमा होने की वजह से गंदगी फैली थी और बदबूदार वातावरण होने के संबंध में मच्छर बढ़ाने के संबंध में हमारे वार्ड नंबर 3 की महिला पार्षद अपने वार्ड वासियों को लेकर पहुंची है जिसको देखते हुए मेरे द्वारा इस वार्ड में रुके हुए कार्य को देखा जाएगा। और इंजीनियर के संबंध में भी इनके द्वारा शिकायत की गई है की इंजीनियर के द्वारा कार्यों में ध्यान नहीं दिया जा रहा है उस कार्य को अपने विभागीय उपन्यत्री के साथ निरीक्षण कर तुरंत उस कार्य का निराकरण किया जाएगा।

बी,एल लिल्हारे
सीएमओ नगर परिषद लांजी

मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना अन्तर्गत पौसेरा में लगाया शिविर

12 आवेदनों का किया गया निराकरण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश में सरकार के गठन के 1 वर्ष पूर्ण होने पर 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक जनकल्याण अभियान और जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के युवा, नारी, किसान तथा गरीब वर्ग के कल्याण एवं विकास के लिए दृ ? संकल्पित होकर कार्य करना है एवं उनके हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित करना है। इसमें 34 हितग्राही मूलक, 11 लक्ष्य आधारित और 63 अन्य सेवाओं को आम नागरिकों तक सहज रूप से पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान अंतर्गत संचालित गतिविधियों की सीएम हेल्पलाइन डेशबोर्ड पर मॉनीटरिंग की जायेगी, जिसे मुख्यमंत्री, कलेक्टर एवं विभाग के अधिकारी भी देख सकेंगे। राजस्व संबंधी मामलों के निराकरण के लिये संचालित राजस्व महाअभियान-3 की अवधि 26 जनवरी, 2025 तक के लिये बढ़ाई गई है। शिविर लगाकर आमजन की समस्याओं का निराकरण और पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी के तहत 18 दिसम्बर को ग्राम पंचायत पौसेरा में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति उमरे के मुख्यातिथ्य में एवं जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती तुकाराम बारेकर के विशेष आतिथ्य में व सरपंच कृष्णा पांचे की अध्यक्षता में तथा पंचायत समन्वयक सहायक नोडल अधिकारी लेखराज रामटेककर, अनुविभागीय अधिकारी कृषि खुदीराम सनोडिया, कृषि विस्तार अधिकारी मोनिका मसराम एवं अन्य विभागों के अधिकारीगणों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना अन्तर्गत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसमें समस्त विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहें। सभी विभागों के कर्मचारियों ने अपने - अपने विभाग के फार्म लिए एवं सभी अपने - अपने हितग्राहियों को जो सरकार की योजनाएं है उन्हें जानकारियों से अवगत कराया एवं उन्हें लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया। शिविर में 12 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें विद्युत विभाग के 2 एवं सामाजिक न्याय विभाग के 10 आवेदन प्राप्त हुए। जिनका तत्काल निराकरण किया गया। शिविर में महेन्द्र आसटकर पशु विभाग, सुश्री मोनिका मरकाम कृषि विभाग, भूपेन्द्र डोंगरे, चैनदास वंजारी, राजेंद्र प्रसाद पांडेय, प्रकाश तिवारी पटवारी, संजय बंशपाल, आंगनबाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, पंचायत पदाधिकारी एवं भारी संख्या ग्रामीण जनों का शिविर को सफल बनाने में सहयोग रहा। सभी विभागीय अधिकारियों ने अपने अपने विभाग से संचालित योजनाओं का विस्तार से जानकारी प्रस्तुत दी।

माँ गायत्री शक्तिपीठ लांजी का मनाया 44 वॉ स्थापना दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के मां गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा के 43 वर्ष पूर्ण होने पर ब्लाक गायत्री परिवार ट्रस्ट शक्तिपीठ लांजी द्वारा 18 दिसम्बर को विविध कार्यक्रमों के साथ 44 वॉ स्थापना दिवोत्सव मनाया गया। मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी में 18 दिसम्बर 1981 को आचार्य पं.श्रीराम शर्माजी के करकमलो द्वारा माँ गायत्री की प्रतिमाओं की स्थापना व प्राणप्रतिष्ठा की गई थी। इसी के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 18 दिसम्बर को स्थापना दिवस वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर गायत्री परिवार से जुड़े भक्तजनों ने अपने गुरूदेव का पुण्य स्मरण कर उनके बताये हुए मार्गो पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः जप, ध्यान, योग से हुआ। प्रातः 10 बजे से तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ यशवंतराव बनोठे, डॉ प्रहलाद बाहे, फेकूलाल पांचे, कवनलाल लिल्हारे की टोली द्वारा सम्पन्न कराया गया, जिसमें उपस्थित लोगो ने सामूहिक रूप से भाग लेकर आहूतियां डाली। अंत में आरती पूजन कर महाप्रसादी भण्डारे का आयोजन किया गया। इस अवसर गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टीगण व कार्यकर्ता के एल मेरहबान, सूरजलाल बिलावर, पी एल जैतवार, शिवकुमार अग्रवाल, श्रीमती शोभा वर्मा, लिलेश्वर खानोरकर, सालीकराम डोलस, श्यामलाल पाण्डे, जी डी बेदरे, आई एस चौहान, रामदयाल बड़धैया, मदनलाल सोमनकर, छबीलाल मरठे, शैलेन्द्र विजयवार, राजहंस टेंभरे, रामप्रसाद सोनवाने, लक्ष्मण सिंह मीणा, बेनीराम केवट, विनोद तिड़के परिव्राजक, ताराचन्द भण्डारकर, अनंतराम सोनवाने, देवीलाल ऐड़े, लोकराम भोंडेकर, कमल ठाकरे, सालिकराम रामटेककर, धनीराम सोनवाने, सतीश बड़धैया, दीवान खानोरकर, नारायण चोरवाड़े, श्रीमती सुमन आसटकर, लीला मोरघड़े, कान्ता तिड़के, गीता रामटेक्कर, मालतीलता जैतवार, प्रमिला चौहान, प्रमिला तिड़के, उषा सोमनकर, सुमन पाण्डे, अनीता रामटेककर, महेश्वरी मतारे आदि प्रमुख कार्यकर्ता के अलावा भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

बहेला धान खरीदी केन्द्र में अब तक प्रारंभ नहीं हुआ परिवहन

उठाव नहीं होने से किसानों के खाते में नहीं पहुंच पाई राशि

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत लगभग सभी सेवा सहकारी मर्यादित धान खरीदी केन्द्रो में किसानों की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी है शुरूवाती दौर में जहां किसानो के द्वारा अपनी उपज को केन्द्रो में धीमी गति से ला रहे तो अब यह गति बढ चुकी है लगभग सभी केन्द्रो में लगातार स्लॉट बुकिंग प्रारंभ है और किसान बडी मात्रा में अपनी अपनी उपज केन्द्रो तक ला रहे है। वहीं बढती धान की आवक को देखते हुये कुछ केन्द्रो में परेशानी भी हो रही है।

बहेला में धान के उठाव नही होने से पड़ सकता है खरीदी करना बंद

क्षेत्र के बहेला केन्द्र में लगातार धान की आवक बढ रही है केन्द्र में देखा जा सकता है कि हर तरफ धान की बोरिया थपी पर थपी लगाये रखी हुई है केन्द्र के प्रभारियों के द्वारा नई जगह तलाश की जा रही है कि अब धान की थपी कहा लगाई जाये। क्योंकि इस केन्द्र से धान का उठाव बिल्कुल भी नही हो रहा है। ज्ञात हुआ है कि बहेला केन्द्र से धान के उठाव के लिये ओम राईस मील को अनुबंधित किया गया है लेकिन अब तक ओम राईस मील के द्वारा धान का उठाव नही किया जा रहा है इसके पीछे क्या कारण है यह तो ज्ञात नही हुआ है लेकिन यदि अनुबंध हो चुका है तो बगैर देरी किये राईस मील संचालक को धान का उठाव करना चाहिये अन्यथा केन्द्रो में समस्या उत्पन्न हो जायेगी। जब तक धान का उठाव नही होगा तब तक किसानों के खातो में समर्थन मूल्य भी नही डल पायेगा। दुसरी ओर यदि इस दौरान बारिश हो गई तो लाखो रूपयों का धान नष्ट हो सकता है इसकी जवाबदारी कौन लेगा इस लिये प्रशासन इस ओर ध्यान देवे और अतिशिघ्र बहेला खरीदी केन्द्र से धान के उठाव की व्यवस्था बनाये।

बिरनपुर में किसानो ने कहा कि फटे बारदाने आ रहे है

जब भी धान खरीदी प्रारंभ होती है एक समस्या हमेशा से आई है कि फटे बारदाने केन्द्रो तक पंहुचाना जिसको लेकर अभी तक प्रशासन गंभीर नही है। बतादे कि सेवा सहकारी मर्यादित बिरनपुर धान खरीदी केन्द्रो में जब वहां उपस्थित किसानों से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि खरीदी तो बराबर प्रारंभ है लेकिन धान रखने के लिये जब बारदाने लो तो फटे बारदाने उपलब्ध हो रहे है। फटे बारदाने होने से परेशानी होती है। धान बारदानों से निकल जाती है कई बार धान बारदानों मे नही आ पाती है, इससे शासन प्रशासन को भी नुकसान है क्यों कि यदि फटे बारदानो में धान तौली जाकर ले जाया जायेगा तो वाहनो में भी धान गिरेगी इस लिये प्रशासन इस ओर ध्यान देवे की बारदाने नये एवं अच्छे हो ताकि धान व्यर्थ ना गिरे, वहीं केन्द्र प्रभारी से भी चर्चा की गई तो आपने बताया कि जिनके द्वारा बारदाने उपलब्ध कराये गये है उन्हे कह दिया गया है जो कि बारदाने फटे उन्हे वापस ले जाये जिस पर राईस मिलर्स ने बारदाने वापस ले जाने की बात कही है।

खरीदी केन्द्रो में कैमरे नही लगाये गये

धान खरीदी केन्द्रो में सतत निगरानी के लिये कलेक्टर बालाघाट के द्वारा आदेशित किया गया है कि सभी केन्द्रो में बकायदा सीसीटीवी कैमरे लगाये जाये ताकि सभी प्रकार की गतिविधियॉ कैमरो में रिकार्ड हो लेकिन देखने मे आया है इस बात का पालन कुछ ही केन्द्रो के प्रभारी के द्वारा किया गया है कुछ केन्द्रो में अभी तक सीसीटीवी कैमरे नही लगाये गये है। सीसीटीवी कैमरे लगाने से केन्द्रो की ही सुरक्षा बढेगी, अमूमन यह भी देखा जाता है कि धान खरीदी केन्द्रो मे चोरी की वारदाते घटित हो जाती है इससे भी केन्द्रो को राहत मिलेगी यदि कोई धान चोरी करने की कोशिश कर रहा है तो उसे पकड़ा जा सकता है इसके अलावा अन्य गतिविधियॉ भी कैमरे मे रिकार्ड होती है जो कि सुरक्षा की दृष्टि से सही है इस लिये केन्द्रो मे अविलंबध कैमरे लगाये जाने चाहिये।

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मकान में लगी आग, किराना सामान व वाशिंग मशीन जल कर हुई नष्ट

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत नंदोरा में 17-18 दिसम्बर की रात्रि में एक मकान में आग लगने से उसमें रखी वाशिंग मशीन एवं किराना दुकान का सामान जलकर राख हो गया। इस संबंध में मकान मालिक उलासराम हिरवाने ने जानकारी में बताया कि उसकी ग्राम नन्दोरा में किराना दुकान है। दुकान के पीछे पुराना कच्चा मकान है, जहां हमारा रहना भी होता है। हम घर के रात्रि में खाना खाकर सो गए थे कि रात्रि करीब दो बजे अचानक तूफान आने जैसे एवं चरचराहट जैसे आवाज आने लगी। उठकर देखा तो कमरे में आग भभक रही थी। घर के एवं आसपास के लोगों को आवाज लगाकर उठाया एवं आग बुझाने में लग गए। बड़ी मस्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग कब और कैसे लगी पता नहीं चला। इस घटना में घर में रखी वाशिंग मशीन, किराना दुकान के सामान में तेल 6 पेटी, निरमा, सोयाबीन बड़ी, शक्कर, मसाला, प्लास्टिक टब 20- 22 नग, साबुन पेटी और कुछ कपड़े जलकर राख हो गया। इस घटना में 50 से 60 हजार रूपए का नुक़सान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। सुबह घटना की सूचना जनपद सदस्य, सरपंच व सचिव को दी गई। जिस पर जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती तुकाराम बारेकर मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया एवं पटवारी को सूचना दी गई। जिस पर पटवारी द्वारा मौका स्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया एवं पंचनामा बनाया।

राजस्थान हाइक मे शामिल हुआ बालाघाट जिले का स्काउटर एवं गाइडर दल

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। भारत स्काउट और गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के वार्षिक कार्यक्रम के तहत बालाघाट जिला के जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय के आदेशानुसार बालाघाट जिले से चार स्काउटर एवं दो गाइडर का चयन कर उक्त हाइक में भेजा गया जिसमें निक्कुम से आर.सी.नागेश्वर स्काउटर, किरनापुर से मकबूल मोहम्मद कुरैशी स्काउटर नेवारा से देवलाल राहंगडाले स्काउटर,डुण्डासिवनी से अंगद चौधरी स्काउटर नेवरगांव वारासिवनी से नीता बोपचे एवम् लक्ष्मी विष्णु पटले गाइडर ने भाग लिया। इस शिविर में राज्य के 51स्काउटर गाइडर सम्मिलित हुए। इस हाइक के संचालक शंकर सिंह एवं सहायक संचालक वीरसीह यादव क्वाटर मास्टर मनोज पटेल थे।यह हाइक 10 दिसम्बर से 14 दिसम्बर 2024 तक झीलो की नगरी उदयपुर राजस्थान में शिविर लगाकर ऐतिहासिक स्थलों एवम् रमणीय स्थलों का भ्रमण किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप कि नगरी चितोड़ गड़ में हल्दीघाटी, चेतक स्मारक,म्युजियम चितोड़ गड़ का किला धार्मिक स्थलों में नाथ मंदिर, ब्रह्म देव मंदिर, पुष्कर के खाटूश्यामजी मंदिर, सांवरिया सेठ मंदिर ,अजमेर शरीफ ऐ ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह माउन्ट आबू में नक्की झील, दैलवारा जैन मंदिर ब्रह्मकुमारी, रोज़ गार्डन, गुरु शिखर अरावली पर्वतमाला कि सबसे ऊंची चोटी उदयपुर में फतेह झील, सहेलियों कि बाड़ी , पिछोला झील, गुलाबी गार्डन तथा जयपुर में जल महल, हामिर किला, म्यूजियम हवामहल थार मरुस्थल, लाल किला एवं आगरा का ताजमहल इत्यादि अनेक दर्शनीय एवम् धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया इन स्थलों पर जाकर वीर भूमि राजस्थान की संस्कृति भाषा,खान पान रहन सहन वेशभूषा का गहराई से अध्ययन किया। इस शिविर में पहुंचाने में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर कि प्राचार्य अनिता तारन, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव वारासिवनी प्रधान पाठक शासकीय माध्यमिक विद्यालय डुणडा सिवनी, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निक्कुम बैहर का सराहनीय योगदान रहा।डी.ओ.सी.इनेन्द्र डहरवाल जिला संघ बालाघाट का सहयोग काबिले तारीफ रहा।

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र विधानसभा में अमित शाह के बयान पर हंगामा

केंद्रीय गृहमंत्री माफी मांगों को लगाए नारे

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र की कार्यवाही जारी है। विधानसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर जमकर हंगामा हुआ। दोनों ही दलों के विधायक आसंदी तक जा पहुंचे। कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया। 'अमित शाह माफी मांगों' के नारे लगाते हुए सदन से बाहर निकल गए। हंगामे के बीच विधानसभा की कार्रवाई 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर एमपी में भी सियासत शुरू हो गई है। अमित शाह के बाबा अंबेडकर पर दिए बयान पर कांग्रेस हमलावर है। कहा कि बीजेपी ने हमेशा बाबा साहब को अपमानित किया। उनका अपमान दलित समाज का अपमान है। वहीं कांग्रेस के आरोपों पर बीजेपी ने पलटवार किया है। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि कांग्रेस के नेता बाबा साहब का अपमान करते आ रहे हैं। नेहरू ने अंबेडकर का अपमान किया था। विपक्ष का काम सिर्फ हंगामा करना है।

विधानसभा प्रश्नकाल

बीजेपी विधायक सतीश मालवीय ने उज्जैन में रियासत कालीन शासकीय मंदिर की जानकारी मांगी। मंदिर उज्जैन में कहा कहा थे? उज्जैन जिले में विधानसभा कितने मंदिर जीर्ण शीर्ण है कितने मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है, मंदिरों पर अतिक्रमण की स्थिति की जानकारी मांगी है। नेता प्रतिपक्ष उमंघ सिंघार ने भी सदन में मांग उठाई है। मंदिरों का प्रशासक कलेक्टर को क्यों बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार मंदिर का प्रशासक कलेक्टर न होकर समितियों को संचालन दे, नीति बनाए। हिंदू की बात करते है लेकिन मंदिरों की यह स्थिति है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार में कही भी मंदिरों की जमीन पर अतिक्रमण नहीं होने देंगे, जो सवाल विधायक ने किया है वहां मंदिर की जमीन पर यदि अतिक्रमण होगा तो तत्काल हटाया जाएगा।

कांग्रेस विधायक जयवर्धन ने उठाया ये मुद्दा

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने राजस्व अधिकारियों द्वारा विधायकों के पत्रों, आदेशों का पालन नहीं करने का मुद्दा उठाया। इस दौरान जयवर्धन ने कहा विंध्य के सत्ता पक्ष के एक विधायक प्रदीप पटेल को तो अधिकारियों के कदमों में दंडवत करना पड़ा। जयवर्धन ने राजस्व मंत्री से मांग की है कि प्रदेश में अभियान चलाकर राजस्व अधिकारियों से पूछे की कितने विधायकों के पत्रों का जवाब दिया।

खिलाडिय़ों के सम्मान समारोह में सीएम डॉ. मोहन ने कहा

राजनीति भी एक खेल, यहां भी खिलाड़ी होते

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर में खिलाडिय़ों के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन में कई कठिनाई रही हैं। इन कठिनाईयों पर तो बहुत बड़ा ग्रंथ लिखा जा सकता है, लेकिन संकल्पों से जो उन्होंने पाया, उससे दुनिया चमत्कृत है। उन्होंने श्रेष्ठ व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभा का प्रदर्शन खिलाड़ी ही अच्छे से कर सकता है। ये अलग है कि राजनीति में भी खिलाड़ी होते हैं। राजनीति भी एक खेल ही है। खेल का मतलब हार और जीत से जुड़ता है। इसमें सब प्रकार के संदेश और सार छिपे हुए हैं।

कार्यक्रम में कुल 1786 खिलाडिय़ों का सम्मान किया गया, इनमें से 1041 को खेल किट भी दी गई। जूनियर खिलाडिय़ों को खेल वृत्ति एवं खेल किट का वितरण किया गया हैं। वहीं, राज्य स्तर पर पदक विजेता प्रतिभावान जूनियर खिलाडिय़ों को खेल वृत्ति और खेल किट दी गई। खेलो इंडिया सेंटर के खिलाडिय़ों को किट वितरण, खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत चयनित खिलाडिय़ों को भी खेल किट वितरित किए गए। 1 अप्रैल 2023 से वर्तमान तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाडिय़ों को भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया हैं। मंच पर खेल मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, जिपं अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, उपाध्यक्ष मोहन जाट, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सनवर पटेल भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी परीक्षा में सिलेक्शन नहीं हुआ तो आप घबराए नहीं। प्रधानमंत्री जी के जीवन से प्रेरणा लें। हमने हॉकी का वो दौर भी देखा है, जिसमें नंगे पैरों से खेलते हुए महान खिलाड़ी ध्यानचंद ने दुनिया को चकरा दिया था। पहले भाव में आगे थे और अब प्रभाव में भी आगे हैं। किसी खेल में पुरस्कार मिले या नहीं, लेकिन पुस्तिका पदक जरूर मिलते हैं।

संबोधन के बाद मुख्यमंत्री खिलाडिय़ों के बीच पहुंचे और सेल्फी ली। उन्होंने कहा कि हमारे साथ तो सभी सेल्फी लेते हैं, लेकिन आपके साथ मुझे सेल्फी लेने का मौका मिल रहा है। इसके बाद डॉ. यादव खिलाडिय़ों के बीच पहुंचे और फोटो खिंचवाई। कार्यक्रम में खेल विभाग ने अब तक की उपलब्धियों पर आधारित एक शार्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया, जिसमें प्रदेश में खेलों के विकास और खिलाडिय़ों की सफलता को दर्शाया गया।

व्यापम महाघोटाला : वनरक्षक भर्ती परीक्षा पास करने वाले 4 मुन्नाभाईयो को 7-7 साल का कठोर कारावास

अपने स्थान पर किसी और को बैठाकर पास की थी परीक्षा

भोपाल। राजधानी में मंगलवार को विशेष न्यायालय द्वारा व्यापम द्वारा साल 2012 में आयोजित मध्य प्रदेश वनरक्षक भर्ती परीक्षा में हुए घोटाले में सुनवाई पूरी होने के बाद 4 आरोपियों को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने सभी आरोपियो को 7-7 साल की सजा सहित 1 हजार रुपये के अर्थ दंड की सजा सुनाई है। इस वनरक्षक भर्ती परीक्षा में आरोपियों ने अपने स्थान पर सॉल्वर को बैठाकर परीक्षा पास की थी। यह फैसला सीबीआई व्यापम प्रकरण के विशेष न्यायाधीश नीतिराज सिंह सिसोदिया की कोर्ट ने दिया है। सीबीआई के लोक अभियोजक से मिली जानकारी के मुताबिक व्यापम द्वारा साल 2012 में मध्य प्रदेश वन रक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें 4 उम्मीदवारो रामचित्र कौशल, भूप सिंह, शेर सिंह जाटव और राजेश सोलंकी ने अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को लिखित परीक्षा में बैठा कर परीक्षा पास की थी। इस परीक्षा में चारो पास हो गए थे। बाद में उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सीबीआई ने छानबीन कर अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के दोरान कोर्ट ने पेश किये गये कई गवाहों, दस्तावेजों और आर्टिकल्स के आधार पर चारों उम्मीदवारो रामचित्र कौशल, भूप सिंह, शेर सिंह जाटव तथा राजेश सोलंकी को दोषी करार देते हएु सात-सात 7-7 के कठोर कारावास सहित 10-10 हजार रूपए के अर्थ दंड से दंडित किये जाने का फैसला सुनाया है।

स्वास्थ्य विभाग को केन्द्र से 3168 करोड़ की दरकार

आयुष्मान योजना की भी अटकी है राशि

भोपाल। राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है कि आम आदमी को हर हाल में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले और उपचार के लिए उसे आर्थिक संकट का सामना न करना पड़ें। इन प्रयासों में केन्द्र से आर्थिक मदद समय पर न मिल पाने से प्रदेश सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पा रही है। इसकी वजह से प्रधानमंत्री की अति महत्वाकांक्षी आयुष्मान जैसी योजना भी प्रभावित तो हो ही रही है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की योजना भी आगे नहीं बढ़ पा रही है। दरअसल , इन दोनों ही कामों के लिए केन्द्र सरकार से फंड मिलता है, जो बीते पांच माह से अटका हुआ है। एक तरफ जिला स्तरीय अमले का अस्पतालों में टोटा है, वहीं सरकार पैसा देने के नाम पर ठेंगा बता रही है। आयुष्मान योजना सहित अन्य योजना के लिए केंद्र सरकार से 4360 करोड़ रुपए मिलना थे, जिसके एवज में सिर्फ 1192 करोड रुपए से ही संतोष

करना पड़ रहा है। केन्द्र सरकार से विभाग द्वारा तैयार किए गए बजट के अनुसार राशि प्राप्त नहीं हो पा रही है। दरअसल, राज्य सरकार ने बजट में 6 हजार 7 सौ छह करोड़ का प्रावधान किया था। जिसमें राज्य का हिस्सा 2 हजार 3 सौ 45 करोड़ प्राप्त होना था। केन्द्र से मिलने वाली राशि में से केन्द्र सरकार से जुलाई माह तक महज 11 सौ 92 करोड़ रूपए ही मिल सके हैं।

लडखड़ा सकती है स्वास्थ्य सुविधाएं

दरअसल, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए राज्य सरकार ने बजट प्रावधान एवं केन्द्र से प्राप्त स्वीकृतियों का खाका तैयार किया हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने जो बजट प्रावधान किया है उनमें विभाग के लोगों के लिए परिवार कल्याण का प्रशिक्षण, प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत, केन्द्र की राशि से वेतन भत्तों पर व्यय, राज्य स्तरीय परिवार कल्याण संगठन के कार्यों के लिए, ड्रग्स रेग्यूलरटी सिस्टम के सुदृढ़ीकरण, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वास्थ्य योजना, इसके अलावा अन्य योजनाओं में बजट प्रावधान रखा गया। लेकिन बजट के अभाव में उक्त योजनाओं में व्यवस्थित तरीके से कार्य नहीं हो पा रहा है।

सिकलसेल एनीमिया का पैसा भी अटका

राज्य सरकार ने अपने बजट प्रावधान में ऑक्जीलियरी नर्स, मिड वाइफ एवं हैल्थ ब्रिजीटर्स को परिवार कल्याण के प्रशिक्षण के लिए 23.71 करोड़ एवं केन्द्र से प्राप्ति योग राषि 23.71 करोड़, उप स्वास्थ्य केन्द्र में 668.17 करोड़ एवं केन्द्र से प्राप्त होने वाली राशि 668.17 करोड़, क्षेत्रीय परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र 4.62 करोड़, सिकलसेल एनेमिया 38.79 करोड़, जिला स्तरीय अमला 87.72 करोड़, आयुष्मान भारत 981.20 करोड़, केन्द्र की राषि से वेतन भत्तों पर व्यय 41.10 करोड़, बहुउद्देष्यीय कार्यकर्ता योजना 7.79 करोड़, राज्य स्तरीय परिवार कल्याण संगठन 3.57 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 45 सौ करोड़, कोविड़ 19 का उपचार एवं प्रबंधन केन्द्रीय हिस्से के 50 प्रतिशत राशि, प्रधान मंत्री आत्म निर्भर स्वास्थ्य योजना में केन्द्रीय हिस्से के 50 प्रतिषत राषि, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा षिक्षा के लिए मानव संसाधन 50 प्रतिशत राशि, टरसियरी केयर कार्यक्रम में भी केन्द्रीय हिस्से से 50 प्रतिशत राशि के अलावा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फास्ट्रकचर मिशन के तहत् 345.53 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया। हालाकि कुछ योजनाओं में बजट के अनुसार सौ प्रतिशत, 60 प्रतिशत, एवं 50 प्रतिशत के हिसाब से राशि प्राप्त होना है। लेकिन बजट के अनुसार उक्त राशि प्राप्त ना होने से स्वास्थ्य सुविधाए लडखड़ा रही है। हालांकि जिम्मेदार अफसर प्रयासरत है। लेकिन अभी सभी मदों में बजट के अनुसार राशि केन्द्र सरकार से राज्य सरकार को प्राप्त नहीं हो सकी है।

अस्पताल का ऑक्सीजन पाइप काट ले गए चोर

राजगढ । राजगढ़ जिला अस्पताल में भर्ती 12 नवजातों की जान उस वक्त खतरे में पड़ गई, जब चोर वार्ड में ऑक्सीजन सप्लाई की पाइपलाइन काट ले गए। घटना के वक्त एनआईसीयू (नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई) में 20 बच्चे भर्ती थे। इनमें से 12 ऑक्सीजन सप्लाई पर थे।

घटना मंगलवार रात की है। जैसे ही इसकी जानकारी मेडिकल स्टाफ को लगी, उन्होंने सीनियर डॉक्टर को सूचना दी। जानकारी मिलने पर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आरएस माथुर हॉस्पिटल पहुंचे। ऑक्सीजन यूनिट की ओर गए तो पाइपलाइन कटी दिखी। इसके बाद अस्पताल में ही रखे जंबो सिलेंडर से बच्चों को ऑक्सीजन सप्लाई की गई।

सप्लाई बंद होने पर बच्चे रोये, अलार्म बजा

पोस्टमार्टम रूम के पास ऑक्सीजन सिलेंडर की कॉपर पाइपलाइन करीब 10 से 15 फीट तक कटी हुई थी। मंगलवार देर रात अज्ञात चोरों ने इस पाइपलाइन को काटकर चुरा लिया। पाइपलाइन कटने के कारण एनआईसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों के लिए ऑक्सीजन की सप्लाई बंद हो गई थी। इससे बच्चे रोने लगे और अस्पताल में अलार्म भी बजने लगा। अस्पताल स्टाफ ने तुरंत डॉक्टरों को सूचना दी और एनआईसीयू वार्ड के बाहर लगे इमरजेंसी जंबो ऑक्सीजन सिलेंडर से ऑक्सीजन की आपूर्ति शुरू की। इससे एनआईसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों को किसी बड़ी दुर्घटना से बचा लिया गया। सिविल सर्जन नितिन पटेल का कहना है कि रात में चोरों ने लिक्विड ऑक्सीजन लाइन को तोड़ दिया था।

हर 15 दिन में कर्ज ले रही सरकार

विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा पर उप नेता प्रतिपक्ष बोले-सरकार के पास फाइनेंशियल प्लानिंग नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन आज अनुपूरक बजट पर चर्चा की जा रही है। इसमें उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा- ऐसी क्या स्थिति है कि सरकार को हर 15 दिन में कर्ज लेना पड़ रहा है। जनता पर लगातार कर्ज का बोझ बढ़ाया जा रहा है। सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि उनके पास कोई फाइनेंशियल प्लानिंग नहीं है।

विधानसभा में प्रतिवेदन और याचिकाओं को पढ़ा हुआ माना गया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश माल और सेवा कर तृतीय संशोधन विधेयक 2024 के पुनर्स्थापन का प्रस्ताव पेश किया। अध्यक्ष की अनुमति मिली। वहीं अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए हेमंत कटारे ने कहा कि जनता पर लगातार कर्ज का बोझ बढ़ाया जा रहा है। सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि उनके पास कोई फाइनेंशियल प्लानिंग नहीं है।

90 प्रतिशत संकल्प अभी भी अधूरे

भाजपा का संकल्प पत्र दिखाते हुए कटारे ने कहा- मुख्यमंत्री 1 साल का विकास कार्य बताते हुए खुद कह चुके हैं कि 90 प्रतिशत संकल्प अभी भी अधूरे हैं। ऊर्जा विभाग में 18000 करोड़ से अधिक का बजट था और अब तक सिर्फ 9000 करोड़ ही खर्च हुआ है। अभी भी 50 प्रतिशत खर्च होना बाकी है। अब 8000 करोड़ से अधिक का प्रावधान फिर किया जा रहा है, आखिर ऐसी स्थिति क्यों है?

अनुपूरक बजट की जरूरत नहीं थी

पृथ्वीपुर विधायक नितेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि अनुपूरक बजट की कोई आवश्यकता नहीं थी। सरकार कर्ज पर कर्ज ले रही है। सरकार को सोचना चाहिए कि इतना कर्ज लेंगे तो आने वाले समय में प्रदेश की जनता का क्या होगा?

प्रति व्यक्ति 55 हजार रुपए का बोझ

कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने कहा-मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार हर हफ्ते कर्ज ले रही है। लगभग 3 लाख 85 हजार करोड़ का कर्ज अब तक लिया जा चुका है।सरकार ने मध्यप्रदेश के प्रति व्यक्ति पर लगभग 55 हजार रुपए कर्ज का बोझ डाल दिया है।

शराब के टैक्स की कालाबाजारी से देश को बर्बाद किया

श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू सिंह जंडेल ने आरोप लगाया कि शराब के टैक्स की कालाबाजारी कर देश को बर्बाद किया जा रहा है। एक-एक जिले में 100-100 करोड़ का घपला है। जंडेल भी आज तराना विधायक महेश परमार के साथ शराब की खाली बोतलों की माला पहनकर विधानसभा पहुंचे थे। उन्होंने मामले की जांच और दोषी अफसरों पर कार्रवाई की मांग की है।

किसान आत्महत्या करने को मजबूर

अंबाह से कांग्रेस विधायक देवेंद्र सखवार ने कहा- मेरे जिले में खाद की किल्लत है। सुबह 4 बजे से लाइन में खड़े होने के बाद भी किसान को खाद नहीं मिल रही। किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहा है। उन्होंने कहा- कृषि मंत्री भी हमारे जिले से आते हैं, फिर भी खाद की किल्लत है। स्थिति ऐसी बनती जा रही है कि किसान फसल भी हार सकता है। सरकार प्रदेश के साथ खिलवाड़ कर रही है।

विधानसभा में उठा नर्सिंग कॉलेज घोटाला

विधायक राजेन्द्र सिंह ने मांगी जानकारी

भोपाल। मप्र में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में फर्जीवाड़े का मामला एक बार फिर विधानसभा में उठा। कांग्रेस विधायक राजेन्द्र सिंह ने जानकारी मांगी कि कितनी कॉलेजों का फर्जीवाड़ा सामने आया है। क्या कार्रवाई की गई है। जवाब में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि अभी जानकारी एकत्रित की जा रही है। हालांकि नर्सिंग कॉलेज घोटाले का मामला विधानसभा के मानसून सत्र में भी उठा था।

कारम बांध में नहीं हुआ घटिया निर्माण

4 साल पहले धार जिले में बारिश की वजह से फूटे कारम बांध को लेकर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि बांध निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग नहीं हुआ था। कांग्रेस विधायक कालू सिंह ठाकुर के सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि बांध से पानी निकाला गया था, जिसमें किसानों की फसल खराब हुई थी, लेकिन मंत्री ने घटिया निर्माण से साफ इंकार कर दिया है। जब बांध फूटा था, तब घटिया निर्माण का मामला उठा था।

हमीदिया अस्पताल में होगी छटनी !

स्वीकृत पदों से अधिक स्टाफ कर रहा काम, 200 कर्मचारियों को हटाया जा सकता है

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल के कर्मचारियों को झटका लग सकता है। हॉस्पिटल में स्टाफ की छटनी हो सकती है। बताया जा रहा है कि यहां स्वीकृत पदों से ज्यादा स्टाफ काम कर रहा है। 200 कर्मचारियों को हटाया जा सकता है।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वार्ड बॉय, लैब टैक्नीशियन, हाउसकीपिंग स्टाफ की संख्या अधिक है। इस हॉस्पिटल में 1400 कर्मचारियों की स्वीकृति है, लेकिन यहां 1600 के करीब स्टाफ कार्यरत है। अस्पताल में कोविड फंड से अतिरिक्त स्टाफ भर्ती किया गया था। हमीदिया में अधिक स्टाफ के चलते इन आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। वेतन विसंगति के कारण हॉस्पिटल के कर्मचारी एक हफ्ते में 2 बार हड़ताल कर चुके हैं। इसे देखते हुए अब स्टाफ कम करने या अन्य प्रबंधन को लेकर विचार चल रहा है। हमीदिया अस्पताल में जल्द छटनी हो सकती है।

15 दिन में दो बार हड़ताल

सैलरी के लिए हमीदिया अस्पताल के 500 से अधिक वार्ड बॉय करीब 15 दिन में दो बार हड़ताल पर बैठ चुके हैं। बता दें, हमीदिया अस्पताल में रोज 2500 से अधिक की ओपीडी (आउटपेशेंट डिपार्टमेंट) रहती है। 60 से अधिक ऑपरेशन होते हैं।

सैलरी के लिए मिले 2.5 करोड़ रुपए

गांधी मेडिकल कॉलेज ने एजाइल कंपनी को दो दिन पहले करीब ढाई करोड़ रुपए का पैमेंट किया है। इसके बाद करीब 12 करोड़ रुपए जीएमसी पर बकाया है। इस वजह से कंपनी ने कर्मचारियों की सैलरी रोक दी है। दो महीने पहले कर्मचारियों की हड़ताल के बाद कंपनी को 1 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया था। हालांकि, तब दिवाली बोनस नहीं दिया गया था। इससे पहले इन कर्मचारियों ने तीन से चार बार कंपनी को पत्र लिखकर शिकायत की थी। पत्र के जवाब में कंपनी ने सिर्फ आश्वासन दिया था।

कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने पूछा- किसानों को कब मिलेगी तीसरी किश्त

भोपाल। कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने प्रश्नकाल में किसानों को राहत राशि का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि 20 जिलों के 21 लाख किसानों के साथ सरकार ने न्याय नहीं किया है। इन किसानों को राहत राशि की तीसरी किश्त एक हजार करोड़ अभी तक जारी नहीं की गई है।

इस पर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने उत्तर देते हुए कहा कि 156 करोड़ की राशि वितरित की गई है। आपकी सरकार में मात्र 25 प्रतिशत किसानों को राहत मिलती थी हमारी मोहन सरकार ने 66 प्रतिशत को राहत राशि दी है। इस पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और कहा कि आज का बताइए।

सरकार तक पहुंचे मरीजों से अवैध वसूली के 311 केस

भाजपा विधायक अभिलाष पांडे के सवाल पर मंत्री ने दी जानकारी

भोपाल। प्रदेश में निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों के परिजनों से उपचार के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। इस तरह की गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं की स्वास्थ्य विभाग के पास एक साल में कुल 311 शिकायतें पहुंची हैं। इन शिकायतों पर मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से कार्यवाही की गई है। अलग-अलग गड़बड़ी के मामले में प्रदेश के 654 नर्सिंग होम संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 156 नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है। सरकार ने यह जानकारी विधानसभा में बीजेपी विधायक अभिलाष पांडेय के सवाल के जवाब में दी है। लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि निजी अस्पतालों की निगरानी की जा रही है।

प्रदेश के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व सुपरविजन अफसर, म.प्र. उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम के अंतर्गत ऐसे मामलों में जांच और कार्रवाई कर रहे हैं। साल 2024-25 में अप्रैल से अब तक प्रदेश में रजिस्टर्ड 2354 नर्सिंग होम का इंस्पेक्शन किया गया है। इसके बाद 654 नर्सिंग होम संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 156 नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत निरामयम योजनांतर्गत निजी चिकित्सालयों की एनएचए, एसएचए द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेस्क ऑडिट और थर्डपार्टी ऑडिट एजेंसी द्वारा फील्ड ऑडिट के माध्यम से निगरानी की जा रही है। मंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के निजी अस्पतालों के लिए विनियामक म.प्र. उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 तथा नियम 1997 (यथासंशोधित) 2021 में के अंतर्गत मरीजों के उपचार की शुल्क सूची सार्वजनिक करने का प्रावधान है और इसके निर्देश भी जारी किए गए हैं।

जागरूक करने के निर्देश भी दिए

डिप्टी सीएम शुक्ल ने बताया कि विभाग द्वारा मरीज के अधिकारों एवं अधिक शुल्क वसूलने के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाने को कहा गया है। सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (पर्यवेक्षी प्राधिकारियों) को 2 दिसम्बर को जारी निर्देश में जन-जागरुकता के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से संदेश पहुंचाने के लिए कहा गया है। साथ ही आयुष्मान भारत कार्यालय द्वारा संबद्ध निजी चिकित्सालयों में आईईसी एवं सिटीजन चार्टर प्रदर्शित करने का आदेश दिया गया है।

रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

287 मैच में 765 विकेट लिए; भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर

नई दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं। 38 साल के अश्विन ने गाबा टेस्ट खत्म होते ही रिटायरमेंट का ऐलान किया।

अश्विन ने 2010 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट हासिल किए। उनके नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं और 8 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 156 वनडे विकेट भी हासिल किए। टी-20 में अश्विन ने 72 विकेट चटकाए। अश्विन ने बतौर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल 6 टेस्ट शतक लगाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम कुल 8 शतक रहे।

सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल लेने वाले भारतीय

अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल हैं, जो कि किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। उनके बाद कुंबले का नंबर आता है। कुंबले ने टेस्ट में 35 बार पारी में पांच विकेट लिए थे। ओवरऑल सबसे ज्यादा पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार ऐसा किया था। अश्विन शेन वॉर्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर रहे।

इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए

अश्विन ने करियर में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट मिलाकर 53 मैचों में खेले और 150 विकेट लिए। वहीं, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसके खिलाफ अश्विन के 50 मैचों में 146 विकेट हैं।

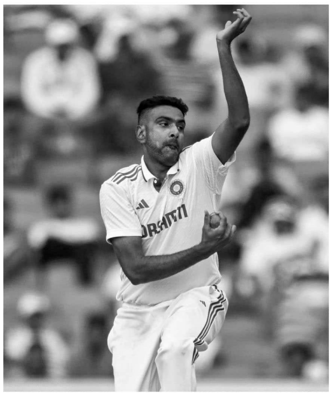

रविचंद्रन अश्विन के बड़े रिकॉर्ड, जिन्हें तोड़ना मुश्किल हैं -

- भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज 300 विकेट का रिकॉर्ड रविचंद्रन अश्विन के नाम है। उन्होंने यह कारनामा 54 मैचों में किया था। श्रीलंका के खिलाफ 2017 में यह उपबलब्धि अश्विन ने हासिल की थी।
- रविचंद्रन अश्विन भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। उन्होंने 106 टेस्ट में 537 विकेट झटके हैं।
- भारत के लिए एक पारी में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट का रिकॉर्ड भी रविचंद्रन अश्विन के नाम है। उन्होंने यह कारनामा 37 बार किया है।
- सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज के अवॉर्ड टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन में श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन के बराबरी की हुई है। दोनों ने 11 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता है।
- स्पिनर का बेस्ट बॉलिंग स्ट्राइक रेट टेस्ट में (200 प्लस विकेट) रविचंद्रन अश्विन के नाम है। उनका स्ट्राइक रेट 50.7 का है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट रहा ड्रॉ, डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में क्या हुआ बदलाव

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। यह मैच बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुआ। मैच के अंतिम दिन सिर्फ 24.1 ओवर ही फेंके जा सके। इसके बाद दोनों टीमें ड्रॉ के लिए राजी हो गईं। मैच में तकरीबन 200 ओवर का खेल हो सका। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए। जवाब में भारत ने 260 रन बनाए। इस मुकाबले के बाद डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में दोनों ही टीमों के अंक (पीटीसी) घट गए हैं। इस मुकाबले के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज में भारत-ऑस्ट्रेलिया 1-1 की बराबरी पर बने हुए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से बेहद अहम है। इसके हर मैच के बाद डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में बदलाव आ रहा है। एक हार या जीत टीमों की रैंकिंग बदल दे रही है। भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में ना कोई टीम जीती और ना ही हारी। इसकारण पॉइंट टेबल में भी ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। दोनों टीमें अपनी पहली वाली रैंकिंग में कायम हैं। हालांकि, दोनों के अंक जरूर कम हुए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट ड्रॉ होने से पहले दक्षिण अफ्रीका (63.33) डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में पहले नंबर पर था। वह अब भी 63.33 प्रतिशत पॉइंट के साथ शीर्ष पर है। स्ट्रेलिया की दूसरी और भारत की तीसरी रैंकिंग बनी हुई है। हालांकि, मैच ड्रॉ होने से ऑस्ट्रेलिया के पॉइंट 60.71 से घटकर 58.89 रहे हैं। भारत के पॉइंट 57.29 से कम होकर 55.88 हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के अलावा अब सिर्फ श्रीलंका ही डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में शामिल हैं। श्रीलंका 45.45 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर है। लेकिन श्रीलंका को अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। अगर श्रीलंका इस सीरीज के दोनों मैच जीत लेता है, तब टीम के 53.85 पॉइंट हो जाएंगे।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल (टॉप-5)

रैंकिंग	टीम	पॉइंट
1.	द. अफ्रीका	63.33
2.	ऑस्ट्रेलिया	58.89
3.	भारत	55.88
4.	न्यूजीलैंड	48.21
5.	इंग्लैंड	45.45

न्यूजीलैंड (48.21) ने एक दिन पहले ही इंग्लैंड को 423 रन से हराया था। कीवी टीम जीत की बदौलत पांचवें से चौथे नंबर पर पहुंच गई है। लेकिन इतने कम अंक के साथ कोई भी टीम फाइनल नहीं खेल सकती। न्यूजीलैंड के साथ-साथ इंग्लैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज भी फाइनल की रेस से बाहर हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर, वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए। मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छलांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2-1 से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। पर्थ में 50 रन बनाने वाली एशलेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है।

शमीम हुसैन, मेहदी हसन मिराज के शानदार प्रदर्शन के दम पर जीता बांग्लादेश

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त

सेंट विंसेंट। शमीम हुसैन (नाबाद 35), मेहदी हसन मिराज (26) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 मैच में वेंस्टइंडीज को 27 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बंगलादेश ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। बांग्लादेश के 129 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 102 रनों पर ढ़ेर हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रॉस्टन चेज ने सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। अकील हुसैन ने (31) और जॉनसन चार्ल्स ने (14) रन बनाए।

वेस्टइंडीज के बाकी आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए तसकीन अहमद ने तीन विकेट झटके। महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन को दो-दो विकेट हासिल किए। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। शमीम हुसैन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इसके पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 11 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। कप्तान लिटन कुमार दास (तीन) और तंजिद हसन (दो) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सौम्य सरकार भी (11) रन आउट होकर पवेलियन लौट गए। मेहदी हसन मिराज और जाकेर अली ने पारी संभालने का प्रयास किया। मेहदी हसन मिराज (26) और जाकेर अली (21) रन बनाकर आउट हुए। शमीम हुसैन ने बंगलादेश के लिए 17 गेंदों में (35) रनों की पारी खेली। बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 129 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने दो विकेट लिए। अकील हुसैन, रॉस्टन चेज, अल्जारी जोसेफ और ओबेद मकॉए ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गावस्कर के विचारों से सहमत नही विराट के बचपन के कोच

फॉर्म में वापस लौटेंगे, विराट को लंबे समय तक दबाव में रखना मुश्किल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने विराट कोहली को सलाह दी है कि वह सिडनी में सचिन तेंदुलकर की ऐतिहासिक 241 रनों की पारी से प्रेरणा लें। उस पारी में तेंदुलकर ने कवर ड्राइव जैसे जोखिमभरे शॉट्स से बचते हुए अपनी बल्लेबाजी को सटीक बनाए रखा था। वहीं कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा इस सुझाव से सहमत नहीं हैं और उन्होंने गावस्कर की यह सलाह खारिज कर दी है। राजकुमार शर्मा, जो कोहली को बचपन से ही कोचिंग दे रहे हैं उन्होंने गावस्कर की क्रिकेट में महानता को स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी राय हमेशा मूल्यवान होती है। लेकिन उन्होंने साफ किया कि यह सुझाव विराट कोहली के खेल के लिए अनुकूल नहीं है। राजकुमार ने कहा कि वह 2008 से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। केवल दो खराब पारियों के आधार पर उनकी आलोचना नहीं की जा सकती। उन्होंने इस श्रृंखला में पहले ही एक शतक लगा चुके हैं।

राजकुमार ने पर्थ टेस्ट में कोहली के दूसरे पारी के शतक का जिक्र करते हुए कहा कि वह टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेल चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आंकड़ों के आधार पर कोहली को परखना सही नहीं है। मौजूदा सीजन में कोहली का औसत 9.125 का रहा है, जिसमें उन्होंने 8 पारियों में कुल 73 रन बनाए हैं। उनके हालिया स्कोर 6, 47, 0, 1, 4, 5, 7 और 3 रहे हैं। राजकुमार ने कोहली की आलोचना को अनुचित बताया और कहा कि वह इतने अनुभवी खिलाड़ी हैं कि उन्हें किसी विशेष सुझाव की जरूरत नहीं है।

राजकुमार ने कहा कि कोहली भारतीय क्रिकेट इतिहास में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका खराब फॉर्म ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। कोहली की खराब फॉर्म और तकनीक या मानसिकता को लेकर राजकुमार ने कहा कि यह न तकनीक से जुड़ा है और न ही मानसिकता से। वह बेहद परिपक्व खिलाड़ी हैं और खेल को अच्छी तरह समझते हैं। राजकुमार ने कहा कि उनकी कोहली से हाल ही में बातचीत हुई थी, लेकिन उन्होंने इस बातचीत का विवरण सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि कोहली जल्द ही फॉर्म में वापसी करेंगे उनके जैसे खिलाड़ी को लंबे समय तक दबाव में रखना मुश्किल है।

खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी शॉ विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया से लंबे समय से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ को विजय हजारे ट्रॉफी की मुंबई टीम से भी हटा दिया है। खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी को टीम से बाहर कर दिया गया है। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से शुरू होने वाली है। पृथ्वी शॉ, जिन्हें कभी भारतीय क्रिकेट का भविष्य कहा जाता था और जिन्होंने टेस्ट डेब्यू में शतक जड़ा था, फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। इस सत्र में उनका प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है। रणजी ट्रॉफी के दौरान उन्हें अनुशासन और फिटनेस संबंधी कारणों से बीच टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उनकी वापसी हुई और मुंबई ने यह खिताब जीता, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर शॉ के प्रदर्शन में सुधार नहीं दिखा।

नवंबर में हुई आईपीएल नीलामी में भी शॉ को बड़ा झटका लगा था, जब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें खरीदने में रुचि नहीं दिखाई। घरेलू क्रिकेट में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सत्र में उन्होंने औसत प्रदर्शन किया था और इस बार टीम में उनको जगह नहीं मिली। मुंबई टीम से बाहर किए जाने के बाद पृथ्वी शॉ ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि भगवान, मुझे बताओ कि मुझे और क्या देखना है? लेकिन मैं आप पर भरोसा बनाए रखूंगा और उम्मीद है कि लोग मुझ पर विश्वास करेंगे, क्योंकि मैं निश्चित रूप से वापसी करूंगा।

मुंबई टीम की कमान इस बार श्रेयस अय्यर संभालेंगे, जो 17 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी शामिल किया है। वहीं, अनुभवी स्पिनर शम्स मुलानी को टीम में जगह नहीं मिली है। मुंबई टीम 21 दिसंबर को अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया, जिससे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का रोमांच अब और बढ़ गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन खराब रोशनी के चलते टी टाइम जल्द कर दिया था। भारत ने 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 2.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 8 रन बना लिए थे। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 18 ओवर में 89/7 पर घोषित कर दी थी।

5वें दिन भारतीय पारी की शुरुआत करने वाले केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल 4-4 रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 185 रनों की बढ़त हासिल की थी और दूसरी पारी में महज 18 ओवर खेले। तेजी से रन बनाने की कोशिश में आस्ट्रलिया के बल्लेबाज आउट होते गए। ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी और पैट कमिंस की तेज पारियों के कारण ऑस्ट्रेलिया ने 274 रनों का मजबूत लक्ष्य तय किया।

खंड -I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय वनमण्डल अधिकारी उत्तर (सा.) वनमण्डल बालाघाट मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/02/ई-टेंडरिंग/2024-25 बालाघाट, दिनांक 12/12/2024

1. वनमण्डल अधिकारी उत्तर सा. वनमण्डल बालाघाट द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित - 2022) के अंतर्गत निम्न लिखित निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) (8 MM)	15000	1000/- Tax extra
2	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) 10 MM)	15000	
3	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) 12 MM)	25000	
4	GI Wire	5000	
5	सीमेंट (PCC ISI 1489/1991 50kg per Bag, 53 Grade.	80000	
6	रेत प्रति घ.मी. रेत-साफ सुथरी मानक अनुसार	40000	
7	गिट्टी 20 एम.एम प्रति घ.मी.	25000	
8	गिट्टी 40 एम.एम. प्रति घ.मी.	20000	
9	स्टोन डस्ट (Stone Dust) प्रति घमी.	5000	
10	मुरम (हार्ड) प्रति घमी.	2000	
11	ईट (पका भट्टे का) कुम्हारी साईज (9"X4") इंच प्रति हजार	60000	
12	ईट (Fly Ash Brick) साईज (9"X4") इंच प्रति हजार	20000	
13	साल/बीजा चौखट प्रति वर्ग फीट	4000	
14	पल्ला दरवाजा D1- 3'6"X7'0" फीट 30 एम एम (प्रति नग) (बोर्ड) वाटरप्रूफ लैमिनेटेड	3000	
15	पल्ला दरवाजा D2- 2'9"X7'0" फीट 30 एम एम (प्रति नग) (बोर्ड) वाटरप्रूफ लैमिनेटेड	2000	
16	पाईप एक इंच सी.पी.व्ही.सी., GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
17	पाईप 1.5 इंच सी.पी.व्ही.सी. GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
18	पाईप दो इंच सी.पी.व्ही.सी. GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
19	पाईप तीन इंच सी.पी.व्ही.सी. GI 20 फीट (प्रति नग)	1000	
20	प्लास्टिक पानी टंकी फोर लेयर 1000 लीटर (प्रति नग) ISI	3000	
21	प्लास्टिक पानी टंकी फोर लेयर 500 लीटर (प्रति नग) ISI	2000	
22	Vitrified tiles 6 mm (2x2 Fit) (प्रति वर्ग फुट) (डबल चार्ज)	10000	
23	ग्रेनाईट प्रति वर्ग फुट	2000	
24	टाटा स्टील प्रोफाईल शीट 4X10 Feet 25 गेज (0.5mm)	5000	
25	टाटा स्टील प्रोफाईल शीट 4X12 Feet 25 गेज (0.5mm)	5000	
26	टाटा स्टील प्रोफाईल शीट 4X14 Feet 25 गेज (0.5mm)	5000	
27	Ventilation and Window Iron Grill	2000	
28	सीमेंट चौखट प्रति नग 3'6"X7'0"	3000	
29	लोहे की चौखट प्रति नग 3'6"X7'0"	3000	
30	पेवर ब्लॉक प्रति नग	5000	

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल एवं विभागीय बेवसाई www.mpforest.gov.in पर निशुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 13-12-2024 बजे 10:30 AM से दिनांक 26-12-2024 बजे 10:30 AM तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्तवपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 24-12-2024 समय 02:00 PM को उप वनमण्डल कार्यालय उकवा (सा.) उप वनमण्डल बालाघाट में आयोजित की जायेगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते है। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे है।
- ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जायेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल :-https://mptenders.gov.in

वनमण्डलाधिकारी
उत्तर सा. वनमण्डल बालाघाट

जी-20426/24

वेस्टइंडीज ने भारत को 9 विकेट से हराया, महिला टी20 सीरीज 1-1 से बराबर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला टीम ने कप्तान हेले मैथ्यूज की शानदार पारी की बदौलत भारत को 9 विकेट से हराकर टी20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। यह मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेला गया। मैथ्यूज ने 47 गेंदों में 85 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में मामूली स्कोर बनाया, जिसे वेस्टइंडीज ने आसानी से एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। हार के बाद भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में ऐसा होता है। परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं थीं और पिच पर नमी थी, लेकिन यह कोई बहाना नहीं हो सकता। हमें गेंदबाजी में अपनी रणनीति बेहतर करनी होगी। ओस की वजह से चुनौतियां थीं, लेकिन हमें अगले मुकाबले में मजबूत वापसी करनी होगी।

वहीं, वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पिछले मैच में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक था, इसलिए आज हमें बेहतर

करना जरूरी था। हमने खेल पर नियंत्रण रखा और यह तय किया कि हम इसे मजबूती से खत्म करना है। भारत को सीमित स्कोर पर रोककर हमें लगा कि लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है।

विंडीज की ऑलराउंडर डिआंड्रा डॉटिन ने भी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जीत हमारे दृढ़ संकल्प और बुनियादी क्रिकेट पर टिके रहने का नतीजा है। हमने पिछली गलतियों से सीखा और इस बार कोई चूक नहीं की। पिच का सही आकलन करना और टीम की चर्चाओं का असर आज के खेल में साफ नजर आया। वेस्टइंडीज की इस धमाकेदार जीत के बाद अब सीरीज रोमांचक मोड़ पर है। निर्णायक मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है।

एक आश्चर्यजनक महाकुंभ गणित के छात्रों का भी

यूसीएमएएस अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता 2024 का दिल्ली में वारासिवनी का लक्ष्य ने पायी ट्रॉफी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। यूसीएमएएस इंटरनेशनल प्रतियोगिता 2024 जो दुनिया के सबसे बड़ी अबेकस और मेंटल अर्थमेटिक प्रतियोगिता है। इसका आयोजन दूसरी बार दिल्ली में गत दिनों 14 से 15 दिसम्बर को किया गया। दो दिनों इस प्रतियोगिता में 30 देशों के 6000 से भी अधिक छात्रों ने भाग लिया। जिसमे भारत के 24 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। आयोजित इस प्रतियोगिता में देश-विदेश से आये छात्रों ने गणित के प्रश्नों को हल करने की अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया। जिसके लिए 10,000 से भी अधिक टॉफियां देकर छात्रों की उनकी अद्भुत प्रतिभा के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें बालाघाट जिले के वारासिवनी के लक्ष्य बघेल भी शामिल रहे। जिहोने अपनी प्रतिभा का लोहा दिल्ली में मनवाया। लक्ष्य प्रतियोगिता में थर्ड रनर-अप रहे। जिसके लिए लक्ष्य को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के सीईओ श्री एलेक्सन वोंग ने कहा कि यूसीएमएएस प्रतियोगिता एक अत्यंत प्रभावशाली प्रतियोगिता है। जो कि अबेकस के प्राचीन उपकरण को आधुनिक पद्धति के साथ जोड़ कर एक अलग ही शैक्षणिक अनुभव प्रदान करती है। प्रतियोगिता में 8 मिनट में 200 सवाल हल करने थे। जो न केवल बच्चों की गणितीय दक्षता का प्रमाण है, बल्कि उनकी विजुअल मेमोरी, फोकस और समग्र शिक्षा उत्कृष्टता का भी प्रमाण है। वहीं यूसीएमएएस इंडिया के सीईओ और अध्यक्ष डॉ. स्नेहल कारिया ने कहा कि हम दिल्ली में अंतराष्टीय प्रतियोगिता की मेजबानी करके रोमांचित है। उन्होंने कहा की संगठन भारत भर में फ्रेंचाइजी के साथ विस्तार कर रहा है, और जल्द ही नए केंद्र खोलने की योजना है। चूंकि ये गणित में बच्चों को एक मजबूर आधार बनाने में कारगर सिद्ध है। साथ ही उन्हें प्रतिस्पर्धा से भरे आज के समय मे सफलता के लिए तैयार भी करता है।

वारासिवनी एसडीओपी के वाहन चालक है लक्ष्य के पापा

लक्ष्य की इस सफलता से माता-पिता सहित आस पास के शुभचिंतकों में बड़ी खुशी है। ज्ञात हो कि इतने ब? स्तर की प्रतियोगिता में जिले का नाम करने वाले पालक बिल्कुल सामान्य है। लक्ष्य के पापा वारासिवनी के एसडीओपी के वाहन चालक है। जिन्होंने हमेशा लक्ष्य को ऐसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया है। पिता ने लक्ष्य की इस असीमित प्रतिभा को समझा और इसके अवसर भी तलाशे। आज लक्ष्य ने पापा सहित वारासिवनी का दिल्ली में अंतरराष्टीय प्रतियोगिता में नाम चमकाया है।

उप पंजीयक कार्यालय में उप रजिस्ट्रार की मनमानी

सुबह 11 बजे से आकर कार्यालय के बाहर बैठे क्रेता-विक्रेता, साढ़े चार बजे तक गायब अधिकारी

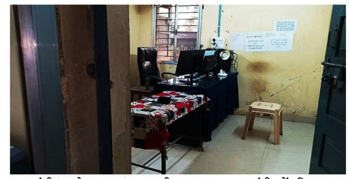

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय कटंगी में स्थित उप पंजीयक कार्यालय में उप रजिस्ट्रार अनुराग अहरवाल की मनमानी बीते कई महीनों से चरम पर है. यह सरकारी नियम की बजाए अपनी मनमर्जी से उप पंजीयक कार्यालय को चला रहे है जिसका खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है. इनकी मनमानी की एक बानगी बुधवार को फिर एक बार देखने को मिली. उप रजिस्ट्रार साहब शाम साढ़े बजे तक अपने कार्यालय से नदारद थे और बड़ी संख्या में क्रेता-विक्रेता कार्यालय के बाहर पूरा दिन उनका इंतजार करते रहे. बुधवार को क्रेता-विक्रेता बड़ी संख्या में जमीनों की खरीदी-बिक्री करने के लिए सरकारी वक्त के मुताबिक सुबह 11 बजे उप पंजीयक कार्यालय पहुंचे ताकि स्लॉट बुकिंग के आधार पर जमीनों की रजिस्ट्री करवा लें लेकिन उप रजिस्ट्रार शाम साढ़े 04 बजे तक कार्यालय नहीं पहुंचे थे. जिस कारण पूरा दिन क्रेता-विक्रेता कार्यालय के बाहर उनका इंतजार करते रहे और पूरे दिन में कई बार यहां मौजूद कर्मचारी से साहब के आने का वक्त पूछते हुए दिखाई दिए. जब हमने बुधवार की शाम साढ़े 04 बजे यहां कुछ लोगों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि सुबह 11 और साढ़े 11 बजे ही उप पंजीयक कार्यालय आ गए लेकिन अधिकारी के गायब होने से रजिस्ट्री नहीं हो पाई और वह परेशान हो रहे है। दरअसल, उप रजिस्ट्रार अनुराग अहरवाल के पास दो स्थानों की जिम्मेदारी है जिस कारण वह सप्ताह में केवल एक दिन यानी बुधवार को ही कटंगी उप पंजीयक कार्यालय आते है. मगर, इस दिन भी वह कितने बजे कार्यालय पहुंचेंगे यह तय नहीं होता. अधिकारी अपने मनमुताबिक कार्यालय आते है और फिर देर शाम तक रजिस्ट्री की जाती है. बताया जाता है कि बुधवार को छोड़कर अगर किसी और दिन क्रेता-विक्रेता जमीन की रजिस्ट्री करानी हो तो उन्हें वारासिवनी उप पंजीयक कार्यालय जाना पड़ता है. वारासिवनी जाने से बचने के लिए क्रेता-विक्रेता बुधवार को बड़ी संख्या में कटंगी कार्यालय आते है जिसकी जानकारी उप रजिस्ट्रार को भी है. मगर, फिर भी ना जाने क्यों अधिकारी सरकारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचे. सर्विस प्रोवाइडरों के बीच चर्चा है कि बीते कई महीनों से उप पंजीयक कार्यालय में अपनी संपत्तियों की रजिस्ट्री करने वाले पक्षकार अधिकारी की मनमानी से परेशान हो रहे हैं। बुधवार को बड़ी संख्या में क्रेता-विक्रेता 50-50 किमी दूर से जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए आए किंतु अधिकारी की गैरमौजूदगी ने उन्हें काफी हताश और पूरा दिन परेशान कर दिया. ज्ञात रहे कटंगी उप पंजीयक की जिम्मेदारी जिस दिन से अनुराग अहरवाल के हाथों में गई है उस दिन से कई बार ऐसे मौके आए है जब क्रेता-विक्रेता को परेशान होते देखा गया है. रजिस्ट्रियां व अन्य कार्य हेतु दूरस्थ अंचल से आए ग्रामीणों को दिनभर इंतजार करने के बाद भी शाम को खाली हाथ लौटना प?ा. इधर सर्विस प्रोवाइडर भी परेशान हो रहे हैं. मगर, वह कुछ बोलना नहीं चाहते रोजी-रोटी के ख्याल ने उनके मुंह में ताला लगा दिया है.

इनका कहना है

मैं सोमवार को आ रहा हूं फिर इस संबंध में बात करते है.
राजेंद्र मरकाम
जिला पंजीयक अधिकारी

'मुख्यमंत्री जन कल्याण' एवं 'प्रशासन गांव की ओर' अंतर्गत हितग्राहीमूलक योजनाओं से छात्र छात्राओं को करे लाभान्वित - कलेक्टर मीना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जनकल्याण एवं प्रशासन गाँव की ओर अभियान का क्रियान्वयन जिले में प्रारम्भ कर दिया गया है। इसी कड़ी में बुधवार को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने कहाँ की अभियान अंतर्गत स्कूलों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को हितग्राहीमूलक योजना जैसे निशुल्क सायकिल वितरण, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए परिवहन, मार्गरक्षण, वाचन भत्ता एवं सीडब्ल्यूएसएन बालिकाओं को उक्त भत्तों के साथ स्टॉयपंड की राशि का लाभ शासन के निर्देशानुसार प्रदान किया जाए। कलेक्टर श्री मीना समस्त बीईओ को निऱ्शुल्क सायकल वितरण योजना अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को तत्काल सायकल वितरण कर चेचीस नंबर इंट्री ऑनलाईन पोर्टल पर सुनियोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, जनजातीय सहायक आयुक्त श्री पीके चतुर्वेदी, डीईओ श्री एके उपाध्याय, डीपीसी श्री सीएस मरावी, प्राचार्य शाजशंत्रि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, समस्त विकासखण्डों के बीईओ व बीआरसी, सहायक यंत्री श्री भास्कर शिव उपस्थित रहे।

1 से 8 तक के नामांकन में है कमी, डीपीसी कार्ययोजना में सुधार करें

बैठक में जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं की कक्षा 01 से 08 में नामांकन में कमी पर कलेक्टर द्वारा चिन्ता व्यक्त की गई। इस पर उन्होंने डीपीसी जिला शिक्षा केन्द्र को निर्देशित किया कि छात्र/छात्राओं के गैप का मिलान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट द्वारा प्रदाय सूची से सुनिश्चित करे। बैठक में जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा महाविद्यालयों में शासन की योजनाओं में गत वर्ष की तुलना में स्नातक एवं स्तनाकोत्तर पाठयक्रमों में दर्ज संख्या में कमी बताई गई। बैठक के दौरान बताया गया कि जिले के 57 स्कूलों में पहली कक्षा में शून्य नामांकन है। इस दौरान बताया गया कि भविष्य में ऐसे स्कूलों का संचालन आगामी वर्षो में शासन के नियम अनुसार किया जाना है। वहीं छात्रवृत्ति पोर्टल पर छात्र/छात्राओं की प्रोफाईल अपडेशन एवं स्वीकृति में काफी अंतर है। बीईओ आगामी टीएल बैठक में छात्रवृत्ति स?वीकृति का पत्रक प्रस?तुत करेगें।

अपार आईडी के कार्यो में गति लाना होगा

बैठक के दौरान डीपीसी व डीईओ द्वारा बताया गया कि जिले में विद्यार्थियों के अपार आईडी बनाने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि जिले के 299 स्कूलों द्वारा अभी तक अपार आईडी बनाने का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। बैहर, बिरसा एवं परसवाडा में अपार आर्ड बनाने का कार्य धीमा है । कलेक्टर श्री मीना ने कार्य में गति लाने के लिए बीआरसी एवं बीईओ को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यू डाईस पोर्टल पर ड्राप आउट छात्र/छात्राओं की संख्या अधिक है। सभी बीआरसी शाला में दर्ज छात्र/छात्राओं का मिलान कर यू डाईस पोर्टल अपडेट करना भी सुनिश्चित करें। जिले के सभी बीआरसी द्वारा विशेष आवश्यकता वाले छात्र/छात्राओं का चिन्हांकन किया किया गया है किन्तु लाभान्वित छात्र/छात्राओं की संख्या कम है। जिसके लिए उन्होंने समस्त बीआरसी को शासन के नियमों अनुसार पात्र छात्र/छात्राओं को चिन्हांकन कर योजना का लाभ प्रदान करने के लिए कहा गया।

20 दिसम्बर को ग्रेडिंग होना है, लंबित शिकायतों का जल्द निराकरण करे

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सीएम हेल्प लाईन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि अभी भी विभाग में शिकायतें काफी दिनों से लंबित है। उन्होंने कहा कि 20 दिसम्बर को ग्रेडिंग होना है। इसलिए समस्त बीईओ/बीआरसी विकासखण्ड अंतर्गत जिन शिकायतों को फोर्स क्लोज करवाना है उनका प्रस्ताव आज ही भेजना सुनिश्चित करे। साथ ही जिन लंबित शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद करवाया जा सकता है, उन्हें मोबाईल पर चर्चा कर बंद करवाना निर्धारित करें।

भरवेली पुलिस और नगर अधीक्षक ने दी गुजरी बाजार की एक कबाड़ी दूकान में दबिश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। भरवेली पुलिस और सीएसपी बालाघाट द्वारा नगर के गुजरी बाजार स्थित कृष्ण मंदिर की एक कबाड़ी दूकान में दबिश दी गई ,जहां पुलिस ने कबाड़ी दूकान पर दबिश देते हुए कबाड़ी में रखा सामान को चेक किया और पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को थाने ले जाया गया है, वही पुलिस अभी मामले को लेकर कुछ भी कहने के विषय में नहीं है पुलिस का कहना है कि उन्हें एक लीड मिली है और वह इस लीड को फॉलो करते हुए नगर के गुजरी स्थित कृष्ण मंदिर के बाजू में एक कबाड़ी की दूकान में पूछताछ के लिए आयी थी , और एक व्यक्ति को थाने भी लेकर जाया गया है तो वही अभी बीते दिनों गुजरी बाजार में भी चोरी की घटना हुई थी, उसमें भी पुलिस अलग-अलग क्षेत्र में दबिश दे कर पूछताछ कर रही है, जिसमें अभी एक दिन पहले ही आधा दर्जन से अधिक युवकों को कोतवाली पुलिस ने थाने लाकर पूछताछ किया था, वहीं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की माने तो पुलिस जल्द ही भरवेली और शहर के गुजरी बाजार में हुई चोरी का खुलासा करने वाली है बता दे की अभी 2 दिन पहले ही नगर के गुजरी बाजार स्थित कुछ दुकानों में अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था, जिसके बाद पुलिस गुजरी में हुई चोरी की सरगर्मी से अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है, जिसको लेकर कोतवाली पुलिस द्वारा 17 नवंबर की देर शाम लगभग आधा दर्जन से अधिक युवकों को कोतवाली थाने लाकर पूछताछ कर रही हैं तो वहीं 18 दिसंबर को भरवेली पुलिस और सीएसपी वैशाली सिंह अपने अधीनस्थ अमले के साथ नगर के गुजरी बाजार स्थित कृष्ण मंदिर के बाजू में एक कबाड़ी दुकान में पहुची, जहां उन्होंने पूछताछ किया और दुकान को चेक किया साथ ही वहां से एक व्यक्ति को थाने ले जाया गया , वही इस घटना को वहां खड़े लोग अलग-अलग एंगल से देख रहे थे, किसी का कहना था कि भरवेली पुलिस एक मामले में मैंगनीज के पत्थरों की तलाश कर रही है, हालांकि अभी इस पूरे मामले पर पुलिस द्वारा कुछ नहीं कहा जा रहा है, पुलिस का कहना है कि उन्हें किसी मामले में एक बड़ी लीड मिली है और वह उसी की तलाश कर रही हैं और जल्द ही पूरा मामला पुलिस द्वारा मीडिया के सामने रखा जाएगा, वहीं इधर कोतवाली पुलिस भी गुजरी में हुई चोरी को लेकर सरगर्मी से अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है और जल्द ही ऐसा माना जा रहा है कि कोतवाली पुलिस गुजरी में हुई चोरी का खुलासा करेगी।

चोरी की बाइक तलाश की जा रही थी-कमलेश यादव

इस पूरे विषय को लेकर दूरभाष पर भरवेली थाना प्रभारी कमलेश यादव द्वारा बताया गया कि वह बाइक चोरी के मामले में बालाघाट पहुंचे थे और उन्होंने गुजरी स्थित एक कबाड़ी दुकान में चोरी की बाइक को तलाश किया, किंतु उन्हें वहां तलाशी के दौरान बाइक नहीं मिली।

करियर काउंसलर, मास्टर ट्रेनर शालाओं में जाकर करेंगे विद्यार्थियों की करियर कॉउंसिल

दिवसवॉर विकासखण्डों में पहुंचेंगे काउंसलर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशानुसार जनकल्याण पर्व अंतर्गत स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कॉउंसिल करना निर्धारित किया जाना है। जिसके लिए डीईओ एके उपाध्याय द्वारा जिले में संचालित स्कूलों में करियर कॉउंसिल के लिए मास्टर ट्रेनर नियुक्त कर ब्लॉक वाइस दायित्व सौपे गए है। जिसमे उन्होंने सीएम राइज शा. वीरांगना रानी दुर्गावती उमावि बालाघाट के श्री सलिल पांडेय को विकासखंड बालाघाट, लालबर्रा, वारासिवनी एवं कटंगी अंतर्गत स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों की कॉउंसिल के लिए नियुक्त किया है। वहीं शासकीय मॉडल स्कुल बिरसा के श्री सौरभ शर्मा को विकासखंड बिरसा, बैहर व परसवाड़ा, शाउमावि भेंडारा के डॉ. दुर्गेश टेम्भरे को विकासखंड खैरलांजी, शाउमावि संगीता चौधरी को लांजी, शाउमावि कन्या किरनापुर के श्री माविराज जैन को किरनापुर तथा शाउमावि कचनारी के श्री विपिन सोनी को करियर काउंसलर के रूप में दायित्व निभाते हुए विकासखण्ड बिरसा के शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों की करियर कॉउंसिल का कार्य सुनिश्चित करना होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश शासन

पुराना श्री राम मंदिर प्रांगण में बह रही ज्ञान की गंगा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। अगहन मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर के पुराना श्री राम मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है।लगभग 20 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वाहन करते हुए इस वर्ष यह आयोजन 15 से 22 दिसंबर तक किया गया है। जिसमें कथा वाचक पंडित मधुरेश मिश्र द्वारा रोजाना ही विभिन्न प्रसंगों की संगीतमय प्रस्तुति दी जा रही है।आयोजन के चौथे दिन बुधवार 18 दिसंबर को रामचरित्र एवं श्री कृष्ण जन्म प्रसंग की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। जिसमें श्रद्धालु भक्तगण झूमते गाते नजर आए।बताया जा रहा है कि 22 दिसंबर को गीता सार, हवन, यज्ञ, पूर्णाहुति, एवं महाप्रसाद वितरण के साथ आयोजित इस संगीतमय श्री भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा वाचन का समापन किया जाएगा।

रोजाना ही विभिन्न प्रसंगों की दी जा रही प्रस्तुति

नगर के पुराना श्री राम मंदिर प्रांगण में आयोजित इस संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रवचन के दौरान 15 दिसंबर से रोजाना ही विभिन्न प्रसंगों की प्रस्तुति दी जा रही है।जिसमें 15 दिसंबर रविवार कोशुकदेव जन्म, परीक्षित जन्म, हिरण्याक्ष वध का वर्णन किया गया।तो वही 16 दिसंबर सोमवार को ध्रुव चरित्र, जड़ भरत, आख्यान प्रसंग की प्रस्तुति दी गई।इसके उपरांत 17 दिसंबर मंगलवार को प्रहलाद चरित्र, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, आज 18 दिसंबर रामचरित एवं श्री कृष्ण जन्म प्रसंग का संगीत में वाचन किया गया। बताया जा रहा है कि आज 19 दिसंबर गुरुवार को बाललीला, कंस वध,गोवर्धन पूजा, रुकमणी विवाह 20 दिसंबर शुक्रवार को जरासन्ध वध, शिशुपाल वध, सुदामा चरित्र, 21 दिसंबर शनिवार को - परीक्षित मोक्ष का वाचन कर अंतिम दिन 22 दिसंबर रविवार को गीता सार, हवन यज्ञ पूर्णाहुति एवं महाप्रसाद वितरण कर आयोजित इस संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रवचन का समापन किया जाएगा।

20 वर्षो से अधिक समय से चली आ रही परंपरा- मधुरेश मिश्र

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुराना श्री राम मंदिर के पुजारी पंडित मधुरेश मिश्र ने बताया कि अगहन मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष पुराना श्री राम मंदिर प्रांगण में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रवचन का आयोजन किया जाता है।यह परंपरा 20 वर्ष से अधिक समय से चली आ रही है जो अब भी जारी है।उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा एवं श्री राम कथा श्रवण से वंश वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति, व्यापार, मान-सम्मान एवं सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। वर्ष में मंदिर में दो विशाल आयोजन श्री राम कथा एवं भागवत कथा के हमेशा हो रहे हैं उन्होंने आगामी 22 दिसंबर तक रोजाना आयोजित होने वाले विभिन्न प्रसंगों में उपस्थित की अपील श्रद्धालु भक्तों से की है।

पीजी कॉलेज में गणित दिवस सप्ताह का किया गया आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष पूरे देश में 22 दिसंबर के दिन को राष्टीय गणित दिवस मनाया जाता है ।जहां महान गणितज्ञ रामानुजन को याद कर उनके गणित के क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की जाती है ।22 दिसंबर को मनाए जाने वाले इस राष्टीय गणित दिवस के अवसर पर नगर के पीजी कॉलेज में रामानुजन सप्ताह का आयोजन किया गया है जहां 16 से 22 दिसंबर तक आयोजित इस सप्ताह के तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं।इसी कड़ी में बुधवार को नगर के पीएम श्री एक्सीलेंस पीजी कॉलेज के वर्चुअल हॉल में 2 दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया।जिसमे देश के विभिन्न राज्यो से आए गणित के विशेषज्ञों ने गणित विषय पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारी देने के साथ ही सालों से गणित को लेकर अपनाई जा रही पध्दतियों से भी अवगत कराया है। साथ ही अपने ज्ञान से छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा उन्होंने हर जगह पर गणित की उपयोगिता व उपयोग पर जानकारी देने का कार्य किया। बताया गया कि आयोजित इस नेशनल सेमिनार में गुरुवार को भी विषय विशेषज्ञों का आगमन पीजी कॉलेज होगा।जहां छात्र-छात्राओं को गणित की उपयोगिता व उपयोग को लेकर जानकारी दी जाएगी।इसके अलावा भारती ज्ञान परंपरा में गणित का महत्व, भारतीय गणितज्ञ की महानताओं के बारे में भी बताया जाएगा साथ ही विषय से संबंधित विभिन्न जानकारियां से अवगत कराकर पीजी कॉलेज में आयोजित इस नेशनल सेमिनार का समापन किया जाएगा

भारत का महान गणितज्ञ है रामानुजन

आपको बताए कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर 1887 को हुआ था और 26 अप्रैल 1920 को उनकी मृत्यु हो गई थी। इन्हें आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है।इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला फिर इन्होंने विश्नैषण एंव संख्या के सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए है। इन्होंने अपने प्रतिभा और लगन से न केवल गणित के क्षेत्र में अद्भुत अविष्कार किए वरन भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया हैं।भारत के महान गणितज्ञ रामानुजन अल्प आयु(38 वर्ष) में ही इस दुनिया को छोड़कर चले गए थे ।लेकिन अल्पआयु में ही उन्होंने गणित के जो बड़े-बड़े कार्य कर गए है। उन्हें दुनिया आज भी सिद्ध नहीं कर पाई है। इसलिए उन्हें भारत का महान गणितज्ञ भी कहा जाता है।

गणित से विद्यार्थी डरे नहीं, उसे समझे

पीजी कॉलेज में आयोजित इस दो दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी सेमिनार की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं छायाचित्र समीप दीप प्रवजलन के साथ की गई ।जहां सरस्वती वंदना कर उपस्थित अतिथियों का शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ से स्वागत कर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में गणित विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर योगेश कुमार विजयवार द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई। जिसमें उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में गणित के महत्व के बारे में बताया। महाविद्यालय प्राचार्य पी आर चंदेलकर के द्वारा उपस्थित अतिथियों के प्रति स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में प्रथम नोट स्पीकर के रूप में डॉ एस एस ठाकुर सेवानिवृत्ति प्राध्यापक एम्लाइज मैथमेटिक्स प्राचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज जबलपुर द्वारा विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित का विशेष योगदान है। उन्होने मैजिक स्क्वायर,के अंतर्गत गणितज्ञ वराहमिहिर मैजिक स्क्वायर ,नागार्जुन के मैजिक स्क्वायर, नारायण मैजिक स्क्वायर,रामानुज मैजिक स्क्वायर आदि की जानकारी दी। वही इनका विस्तार पूर्वक विश्लेषण किया। वहीं दूसरे नोट स्पीकर के रूप में डॉ वी के गुप्ता परीक्षा नियंत्रक मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर एवं निदेशक रामानुजन रिसर्च सेंटर ऑफ मैथमेटिक्स उज्जैन ने भी गणित विषय को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। तो वहीं अंतिम स्पीकर के रूप में डॉ पीवी जैन सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं विभाग अध्यक्ष रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर गणित विभाग ने अपने व्याख्यान की श्रृंखला में ज्ञान क्या है ,व्यवहारिक ज्ञान ,अनुभव ज्ञान ,सीमित ज्ञान ,मध्य ज्ञान के बारे में विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से जानकारी दी। इसके अलावा अन्य गणित विशेषज्ञों ने भी गणित विषय को लेकर आवश्यक जानकारी दी। जिसमें उन्होंने गणित से डरने की जगह समझने की बात कही है।

हवाहवाई हुआ धान परिवहन के 72 घन्टो वाला नियम?

परिवहन नियमो को ताक में रख कराया जा रहा उपार्जन कार्य, परिवहन के अभाव में उपार्जन केंद्रों में लगा धान का भण्डार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों से बचने के लिए प्रतिवर्ष शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाती है। जहां प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी शासन द्वारा जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में समर्थन मूल्य पर किसानों का उपार्जन खरीदा जा रहा है ।लेकिन परिवहन की उचित व्यवस्था न होने के चलते खरीदी गई धान का परिवहन नहीं हो पा रहा है।जिसके चलते जहां एक ओर किसान परेशान है ,तो वहीं दूसरी ओर समिति प्रबंधकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहां जगह की कमी के चलते विभिन्न केंद्रों पर खरीदी गई धान के ढेर लग चुके हैं। तो वही जगह न होने के चलते किसानों को भी धान बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नौबत यहां तक आ गई है कि अब धान खरीदी केंद्र प्रभारियो ने परिवहन ना होने पर धान खरीदी का कार्य भी धीमा कर दिया है जिसके चलते किसानों को केंद्र पहुचने के बाद धान बेचने के लिए 2 से 3 दिनों तक का समय लग रहा है।

परिवहन ना होने से केंद्रों में कम पड़ रही जगह

जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रो में वर्तमान में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का काम चल रहा है, लेकिन परिवहन ना होने के चलते धान की बिक्री के लिए केंद्र पहुचने वाले किसानों को हर मोड़ पर समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है. जिले में विभिन्न धान खरीदी केंद्र से धान का उठाव न होने से उपार्जन प्रभारी व किसानों के लिए चिंता का सबब बन गया है. बालाघाट जनपद के अंतर्गत आने वाले ग्राम चरेगांव सहित जिले के अन्य सेवा सहकारी समिति में धान का परिवहन नहीं होने से धान उपार्जन कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। यहां धान प्रभारी ने शासन प्रशासन विभाग को परिवहन निरंतर बनाए रखने की मांग की है।

72 घंटे वाले नियम का नहीं किया जा रहा पालन

बात अगर नियम की करें तो नियम के मुताबिक किसानों से धान खरीदने के 72 घंटे या तीन दिन के भीतर खरीदी गई उस धान का परिवहन किए जाने का नियम बनाया गया है। ताकि विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर किसानों से धान खरीदने और किसानों को उस केंद्र पर धान बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। वही विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त जगह बनी रहे। लेकिन जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर इस नियम को ताक में रखा जा रहा है। जहां 72 घंटे वाले इस नियम की धज्जियां उड़ाते हुए धान का परिवहन नहीं किया जा रहा है ।जिसके चलते किसान और केंद्र प्रभारी दोनों परेशान है। वही सबसे ज्यादा परेशानी भुगतान को लेकर आएगी ।क्यो कि जब तक धान का परिवहन गोदाम तक नहीं हो जाता और गोदाम में उस धान की एंट्री नहीं हो जाती तब तक बेची गई उस धान का किसानों को भुगतान नहीं किया जाएगा।

स्लॉट ब्लैंक होने का मंडरा रहा खतरा

बता दें कि समितियों ने जिन किसानों की धान समर्थन मूल्य पर खरीद कर स्टॉक में रख लिया है, उसे वेयर हाउस में शिफ्ट नहीं किया गया. जिसके चलते केंद्रों में अब नया लॉट खरीदने के लिए जगह नहीं बची है. ऐसे में जिले के तमाम किसानों के बुक स्लॉट ब्लैंक होने का खतरा मंडराने लगा है. यह स्थिति बालाघाट जिले की लगभग सभी जनपद के लगभग सभी खरीदी केंद्रों में बनी हुई है।

यहां पैर रखने तक कि जगह नही है- कृष्ण पारधी

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम चरेगांव के किसान कृष्ण कुमार पारधी ने बताया कि वे समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए चरेगांव समिति आए हैं यहां पर धान रखने के लिए जगह तक नहीं बची है। किसान दो-तीन दिनों से यहां पर धान तौलने की राह देख रहे हैं।जिन्हें खरीदी केंद्र में अपने माल की जगवाली करनी पड़ रही है। लेकिन यहां पर माल डंप करके रखा गया है जिसका परिवहन नहीं हो पाया है। इस धान खरीदी केंद्र में पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। खरीदी केंद्र से, तत्काल धान का परिवहन करना चाहिए। ताकि किसानों को धान बेचने के लिए दो-तीन दिनों का इंतजार करना ना पड़े।

3 दिन से धान लेकर जगवाली कर रहे है-पटले

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम सेरावी के किसान राम प्रसाद पटले ने बताया कि वे करीब 400 पट्टी धान लेकर समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए खरीदी केंद्र आए हैं। सोमवार से यहां धान लेकर आए हैं जिसकी खरीदी अब तक नहीं की गई है यहां पर धान का परिवहन नहीं हो रहा है जिसके चलते धान रखने के लिए जगह नहीं बची है जिसका खामियाजा हम किसानों को भुगतना पड़ रहा है और वे दो-तीन दिनों से अपनी धान बिक्री के इंतजार में जगवाली कर रहे हैं।

किसानों के साथ-साथ हम भी परेशान हैं- बिसेन

वही इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति चरेगांव धान खरीदी प्रभारी जितेंद्र बिसेन ने बताया कि अब तक करीब 5000 क्विंटल से अधिक धान की खरीदी की जा चुकी है हमारे पास जो ग्राउंड है वह ग्राउंड पूरा भर चुका है ।अब हमारे पास धान रखने की जगह नहीं बची है धान का परिवहन नहीं हो रहा है इसीलिए समस्या आ रही है। किसानों के साथ-साथ हम भी परेशान हैं ।हमारी मांग है कि जल्द से जल्द केंद्र से धान का परिवहन किया जाना चाहिए। ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा सके।

एमपी एमएलए कोर्ट से पूर्व विधायक किशोर समरीते दोष मुक्त

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जबलपुर की एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट विश्वेश्वरी मिश्रा की अदालत ने लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते के खिलाफ दर्ज मुकदमा निरस्त कर उसे आरोपित अपराध में दोष मुक्त कर दिए।। लांजी पूर्व विधायक श्री समरीते के विरुद्ध कार्यालय में घुसकर भयभीत करने का आरोप लगाया गया था। समरीते की ओर से अधिवक्ता विजय पांडे और रजनीश चौबे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील कि नवंबर 2020 में राजेश पाठक ने पुलिस थाना भरवेली बालाघाट में किशोर समरीते के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया गया था कि किशोर समरीते ने हट्टा स्थित कार्यालय में घुसकर कर्मचारी बब्बू सिंह, फूलचंद तिवारी, खेलचंद मसकरे और राजेश पाठक को भयभीत किया, हत्या सहित दूसरे अन्य अपराध में फंसा देने की धमकी दी और 20 हजार रुपये प्रति माह भेजते रहने का दबाव बनाया था। सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई की घटना के दिन आरोपी वहा उपस्थित था। इस मामले में अभियोजन आरोप साबित करने में नाकाम रहा। दलित दी गई की अनर्गल आरोप लगाकर विधायक किशोर समरीते की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने का प्रयास किया गया। एमपी एमएलए कोर्ट ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए किशोर समरीते को उनपर लगाए गए आरोप से दोष मुक्त कर दिए।

शीत लहर के चलते आंगनवाड़ी के समय मे हुआ परिवर्तन

सुबह 10 से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे आंगनबाड़ी केंद्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।शासन के निर्देशानुसार शीत लहर के चलते समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में परिवर्तन सुनियोजित कर लिया गया है। महिला बाल विकास विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बालाघाट जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन अब सुबह 10 से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया जाएगा। इसी बीच बच्चों की सामुदायिक गतिविधियां, नाश्ता, खेल गतिविधियां, भाषा साक्षरता व बाहरी खेल गतिविधिया सुनिश्चित की जाएगी। 10 बजे आंगनबाड़ी खोलने के साथ ही बच्चों की साफ सफाई का अवलोकन तथा दोपहर 2 से 3 बजे के बीच बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें उनके गंतव्य/अभिभावकों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही 3 से 4:30 बजे थर्ड मील रोजाना एवं 4:30 से 5 बजे तक रिकॉर्ड संधारण निर्धारित किया जाएगा।

मारुति वैन मोटरसाइकिल से टकराई

युवक की मौके पर मौत- मारुति वैन चालक भी घायल

बैहर से गढ़ी रोड़ बम्हनी फाटा के पास हुआ सड़क हादसा, माता-पिता का इकलौता बेटा था नरेंद्र, हाल ही में होने वाली थी शादी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना अंतर्गत गढ़ी रोड पर स्थित बम्हनी फाटा आराम टोला पुलिया के पास बेलगाम मारुति वैन ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी ।मारुति वैन की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी बैहर के अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतक नरेंद्र पिता धानुलाल पटले 26 वर्ष ग्राम थूरैमेटा (डोंगरिया) थाना बिरसा निवासी है। 17 दिसंबर की शाम 7:00 बजे करीब हुई इस सड़क दुर्घटना में मारुति वैन चालक भी घायल हो गया ।यह व्यक्ति सुरेश कुमार पिता शंकर लाल सोनी 48 वर्ष ग्राम भिड़ी थाना परसवाड़ा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेंद्र पटले अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था जिसके परिवार में माता-पिता और पांच बहने हैं ।बताया गया है कि नरेंद्र पटले की शादी हाल ही में तय हो गई थी। 17 दिसंबर को नरेंद्र पटले मोटरसाइकिल में बैहर में रहने वाले अपने जीजा से शादी के संबंध में चर्चा करने के लिए आया था। सुरेश सोनी ग्राम भिड़ी निवासी कपड़ा व्यवसायी है और वह अपने क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाते हैं। 17 सितंबर को सुरेश सोनी अपनी मारुति वैन से गढ़ी साप्ताहिक बाजार गए थे और बाजार में धंधा करने के बाद शाम 7:00 बजे करीब सुरेश सोनी अपनी मारुति वैन में गढ़ी से अपने घर भिड़ी जाने निकले थे और इसी समय नरेंद्र पटले भी मोटरसाइकिल में बैहर से अपने घर थुरैमेटा बिरसा जा था । बैहर से गड़ी रोड़ बम्हनी फाटा आराम टोला पुलिया के पास गढ़ी तरफ से तेज रफ्तार से आ रही मारुति वैन ने नरेंद्र पटले की मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। मारुति वैन की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार नरेंद्र पटले गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया और मारुति वैन चालक सुरेश सोनी भी मारुति वैन सामने से क्षतिग्रस्त होने से घायल हो गया। जो प्राइवेट वाहन से अपने घर पहुंच गया। बताया गया है कि गढ़ी रोड आरामटोला पुलिया के पास दुर्घटना होने की खबर बैहर में सोबित बनवाले श्री राम एंबुलेंस चालक को लगी जो घटनास्थल पहुंचे और गंभीर रूप से घायल बेहोश नरेंद्र पतले को एम्बुलेंस से बैहर अस्पताल लाये। जिसे डॉक्टर ने चेक करने पर मृत घोषित कर दिए। नरेंद्र पटले की घटना स्थल से बैहर अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो चुकी थी। इस दुर्घटना में घायल मारुति वैन चालक सुरेश सोनी को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। 18 दिसंबर को बैहर पुलिस थाने के उप निरीक्षक अयूब खान ने एंबुलेंस चालक सोबित बनवाले का बयान लेकर मृतक नरेंद्र पटले का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जाँच शुरू की है।

एक महिला की कुएं में गिरने से मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बहेला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम अधिया टोला में अपनी बेटी के घर रह रही एक महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतिका कलाबाई पति लक्ष्मीचंद सिंगोरे 55 वर्ष ग्राम पारडी जिला नागपुर महाराष्ट्र निवासी है। बहेला पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कलाबाई मूल रूप से पारडी नागपुर की रहने वाली है। जिसके परिवार में पति और एक बेटी है। बताया गया है कि तीन वर्ष से कलाबाई अपने पति लक्ष्मीचन्द के साथ ग्राम अधियाटोला में अपने दामाद फूल सिंह डोंगरवार के यहां रह रहे थे। लक्ष्मीचंद ईट जुड़ाई का काम करता है। बताया गया है कि कलाबाई के मुंह में कुछ बीमारी हो गई थी। जिसका इलाज किया जा रहा था ।16 दिसंबर की रात कलाबाई ने परिवार के साथ खाना खाई और सो गई थी। किंतु 17 दिसंबर को सुबह 4:00 बजे कलाबाई बिस्तर पर नहीं दिखी। गांव मोहल्ले में खोजबीन करने पर भी वह नहीं मिली। तब सुबह कुआं के पास चप्पल दिखी और कुएं में देखने पर कुएं के अंदर कला बाई का शव पड़ा हुआ था। जिसकी रिपोर्ट उसके दामाद फूल सिंह डोंगरवार ने बहेला पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक बिज्जू मामन अपने स्टाफ के साथ अधियाटोला पहुंचे और कलाबाई की लाश कुए से बाहर निकलवाई पंचनामा कार्यवाही पश्चात कलाबाई का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की की 17 दिसंबर की सुबन 4:00 बजे कलाबाई सोच के लिए उठी। इसी समय कुएं से पानी निकलते समय कला बाई कुएं में फिसलकर गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। आगे मर्ग जांच सहायक उतरीक्षक श्री मामन द्वारा की जा रही है।

बगैर लायसेंस के गोदाम संचालन करने पर गोदाम किया सील

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट बुधवार को लालबर्रा अंतर्गत वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक गोडाउन के निरीक्षण पर पहुंचा। निरीक्षण के दौरान मप्र वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स गोडाउन लालबर्रा की वान्या नमक की शिकायत पर जांच सुनिश्चित की गई। जाँच के दौरान गोदाम का लाइसेंस एक्सपायर तथा बिना लाइसेंस के गोदाम का संचालन पाया गया। जिस पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम अंतर्गत कार्यवाही करते हुए गोदाम सील करना सुनिश्चित किया गया। वही वान्या नमक व चावल शक्कर के नमूने जांच के लिए भेजे गए। साथ ही वन्या नमक की 169 बोरी जब्त की गई, ताकि उसका मानव उपभोग के लिए वितरण ना किया जा सके।

65 वर्षीय व्रद्ध की मकान की छत से गिरने से मौत

तिरोड़ी थाने के ग्राम पुलपुटा की घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) ।तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पुलपुटा इसी ग्राम के एक वृद्ध राधेश्याम पिता बाबूलाल सोहागपूरे 64 वर्ष कि घर के छत से गिरने से मौत हो गई। तिरोड़ी पुलिस ने इस व्रद्ध का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राधेश्याम सोहागपूरे के परिवार में पत्नी दो बेटे और एक बेटी है एक बेटा और एक बेटी की शादी हो चुकी है। राधेश्याम के घर में ही किराना दुकान है और बेटा नरेंद्र सिलाई काम करता है। राधेश्याम दुकान में रहता था। 17 दिसंबर को 1:00 बजे राधेश्याम घर में खाना खाने के बाद घर के अंदर की सीडी से मकान की छत के ऊपर चढ़ा था और कंबल सुखा रहा था तभी राधेश्याम अचानक छत के ऊपर से असंतुलित होकर के नीचे गिर गया। सिर और मुंह में चोट लगने से राधेश्याम गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था मपरिजनों ने गांव के ही चिकित्सक को दिखाएं ।किंतु गांव के चिकित्सक ने उसे बाहर ले जाने की सलाह दिए। किंतु राधेश्याम की घर में ही मौत हो गई जिसकी रिपोर्ट उसके बेटे नरेंद्र सोहागपूरे 41 वर्ष ने तिरोड़ी पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार ने ग्राम पुलपुटा पहुंचकर मृतक राधेश्याम का शव बरामद किया और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। आगे मर्ग जांच की जा रही है।

मप्र अंड़र 22, टीम के लिए चयन आज

बालाघाट(पदमेश न्यूज़) ।जिला क्रिकेट संघ बालाघाट सचिव निशांत मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अंडर 22 की टीम, मध्यप्रदेश क्रिक्रेट ऐशोशियेशन के अंतर्गत चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है ।जो कि आज 19 दिसंबर दिन गुरुवार समय शाम 4 बजे गर्ल्स कॉलेज मैदान गोदिया रोड बालाघाट आयोजित की जाएगी ।जिला क्रिकेट संघ बालाघाट के सचिव निशांत मिश्रा ने विज्ञप्ति के माध्यम से अंडर 22 के खिलाड़ियों को अधिक से अधिक की संख्या में उपस्थित होने की बात करते हुए समय पर टेस्ट देने के लिए ग्राउंड पहुंचने की अपेक्षा की है।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत

वारासिवनी से कटंगी रोड पर हुई थी सड़क दुर्घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पिछले सप्ताह वारासिवनी थाना अंतर्गत कटंगी रोड पर स्थित ग्राम सावंगी के पास सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल लखन लाल पिता जगलाल ठाकरे 60 वर्ष ग्राम सावंगी निवासी की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनलाल ठाकरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे। जिनके परिवार में पत्नी यशोदा ठाकरे के अलावा दो बच्चे हैं। बताया गया की 10 दिसंबर को 12 बजे लखन लाल ठाकरे अपने गांव सावंगी से पैदल वारासिवनी साप्ताहिक बाजार आये थे और शाम 7:00 बजे लखन लाल ठाकरे वारासिवनी से पैदल अपने घर सावंगी जा रहे थे तभी कटंगी रोड सावंगी बस स्टैंड के पास ही कोई अज्ञात वाहन लखनलाल ठाकरे को ठोस मार कर फरार हो गया। जो घायल और बहरोशी की हालत में रोड किनारे पड़े थे। खबर मिलते ही उनके परिवार के लोग पहुंचे और गंभीर रूप से घायल लखनलाल ठाकरे को वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद लखनलाल ठाकरे को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान 18 दिसंबर को सुबह लखनलाल ठाकरे की मौत हो गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने लखनलाल ठाकरे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है।

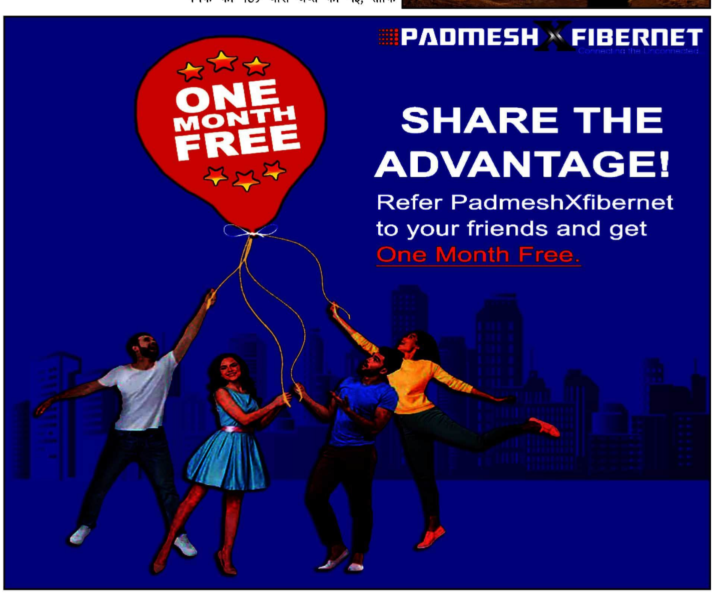

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट